खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । मंगलवार, 22 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-261

सीम सीम जाग जा!

दूसरे को दी तो 50 लाख जुर्माना

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

अपने दस्तावेजों पर ली गई सिम किसी अन्य व्यक्ति को देना भारी पड़ सकता है। दूरसंचार विभाग ने 21 सितंबर को जारी नई सलाह में कहा है कि फर्जी पहचान पत्र से सिम खरीदने या बेचने अथवा मोबाइल के आईएमईआई नंबर से छेड़छाड़ करने पर तीन साल तक की जेल और 50 लाख रुपये तक का जुर्माना हो सकता है। सरकार ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे संचार साथी पोर्टल या मोबाइल अनुप्रयोग पर जाकर तुरंत जांच करें कि उनकी पहचान पर उनकी जानकारी के बिना कोई अनजान मोबाइल नंबर तो सक्रिय नहीं है।

छत्तीसगढ़ में फर्जीवाड़े के बाद सरकार की सख्ती

दूरसंचार विभाग ने यह कदम छत्तीसगढ़ में हुए एक बड़े साइबर धोखाधड़ी मामले के बाद उठाया है। वहां एक सिम विक्रेता एजेंट ने लोगों के दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल करके उनकी जानकारी के बिना 25 फर्जी सिम सक्रिय कर रखे थे।

मामला सामने आने के बाद दूरसंचार विभाग ने उस एजेंट को काली सूची में डाल दिया। दोबारा सत्यापन में विफल पाए जाने पर सभी 25 फर्जी मोबाइल नंबरों को तत्काल बंद कर दिया गया।

दूरसंचार विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि यदि कोई व्यक्ति अपने नाम से सिम खरीदकर किसी अन्य व्यक्ति को बेचता है, किराए पर देता है या उसे साइबर ठगी के लिए इस्तेमाल होने देता है, तो उसके खिलाफ भी पुलिस मामला दर्ज हो सकता है और कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।इसके अलावा फर्जी दस्तावेज लगाकर सिम लेना, पहचान छिपाकर धोखाधड़ी करना या किसी अन्य व्यक्ति के नाम की सिम का गलत इस्तेमाल करना भी गंभीर अपराध है।जब कोई ठग किसी पहचान पत्र के आधार पर सिम निकलवाता है या पैसे का लालच देकर किसी व्यक्ति की सिम हासिल कर लेता है और उसका इस्तेमाल साइबर अपराध के लिए करता है, तो ऐसी सिम को 'म्यूल सिम' कहा जाता है।

आईएमईआई नंबर और कॉलिंग पहचान बदलने पर भी पाबंदी

सलाह के मुताबिक, जिस मोबाइल फोन के आईएमईआई नंबर से छेड़छाड़ या उसमें बदलाव किया गया हो, उसका इस्तेमाल करना गैर-कानूनी है।

साथ ही, मोबाइल अनुप्रयोगों या वेबसाइटों के जरिए किसी अन्य व्यक्ति का नंबर दिखाकर कॉल करने यानी कॉलिंग पहचान बदलने वाले उपकरणों का इस्तेमाल करना भी अपराध है। सरकार ने इसे देश की सुरक्षा और दूरसंचार नेटवर्क के लिए बड़ा खतरा माना है।

सिम कार्ड की सीमा का नियम क्या है?

भारत में एक व्यक्ति के नाम पर अधिकतम नौ सिम कार्ड रखने का नियम काफी पुराना है। हालांकि, जम्मू-कश्मीर, असम और पूर्वोत्तर राज्यों के लिए यह नियम थोड़ा अलग है।

सुरक्षा कारणों से इन राज्यों में रहने वाले लोग अपने नाम पर अधिकतम छह सिम कार्ड ही रख सकते हैं।

सरकार ने दूरसंचार कंपनियों को डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म का इस्तेमाल करने को कहा है। इस पोर्टल पर देश के सभी मोबाइल उपयोगकर्ताओं का डेटा मौजूद है।

नया सिम सक्रिय करने से पहले कंपनियां इस पोर्टल पर जांच करेंगी कि संबंधित व्यक्ति के नाम पर कुल कितने सिम कार्ड चल रहे हैं।

नियमों को और सख्त बनाने के लिए सरकार ने 23 अगस्त से डिजिटल इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म पर एक नया फीचर जोड़ दिया है।

इसके तहत, जिन लोगों के नाम पर सिम कार्ड की तय सीमा यानी नौ सिम से अधिक सक्रिय हैं, उनकी तस्वीर इस पोर्टल पर दिखाई देने लगती है।

इससे सिम बेचते समय विक्रेता तुरंत पहचान सकते हैं कि किस ग्राहक को नया सिम देने से मना करना है।

30 नवंबर तक कंपनियों को सिस्टम सुधारने की मोहलत

दूरसंचार विभाग ने सभी दूरसंचार कंपनियों को अपने सिस्टम को इस नए सरकारी प्लेटफॉर्म के साथ पूरी तरह जोड़ने के लिए 30 नवंबर 2026 तक का समय दिया है।तब तक कंपनियों को अपनी पूरी प्रक्रिया दुरुस्त करनी होगी, ताकि कोई भी अतिरिक्त सिम कार्ड सक्रिय न हो सके।

राजस्थान निकाय चुनाव

302 में से 200 भगवा

जयपुर, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के शहरों की सरकार चुनने की तस्वीर अब काफी हद तक साफ हो गई है। प्रदेश के 309 नगरीय निकायों में से 302 के सभापति चुनाव का फैसला हो चुका है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा ने 200 निकायों में बोर्ड बनाया है, जबकि कांग्रेस 94 निकायों में सत्ता में आई है। यानी दोनों दलों के बीच 106 निकायों का अंतर है। अब सिर्फ सात निकायों के नतीजे बाकी हैं।

इस पूरे नतीजे को सिर्फ एक संख्या से समझना आसान नहीं होगा। भाजपा 200 बोर्ड के साथ दो-हरा शतक बना चुकी है, जबकि कांग्रेस 94 बोर्ड पर है। भाजपा के खाते में छह नगर निगम, 31 नगर परिषद और 162 नगर पालिकाएं हैं। कांग्रेस को एक नगर निगम, 13 नगर परिषद और 80 नगर पालिकाओं में बोर्ड मिले हैं। दोनों दलों से अलग आठ निकायों में अन्य दलों या निर्दलीयों का बोर्ड बना है।

मेयर चुनाव ने तस्वीर को और दिलचस्प बनाया

अब तक सात नगर निगमों के महापौर चुने जा चुके हैं। इनमें भाजपा के छह महापौर बने हैं, जबकि कांग्रेस को एक नगर निगम मिला है। भाजपा ने अजमेर, उदयपुर, अलवर, पाली, भरतपुर और भीलवाड़ा में महापौर पद हासिल किया। बीकानेर में कांग्रेस के अनिल कल्ला महापौर बने।

महापौर चुनाव में क्या बदला?

निकाय चुनाव के वार्ड नतीजे हमेशा महापौर का सीधा नतीजा तय नहीं करते। अजमेर इसका स्पष्ट उदाहरण रहा। यहां कांग्रेस के पास 37 पार्षद थे, जबकि भाजपा के पास 32 पार्षद थे। इसके बावजूद भाजपा की अनामिका शर्मा महापौर चुनी गईं। उन्हें 43 वोट मिले, जबकि कांग्रेस को 37 वोट मिले। इस नतीजे में निर्दलीय पार्षदों की भूमिका अहम रही। पाली में भी कुछ ऐसा ही हुआ। वार्ड चुनाव में कांग्रेस के पास 29 पार्षद थे, जबकि भाजपा के पास 21 पार्षद थे। इसके बावजूद महापौर का पद भाजपा के खाते में गया। अलवर में भी भाजपा ने महापौर की कुर्सी हासिल की, जबकि वहां किसी एक दल के पास स्पष्ट बहुमत नहीं था। यानी सभापति या महापौर चुनाव में केवल यह देखना पर्याप्त नहीं है कि वार्ड में किस दल के पास कितने पार्षद हैं।

नगर पालिकाओं में भाजपा 162 पर

राजस्थान की 252 नगर पालिकाओं में से 248 के नतीजे घोषित हो चुके हैं। आंकड़ों के मुताबिक, भाजपा ने 162 नगर पालिकाओं में जीत दर्ज की है, जबकि कांग्रेस को 80 नगर पालिकाओं में सफलता मिली। छह जगह अन्य दलों या निर्दलीय उम्मीदवारों के उम्मीदवार सभापति बने हैं। चार नगर पालिकाओं का फैसला अभी बाकी है।

नगर परिषदों की बात करें तो 47 में से 46 के नतीजे आ चुके हैं। भाजपा ने 31 परिषदों में जीत दर्ज की, जबकि कांग्रेस 13 पर रही। दो नगर परिषदों में अन्य दलों या निर्दलीयों ने जीत हासिल की। एक नगर परिषद का नतीजा अभी बाकी है।

बारां में आम आदमी पार्टी का बोर्ड, स्थानीय समीकरण भी चर्चा में

इस चुनाव में भाजपा और कांग्रेस के अलावा अन्य दलों ने भी कुछ जगह अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। बारां नगर परिषद में आम आदमी पार्टी की शीतल राठौड़ सभापति चुनी गईं। यह राजस्थान में आम आदमी पार्टी का पहला नगर परिषद बोर्ड है।

इसके अलावा, निर्दलीयों की भूमिका भी कई जगह अहम रही। जहां ▶8पर

हे माँ! कलेजा हूँ तेरा

मासूम को छाँव में सुलाकर.. खुद मौत की नींद सो गई!

जालोर, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

राजस्थान के जालोर में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां 33 वर्षीय एक महिला ने अपने छह महीने के मासूम बेटे को रेलवे ट्रैक के पास छोड़ने के बाद ट्रेन की चपेट में आकर जान गंवा दी। ट्रेन की चपेट में आने से महिला की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसका छह महीने का बच्चा सुरक्षित मिला। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई।

घटना रविवार दोपहर करीब 12:15 बजे बागरा और जागनाथ रेलवे स्टेशन के बीच की है। मृतका की पहचान भागली सिंघलान गांव निवासी भावना (33), पत्नी डूंगाराम मेघवाल के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, महिला रविवार सुबह अपने बेटे के साथ अस्पताल में इलाज कराने की बात कहकर घर से निकली थी।

बेटे को साथ लेकर निकली थी, रास्ते में छोड़ा

कोतवाली थाने के सहायक उपनिरीक्षक मांगीलाल के अनुसार, भावना की तबीयत खराब थी। रविवार सुबह करीब 9 बजे वह अपने छह महीने के बेटे आर्यन को साथ लेकर घर से निकली थी। परिजनों को बताया गया था कि वह अस्पताल जाकर उपचार करवाएगी। ▶8पर

सीएनएन बैन पर चैनलों का पलटवार

ट्रंप का बॉयकाट

वॉशिंगटन, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

अमेरिका के प्रमुख टेलीविजन नेटवर्कों ने सोमवार को राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आधिकारिक कार्यक्रमों की साझा वीडियो पूल कवरेज रोकने का फैसला किया। यह कदम व्हाइट हाउस द्वारा सीएनएन, एमएस नाउ और पोलिटिको पर कथित तौर पर 'फर्जी खबरें' प्रकाशित करने का आरोप लगाकर उनके पत्रकारों को परिसर में प्रवेश से रोकने के बाद उठाया गया।

सोमवार को सीएनएन को निर्धारित साझा कवरेज करने से रोका गया। इसके विरोध में फॉक्स न्यूज, एबीसी न्यूज, सीबीएस न्यूज, सीएनएन और एनबीसी न्यूज ने संयुक्त रूप से पूल कवरेज रोकने का फैसला किया। इसके कारण राष्ट्रपति ट्रंप की संयुक्त राष्ट्र महासभा की यात्रा सहित उनके आधिकारिक कार्यक्रमों की साझा टेलीविजन वीडियो फीड प्रभावित हुई।

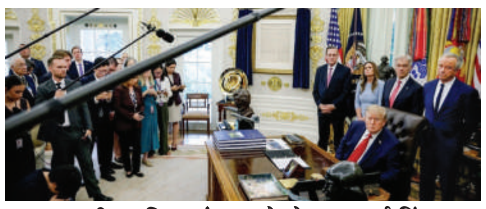

पत्रकारिता की स्वतंत्रता को लेकर जताई चिंता

फॉक्स न्यूज, एबीसी न्यूज, सीबीएस न्यूज, सीएनएन और एनबीसी न्यूज ने साझा बयान में कहा कि जनता को अपनी सरकार के बारे में सटीक और स्वतंत्र जानकारी पाने का अधिकार है। उनके अनुसार, किसी समाचार संगठन की रिपोर्टिंग पर आपत्ति के कारण किसी प्रशासन को उसे प्रतिबंधित नहीं करना चाहिए।

व्हाइट हाउस की साझा टीवी पूल व्यवस्था क्या है?

व्हाइट हाउस की टेलीविजन पूल व्यवस्था इसलिए बनाई गई है, ताकि सीमित जगह या सुरक्षा व्यवस्था के कारण सभी प्रसारकों के लिए अलग-अलग कैमरा दल भेजना संभव न होने पर भी राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की वीडियो कवरेज उपलब्ध हो सके।

सीएनएन, एबीसी, सीबीएस, फॉक्स न्यूज और एनबीसी न्यूज बारी-बारी से राष्ट्रपति के कार्यक्रमों में कैमरा दल भेजने की जिम्मेदारी संभालते हैं। पूल ड्यूटी पर मौजूद नेटवर्क कार्यक्रम की वीडियो रिकॉर्डिंग करता है और उसका फुटेज अन्य संबंधित चैनलों को उपलब्ध कराया जाता है। सोमवार को इस साझा पूल कवरेज की जिम्मेदारी सीएनएन के पास थी। इसमें ट्रंप की संयुक्त राष्ट्र महासभा के लिए न्यूयॉर्क यात्रा की कवरेज भी शामिल थी। लेकिन व्हाइट हाउस द्वारा सीएनएन के पत्रकारों को प्रवेश नहीं दिए जाने के कारण नेटवर्क निर्धारित कवरेज नहीं कर सका। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32^0

न्यूनतम : 22^0

देवा रे देवा!!

गणेश पंडाल में पोर्न स्कैनर

वाशिम, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

महाराष्ट्र के वाशिम से एक बेहद शर्मनाक घटना सामने आई है। यहां तीन युवकों ने गणेशजी की मूर्ति के पैरों के पास अश्लील सामग्री से जुड़े क्यूआर कोड का स्कैनर चिपका दिया। पुलिस ने मामले में तीन युवकों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उनके द्वारा अपराध स्वीकार करने की बात सामने आई है। वाशिम शहर के काले फाइल नामक इलाके में जय भवानी गणेश उत्सव मंडल ने बड़े पंडाल में गणेशजी की मूर्ति स्थापित की थी। 18 सितंबर को मंडल के कुछ सदस्यों को मूर्ति के पैरों के पास क्यूआर कोड का स्कैनर लगा दिखाई दिया। सदस्यों ने जब उसे स्कैन किया तो उनके होश उड़ गए। स्कैन करने के बाद टेलीग्राम का एक समूह खुला, जिसमें अश्लील वीडियो की कड़ी दिखाई दी। मंडल के वरिष्ठ सदस्यों को इसकी जानकारी दी गई। उन्होंने भी क्यूआर कोड स्कैन किया तो अश्लील वीडियो की कड़ी सामने आई। इसके बाद मंडल के कुछ सदस्य तत्काल वाशिम शहर पुलिस थाने पहुंचे और थानेदार को मामले की जानकारी दी। पुलिस अधिकारी अपनी टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। मामला गंभीर होने के कारण परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग खंगाली गई।

17 सितंबर की रात लगाया गया था स्कैनर

गणेशजी के पंडाल के पास लगे सीसीटीवी कैमरे में दिखाई दिया कि 17 सितंबर की रात करीब 11 बजे दो मोटरसाइकिलों पर तीन युवक पंडाल के पास पहुंचे थे। इनमें से एक युवक गणेशजी की मूर्ति के पास बैठता दिखाई दिया और उसने ▶8पर

जमुई दरिंदगी : विपक्ष का खून खौला

नई दिल्ली, 21 सितंबर (एजेंसियां)।

बिहार के जमुई में दसवीं कक्षा के नाबालिग छात्र-छात्रा के साथ कथित मारपीट, उत्पीड़न और छात्रा से छेड़खानी का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मामला गरमा गया है। घटना को लेकर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं भी सामने आई हैं। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने घटना की निंदा करते हुए बिहार सरकार और भाजपा पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने आरोपियों के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत कार्रवाई की मांग की है।

पुलिस के मुताबिक, घटना 19 सितंबर की शाम जमुई-लखीसराय मुख्य मार्ग से करीब तीन किलोमीटर दूर पहाड़ी इलाके में हुई। दोनों पीड़ित दसवीं कक्षा के छात्र-छात्रा हैं। पुलिस ने मामले में अब तक तीन नाबालिगों को पकड़ा है और अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है। मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया है।

ममता बनर्जी ने घटना पर नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि बिहार का वीडियो दिल दहला देने वाला और चौंकाने वाला है। उन्होंने कहा कि 'नैतिक पुलिसिंग' के नाम पर कानून हाथ में लेने वालों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए। किसी भी समाज में भीड़ को यह तय करने की इजाजत नहीं दी जा सकती कि किसे सम्मान, आजादी या सजा मिलनी चाहिए। ममता बनर्जी ने पीड़ित नाबालिगों से माफी मांगते हुए कहा कि एक देश के तौर पर हम उन्हें ▶8पर

आर्थिक तंगी और बदहाली से जूझ रहा पाकिस्तान अब करेगा गधों का कारोबार

ग्वादर में गधों का वध कर मांस और खाल चीन को बेचकर करेगा जमकर कमाई

इस्लामाबाद

विदेशी मुद्रा की कमी और आर्थिक दबाव से जूझ रहा पाकिस्तान अब गधों का कारोबार बढ़ा रहा है, जिसका सीधा संबंध चीन से है। बलूचिस्तान के ग्वादर बंदरगाह के पास गधों के वध और प्रसंस्करण की सुविधा विकसित की जा रही है। यहां से गधे का मांस और खाल चीन भेजने की योजना है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस कारोबार का सबसे बड़ा आर्थिक आकर्षण गधे का मांस नहीं, बल्कि उसकी खाल बताई जा रही है। चीन में गधे की खाल से एजियाओ नाम का पारंपरिक उत्पाद तैयार किया जाता है। इसके लिए खाल को संसाधित कर कोलेजन निकाला जाता है। इसका इस्तेमाल पारंपरिक चीनी चिकित्सा और सौंदर्य उत्पादों में किया जाता है। चीन में एजियाओ का इस्तेमाल लंबे समय से कई स्वास्थ्य लाभों वाले पारंपरिक उत्पाद के रूप में किया जाता रहा है। खाल की इसी मांग ने गधे के कारोबार को अंतरराष्ट्रीय बाजार से जोड़ दिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक चीन में गधों की आबादी में गिरावट आने के बाद उसकी कंपनियां दूसरे देशों से गधों और उनकी खाल की आपूर्ति हासिल कर रही हैं। रिपोर्टों के मुताबिक दुनिया में हर साल लाखों गधों को उनकी खाल के लिए मारे जाने का अनुमान है। 2021 में चीन के एजियाओ बाजार का आकार करीब 7.8 अरब डालर आंका गया था।

अफ्रीका लंबे समय तक चीन के लिए गधे की खाल का प्रमुख स्रोत रहा, लेकिन 2024 में अफ्रीकी संघ ने गधों की खाल के लिए उनके वध और निर्यात पर महाद्वीप स्तर पर रोक का समर्थन किया। इसके बाद आपूर्ति के लिए पाकिस्तान समेत अन्य देशों का महत्व बढ़ा है।

बता दें पाकिस्तान में गधों की आबादी 2025-26 के आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक 60 लाख से ज्यादा बताई गई है। देश पहले भी चीन को गधे निर्यात करने की संभावनाएं तलाशता रहा है। पंजाब के ओकारा जिले में करीब 3,000 एकड़ में गधा प्रजनन फार्म विकसित करने की योजना भी सामने आई थी।

इसका उद्देश्य गधों की कई नस्लों का प्रजनन कर घरेलू और विदेशी बाजारों के लिए आपूर्ति तैयार करना था। ग्वादर में चीन से जुड़ी हैंगेंग ग्रुप ने गधे के वध और प्रसंस्करण की सुविधा तैयार की है। कंपनी ने पाकिस्तान में करीब 5 करोड़ डालर निवेश किया है और स्थानीय स्तर पर रोजगार देने की बात कही है।

कंपनी अपनी क्षमता बढ़ाकर प्रतिदिन करीब 800 गधों के प्रसंस्करण तक पहुंचाने की योजना बना रही है। इसका मतलब यह नहीं है कि फिलहाल रोजाना 800 गधों का वध हो रहा है, बल्कि इतनी क्षमता विकसित करने की तैयारी है। यह कारोबार ऐसे समय में सामने आया है जब देश विदेशी मुद्रा, कर्ज और आयात भुगतान के दबाव से जूझ रहा है। वहीं पशु कल्याण और स्थानीय अर्थव्यवस्था से जुड़े सवाल भी अहम हैं, क्योंकि गधे पाकिस्तान में परिवहन और छोटे स्तर के कृषि कार्यों में इस्तेमाल होते हैं।

न्यूज ब्रीफ

बांग्लादेश में सिलेंडर फटे, गारमेंट फैक्टरी में लगी आग, छह की मौत, 20 झुलसे

ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका उप नगरीय क्षेत्र अशुलिया के जमगोरा इंडस्ट्रियल इलाके में कवर्ड वैन में एलपीजी सिलेंडर फटने से छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 लोग घायल हो गए। धमाके इतनी तेज हुए कि एक सिलेंडर तो करीब 200 गज दूर जा गिरा, जिससे सड़क किनारे एक दुकान के अंदर मौजूद महिला की मौत हो गई। इन धमाकों से एक गारमेंट फैक्टरी आग की लपटों से घिर गई। ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, धमाकों के कारण लगी आग ने जमगोरा में मौजूद पांच -छह गाड़ियों को अपनी चपेट में ले लिया। अशुलिया पुलिस ने देररात बताया कि आग बुझाने के बाद आसपास खोजबीन की गई। इस दौरान रात करीब सवा 11 बजे कवर्ड वैन के अंदर पांच लोगों के शव मिले। उनकी पहचान तुरंत नहीं हो सकी। एक मृतक की 55 वर्षीय जैनब के रूप में हुई। वह गाजीपुर के काशिमपुर निवासी मोहम्मद अली की पत्नी थीं। जैनब अपनी बेटी संजीदा अख्तर से मिलने आई थीं। संजीदा घटनास्थल से करीब 200 गज दूर एक टेलर की दुकान में काम करती हैं। वह दुकान के अंदर खड़ी थीं, तभी एक सिलेंडर टिन की छत फाड़कर उनके सिर पर लगा, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। मौके पर मौजूद अधिकारियों के अनुसार, यह घटना जमगोरा में प्रिटी ग्रुप से जुड़े एक इंडस्ट्रियल इलाके में हुई। डीईपीजेड फायर सर्विस के वेयर हाउस इंस्पेक्टर सोमेन बरुआ ने बताया कि आग तब लगी जब फैक्टरी में इस्तेमाल के लिए लाए गए सिलेंडर एक कवर्ड वैन से उतारे जा रहे थे।

खुद से बातचीत करना समस्या को समझने की सामान्य प्रक्रिया: वैज्ञानिक

मास्को। खुद से बातचीत करना यानी सेल्फ टाक या इनर स्पीच मानव सोचने और समस्याओं को समझने की सामान्य प्रक्रिया का हिस्सा हो सकता है। मनोविज्ञान के अनुसार, कई लोग दिनभर में कई बार मन ही मन या कभी-कभी बोलकर खुद से बातचीत करते हैं। समस्या खुद से बात करने में नहीं, बल्कि तब हो सकती है जब व्यक्ति ऐसी आवाजें सुनने लगे जो वास्तव में मौजूद न हों और उसका व्यवहार या रोजमर्रा का जीवन प्रभावित होने लगे। मनोविज्ञान में सेल्फ टाक को मुख्य रूप से आंतरिक और बाहरी बातचीत के रूप में समझा जाता है। जब कोई व्यक्ति मन ही मन सोचता है कि चाबी कहां रखी है या किसी काम को कैसे करना है, तो यह आंतरिक सेल्फ टाक है। वहीं, जब वह इन्हीं विचारों को बोलकर व्यक्त करता है, तो इसे बाहरी सेल्फ टाक कहा जाता है। रूसी मनोवैज्ञानिक लेव वाइगोत्सकी ने इस प्रक्रिया को समझाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके अनुसार बचपन में दूसरे लोगों से बातचीत करते हुए हम कई चीजें सीखते हैं और समय के साथ यही संवाद हमारी आंतरिक आवाज का हिस्सा बन जाता है। यह आवाज सोचने, योजना बनाने और समस्याओं को सुलझाने में हमारी मदद कर सकती है। शोधों में सेल्फ टाक के कई संभावित फायदे सामने आए हैं।

जूतों ने शहर और लोगों को दो हिस्सों में बांट दिया, दोस्त बनना, शादी करना हुआ बंद

बर्लिन। जूतों ने पूरा शहर आपस में भिड़ा दिया। लोग एक-दूसरे से बातचीत करना बंद कर दी, अलग-अलग दुकानों पर जाने लगे और एक-दूसरे के परिवारों में शादी तक करने से इनकार कर दिया ये एक फिल्मी कहानी जैसा है, लेकिन हकीकत में ऐसा हुआ है। जर्मनी के हर्जोजेनौराच शहर में यह अजीबोगरीब वाक्या हुआ। दो सगे भाइयों की आपसी जिद, पारिवारिक कलह और नफरत ने दुनिया की दो सबसे मशहूर शू कंपनियां एडिडास और प्यूमा बनाईं। इन दोनों भाइयों की दुश्मनी इतनी बढ़ी कि एक शहर को दो हिस्सों में बांट दिया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये कहानी साल 1936 की है, जब जर्मनी के बर्लिन शहर में ओलंपिक खेलों का आयोजन हुआ था। जर्मनी के ही हर्जोजेनौराच शहर में दो सगे भाई रहते थे, रुडाल्फ डास्लर और एडाल्फ डास्लर। दोनों भाई मिलकर डास्लर शूज नाम की एक कंपनी चलाते थे और खेल के लिए बेहतरीन जूते बनाते थे। 1936 के बर्लिन ओलंपिक में अमेरिका के स्टार एथलीट जेसी ओवेंस ने डास्लर भाइयों के बनाए जूते पहनकर दौड़ लगाई और चार-चार गोल्ड मेडल जीतकर इतिहास रच दिया।

नेपाल-चीन सीमा पर पांच हिमतालों का होगा तकनीकी अध्ययन

प्राकृतिक आपदा के खतरे को कम करने पर बनी सहमति

काठमांडू

नेपाल-चीन सीमा क्षेत्र में स्थित संभावित खतरनाक हिमतालों से होने वाले जोखिम को कम करने के लिए चीन के भू-भाग में मौजूद पांच हिमतालों का तकनीकी अध्ययन कराने पर दोनों देशों के स्थानीय अधिकारियों के बीच सहमति बनी है।

चीन के ताक्लाकोट में हाल ही में हुई बैठक में हिमतालों से नेपाल की ओर उत्पन्न होने वाले संभावित खतरे, सीमा प्रबंधन, व्यापार और बुनियादी ढांचे समेत विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। हुम्ला के प्रमुख जिला अधिकारी भोला नाथ गुरागाईं के अनुसार, दोनों पक्षों ने चीनी हिमालयी क्षेत्र में स्थित हिमतालों की स्थिति का तकनीकी टीम के माध्यम से अध्ययन कराने के लिए अपने-अपने संघीय सरकारों के समक्ष पहल करने पर सहमति जताई।

उन्होंने बताया कि संभावित हिमताल विस्फोट (जीएलओएफ) या अन्य प्राकृतिक आपदाओं के कारण हुम्ला के हिल्सा, किट सीमा क्षेत्रों में नुकसान हो सकता है। इसलिए हिमतालों की स्थिति, उनमें मौजूद पानी की मात्रा, संभावित खतरे और उससे होने वाले प्रभाव का तकनीकी अध्ययन जरूरी है।

रसुवा में भोटेकोशी नदी में आई विनाशकारी बाढ़ से भारी नुकसान के बाद चीन की ओर से भी हिमतालों और प्राकृतिक आपदा के जोखिम को लेकर चिंता जताई गई और इसी सिलसिले में यह बैठक आयोजित की गई।

ताक्लाकोट के स्थानीय अधिकारियों की पहल पर हुई बैठक में नेपाल की ओर से चीनी भू-भाग में स्थित राक्षस ताल, मानसरोवर, गोंजुका, आबुका और सिरिमाल समेत विभिन्न झीलों के बारे में जानकारी साझा की गई।

प्रमुख जिला अधिकारी गुरागाईं के अनुसार, हिमतालों की स्थिति की नियमित जानकारी हासिल करने के लिए सैटेलाइट तकनीक के इस्तेमाल पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा हिमपात और मौसम संबंधी सूचनाओं के आदान-प्रदान तथा खतरे की स्थिति में समय रहते एक-दूसरे को जानकारी देने के लिए प्रणाली विकसित करने की जरूरत पर भी सहमति बनी।

बैठक में नेपाल ने सीमा स्तंभों की स्थिति, सीमा पास, कृषि एवं पशु उत्पादों के निर्यात, व्यापार मेले, हिल्सा स्थित मितेरी पुल के संचालन और हिल्सा-सिमकोट सड़क निर्माण जैसे मुद्दे भी उठाए।

नेपाल की ओर से तीन सीमा स्तंभों की मरम्मत का मुद्दा भी चीन के समक्ष रखा गया। गुरागाईं के मुताबिक सीमा स्तंभ संख्या 6 के 2 नेपाल की ओर तथा 7 के 1 और 2 चीन की ओर स्थित हैं। इनमें से कुछ सीमा स्तंभों की मरम्मत की आवश्यकता बताई गई है।

सीमा क्षेत्र से आने वाले खाद्य पदार्थों और अन्य वस्तुओं की गुणवत्ता जांच के लिए क्वारंटीन व्यवस्था करने पर भी चर्चा हुई। प्रमुख जिला अधिकारी ने बताया कि सीमा पास की प्रक्रिया को और व्यवस्थित कर भविष्य में इसे डिजिटल प्रणाली में बदला जा सकता है। इस पर चीनी पक्ष ने भी सकारात्मक रुख व्यक्त किया। दोनों पक्षों ने साल में एक बार लगने वाले सीमा हाट-बाजार को व्यवस्थित करने पर भी चर्चा की। नेपाल ने सीमावर्ती क्षेत्रों में करीब 30 किलोमीटर तक व्यापार और व्यवसाय को सुगम बनाने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने का मुद्दा उठाया। बैठक में हिल्सा-सिमकोट सड़क निर्माण का मुद्दा भी प्राथमिकता के साथ उठाया गया। बताया गया कि इस सड़क को चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) के तहत आगे बढ़ाने की संभावना पर भी चर्चा हुई। बझांग के प्रमुख जिला अधिकारी मुकेश केसरी के अनुसार, बैठक में बझांग, दार्चुला और हुम्ला जिलों के सीमा क्षेत्र से जुड़े स्थानीय निकायों के प्रमुखों, प्रमुख जिला अधिकारियों तथा सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों ने हिस्सा लिया।

चीनी पक्ष ने नेपाल की ओर से उठाए गए मुद्दों में स्थानीय स्तर पर हल किए जा सकने वाले मामलों को तत्काल लागू करने तथा केंद्र सरकार के निर्णय की आवश्यकता वाले विषयों को संबंधित उच्च अधिकारियों के समक्ष भेजने का आश्वासन दिया।

बैठक में जरूरत पड़ने पर सीमा क्षेत्र में तैनात नेपाली सुरक्षाकर्मियों और स्थानीय नागरिकों के लिए ताक्लाकोट में उपचार की व्यवस्था करने के विषय पर भी चर्चा हुई। इसके अलावा अगले वर्ष ताक्लाकोट के स्थानीय अधिकारियों को हुम्ला भ्रमण के लिए आमंत्रित करने का प्रस्ताव भी रखा गया। नेपाल-चीन सीमा से जुड़े मामलों पर जिला स्तर की बातचीत को नियमित और व्यवस्थित बनाने के लिए हुम्ला जिला प्रशासन कार्यालय और ताक्लाकोट के संबंधित अधिकारियों के बीच ईमेल के माध्यम से नियमित सूचना एवं विषयों का आदान-प्रदान करने पर भी सहमति बनी है। दोनों पक्षों ने इसके लिए संपर्क प्रक्रिया शुरू कर दी है। बैठक में उठाए गए सभी मुद्दों का दस्तावेजीकरण कर नेपाल सरकार के संबंधित निकायों को सौंपा जाएगा। स्थानीय स्तर पर समाधान होने वाले मामलों को दोनों देशों के स्थानीय अधिकारियों के समन्वय से आगे बढ़ाया जाएगा, जबकि नीतिगत विषयों के समाधान के लिए संघीय सरकार के माध्यम से पहल की जाएगी। बैठक में शामिल अधिकारियों ने कहा कि सीमा क्षेत्रों में प्राकृतिक आपदा के जोखिम को कम करने के साथ-साथ व्यापार, आवागमन और बुनियादी ढांचे के विकास के लिए नेपाल और चीन के स्थानीय अधिकारियों के बीच नियमित समन्वय जरूरी है।

हूती विद्रोहियों पर हमले में सऊदी ने स्काईवास्प कामिकेज ड्रोन का किया इस्तेमाल

यह ड्रोन लक्ष्य से टकराकर नष्ट हो जाते हैं, ईरान के शाहिद-136 से की जा रही तुलना

रियाद

सऊदी अरब ने यमन के हूती विद्रोहियों के खिलाफ अपनी सैन्य रणनीति में बदलाव कर साना में ड्रोन हमले किए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक इस हमले में स्काईवास्प नाम के कामिकेज ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। इन ड्रोन को लंबी दूरी तक हमला करने और लक्ष्य से टकराकर उसे नष्ट करने के लिए डिजाइन किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक साना के आसमान में डेल्टा-विंग आकार के कई ड्रोन दिखाई दिए। हूती लड़ाकों और जमीन पर मौजूद सुरक्षा बलों ने इन्हें रोकने के लिए एंटी-एयरक्राफ्ट हथियारों का इस्तेमाल किया, लेकिन ड्रोन अपने लक्ष्यों तक पहुंच गए। हमले के बाद हूती ठिकानों को नुकसान पहुंचने का दावा किया गया है।

रिपोर्ट के मुताबिक स्काईवास्प को सऊदी अरब का स्वदेशी लंबी दूरी का कामिकेज ड्रोन बताया गया है। कामिकेज ड्रोन ऐसे हथियार हैं, जो अपने लक्ष्य से टकराकर खुद भी नष्ट हो जाते हैं। रिपोर्ट में इसके डिजाइन की तुलना ईरान के शाहिद-136 ड्रोन से की गई है। शाहिद-136 का इस्तेमाल रूस-यूक्रेन युद्ध में हुआ है और हूती विद्रोहियों पर भी इसी तरह के ड्रोन इस्तेमाल करने के आरोप लगते रहे हैं। एक स्काईवास्प की कीमत करीब 35 हजार डालर यानी करीब 29-30 लाख रुपए बताई गई है। इसकी अनुमानित रेंज करीब 1,500 किलोमीटर है। ड्रोन में जीपीएस और नेविगेशन सिस्टम होने का दावा किया गया है।

इस ड्रोन को एसआर2वेक्टर नाम की सऊदी-अमेरिकी संयुक्त कंपनी द्वारा विकसित किए जाने की बात कही है। यह परियोजना सऊदी अरब की रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता बढ़ाने की कोशिशों से भी जोड़ी जा रही है। रिपोर्ट के मुताबिक सऊदी अरब अपने विजन 2030 के तहत विदेशी हथियारों पर निर्भरता कम करने और घरेलू रक्षा उत्पादन बढ़ाने पर जोर दे रहा है। मध्य पूर्व में ड्रोन का इस्तेमाल लगातार बढ़ रहा है। सस्ते कामिकेज ड्रोन बड़ी संख्या में भेजकर दुश्मन की वायु रक्षा प्रणाली पर दबाव बनाने की क्षमता रखते हैं।

अमेरिका में बजा मिडटर्म चुनावों का बिगुल, 45 दिन में होगा ट्रंप की किस्मत का फैसला

वाशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की राजनीतिक किस्मत का फैसला करने वाले मिडटर्म चुनावों का बिगुल बज चुका है और इसके लिए उल्टी गिनती शुरू हो गई है। यह चुनाव तय करेगा कि ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बचे हुए समय में अमेरिकी संसद पर उनकी रिपब्लिकन पार्टी का दबदबा रहेगा या विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी का। इस समय देश में बढ़ती महंगाई, पेट्रोल-डीजल के दाम और डांवाडोल अर्थव्यवस्था चुनावी मुद्दे बने हुए हैं, जो ट्रंप की साख पर सवाल उठा रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चुनाव का दिन आने में भले ही कुछ दिन बाकी हों, लेकिन अमेरिका के 20 राज्यों ने अपने नागरिकों को डाक के जरिए बैलेट पेपर भेजने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसमें टेक्सास, मिशिगन और नार्थ कैरोलिना जैसे राज्य शामिल हैं। जल्द ही 13 और राज्य भी इसी प्रक्रिया से जुड़ जाएंगे, जिससे 3 नवंबर की तारीख आने से पहले ही करोड़ों नागरिक अपना वोट डाल चुके होंगे। अमेरिका में मेल-इन वोटिंग यानी घर बैठे डाक से वोट देने का क्रेज पिछले कुछ सालों में तेजी से बढ़ा है।

एआई की मदद से साइबर हमले होंगे और तेज: विशेषज्ञ

लंदन

ब्रिटेन के सुरक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि आने वाले समय में साइबर अपराधी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी की मदद से अधिक जटिल और तेज हमले कर सकते हैं। इसका असर बैंकिंग व्यवस्था, व्यक्तिगत वित्तीय जानकारी और कंपनियों के डिजिटल डेटा पर पड़ सकता है। एआई के तेजी से बढ़ते इस्तेमाल के साथ साइबर अपराध का खतरा भी नई चुनौती बनकर सामने आ रहा है। हालांकि, इस तरह के हमलों की समय-सीमा और उनकी संभावित क्षमता को लेकर किए जा रहे दावों को विशेषज्ञ आकलन के रूप में ही देखा जाना चाहिए। रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन के एआई सिक्योरिटी इंस्टीट्यूट से जुड़े अधिकारियों ने एआई माडलों के सुरक्षा उपायों को लेकर चिंता जताई है।

उनके अनुसार, पश्चिमी देशों में विकसित कई एआई प्रणालियों में सुरक्षा संबंधी नियंत्रण और गार्डरेल्स लगाए जाते हैं, ताकि उनका इस्तेमाल साइबर अपराध, हथियार बनाने या अन्य खतरनाक गतिविधियों के लिए न किया जा सके। वहीं, कुछ विशेषज्ञों का दावा है कि ऐसे एआई माडल भी सामने आ रहे हैं जिनके सुरक्षा प्रतिबंधों को हटाना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। विशेषज्ञों की चिंता यह है कि एआई के कारण साइबर अपराधियों की तकनीकी क्षमता बढ़ सकती है। पहले जटिल साइबर हमले तैयार करने के लिए विशेषज्ञ स्तर की जानकारी और काफी समय की जरूरत होती थी, लेकिन एआई कोड तैयार करने, कमजोरियों की

पहचान करने और साइबर हमले की योजना बनाने जैसे कार्यों में मदद कर सकता है। इससे कम तकनीकी क्षमता रखने वाले अपराधियों के लिए भी बड़े पैमाने पर डिजिटल धोखाधड़ी का रास्ता खुल सकता है। बैंकिंग क्षेत्र के लिए यह चुनौती इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि वित्तीय संस्थानों पर साइबर हमले होने की स्थिति में प्रतिक्रिया देने का समय बेहद कम हो सकता है। बैंकिंग प्रणालियों में मजबूत साइबर सुरक्षा, बहुस्तरीय प्रमाणीकरण और संदिग्ध लेनदेन की निगरानी जैसे उपाय पहले से मौजूद हैं, लेकिन एआई आधारित हमलों के लगातार विकसित होने के कारण सुरक्षा व्यवस्था को भी लगातार मजबूत करना जरूरी होगा। एआई के दुरुपयोग को लेकर जैविक हथियारों और अन्य खतरनाक गतिविधियों से जुड़े जोखिमों पर भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंता जताई जा रही है। ऐसे मामलों ने एआई विकास में सुरक्षा परीक्षण, जिम्मेदार उपयोग और प्रभावी नियमन की जरूरत को और बढ़ा दिया है। विशेषज्ञों के मुताबिक आम लोगों को भी डिजिटल सुरक्षा को लेकर सावधान रहना चाहिए। मजबूत और अलग-अलग पासवर्ड रखना, बहुस्तरीय सुरक्षा सक्रिय करना, संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करना और बैंकिंग संबंधी जानकारी किसी के साथ साझा न करना जरूरी है।

ईरान ने अमेरिका का इरादा भांप दी धमकी, यमन में लड़ाई तेज, ट्रंप तैयार हो सकते हैं पेजेश्कियान से मिलने को

तेहरान/वाशिंगटन

ईरान ने दावा किया है कि अमेरिका उस पर हमला करने की योजना बना रहा है। तेहरान ने चेतावनी दी है कि अगर वाशिंगटन ऐसा करता है तो वह पूरी ताकत के साथ जवाब देगा। उधर, यमन में लड़ाई तेज हो गई है। माना जा रहा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप न्यूयार्क में ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से मिलने को तैयार हो सकते हैं। ईरान के मुख्य सैन्य कमांड खातम अल-अंबिया सेंट्रल हेडक्वार्टर ने कड़े शब्दों में कहा कि अगर अमेरिका और मिडिल ईस्ट में अमेरिका के सहयोगी देश कोई गलती करते हैं, तो उन्हें घातक हमलों का सामना करना पड़ेगा।

अल जजीरा, सीबीएस न्यूज और फाक्स न्यूज की रिपोर्ट के रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि उनके सामने युद्ध के संबंध में केवल तीन ही विकल्प हैं। पहला- ईरान को पूरी तरह खत्म कर देना। दूसरा उसे आर्थिक रूप से बरबाद करना। तीसरा ईरान से

कोई समझौता करना। इस पर कतर के प्रधानमंत्री शेख मोहम्मद बिन अब्दुल रहमान बिन जसीम अल थानी ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने खाड़ी क्षेत्र को एक ऐसे ढांचे की जरूरत है जिसमें संप्रभुता का सम्मान हो। कोई भी देश दूसरे के लिए खतरा न बने।

इस बीच यमन के अल-जौफ प्रांत में चार लोगों के मारे जाने की खबर है। प्रांत में हूती विद्रोहियों और सऊदी-समर्थित बलों के बीच लड़ाई तेज हो गई है।

सरकारी बल कई मोर्चों पर सैन्य अभियान चला रहे हैं। ये मोर्चे मुख्य रूप से उत्तरी और पश्चिमी इलाकों में फैले हुए हैं। सबसे अहम और भीषण मोर्चा पश्चिमी तट का है। यह ताइज के पश्चिमी ग्रामीण इलाकों से लेकर लाहज तक फैली पर्वत शृंखला के साथ-साथ है। सरकारी बल उन इलाकों में हूती विद्रोहियों के साथ कड़ा संघर्ष कर रहे हैं।

अंदरूनी इलाकों में किसी भी पक्ष को कोई खास कामयाबी नहीं मिल रही है। और किसी भी सेना की बढ़त के बारे में बात करना मुश्किल है।

हूती प्रवक्ता याह्या सरी का कहना है कि सऊदी वायु सेना ने पिछले 24 घंटों में पूरे यमन में 28 हवाई हमले किए हैं। सरी ने कहा कि इन हमलों में ताइज, अल-जौफ और मारिब प्रांतों को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि हाल ही में तनाव बढ़ने के बाद से सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन ने कम से कम 760 हवाई हमले किए हैं।

इस घटनाक्रम पर अमेरिकी रिपब्लिकन रणनीतिकार, व्हाइट हाउस व राष्ट्रीय सुरक्षा विभाग के पूर्व अधिकारी मार्क फिफल का कहना है कि मध्यस्थ कतर और पाकिस्तान की कोशिश के अलावा चीन तेहरान और वाशिंगटन के बीच बातचीत को आगे बढ़ाने में मदद कर सकता है। उन्होंने कहा, आने वाले हफ्ते में अमेरिका में राष्ट्रपति ट्रंप और उनके चीनी समकक्ष शी जिनपिंग के बीच होने वाली बैठक महत्वपूर्ण हो सकती है। राष्ट्रपति ट्रंप ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान से मिलने के लिए तैयार हो सकते हैं। पेजेश्कियान के इस न्यूयार्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा में शामिल होने की उम्मीद है।

मध्य पूर्व (मिडिल ईस्ट) में तनाव बढ़ने की अमेरिकी चेतावनी के बीच सीआईए निदेशक जान रैटक्लिफ ने रविवार को काहिरा की खास यात्रा के दौरान मिस्र के राष्ट्रपति अब्देल फतह अल-सीसी से मुलाकात की।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज मन प्रसन्न रहेगा उदासी दूर रहेगी.आप खुशहाल महसूस करेंगे कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतो को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार–चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा. बच्चों का रवैया भी आप के अनुकूल रहेगा। स्वास्थ्य बहतर रहेगा , तंदरुस्ती बरकरार रहेगी ।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज आय के स्त्रोत बढेंगे रुका हुआ धन वापस आएगा और अचानक कहीं से धन लाभ होगा. जिससे आर्थिक पक्ष में मजबूती आयेगी. आज आप किसी जरूरतमंद की मदद करेंगे. आपको पारिवारिक सुख की प्राप्ति होगी. आपका पढ़ाई में मन लगेगा. साथ ही नये कोर्स को ज्वाइन करने के लिए भी दिन शुभ है. सफलता जरूर मिलेगी. कार्यक्षेत्र में वृद्धि के साथ धन लाभ होगा आप कलाप्रेमी है तो आप के गुण और कला की तारीफ होगी ।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज सुबह उठते ही कुछ अच्छी खबर सुनने को मिलेगी एवं आप अपने आपमे बहुत गर्व महसूस करेंगे आज कुछ नया और सृजनात्मक करने के लिए अच्छा दिन है. आपको ख़ुशी से भरी शादीशुदा जिंदगी की एहमियत का एहसास होगा. आपके बच्चे भी घर में ख़ुशी और सुकून के माहौल को महसूस कर सकेंगे. बच्चों के साथ आपका दिन मजेदार गुजरेगा. कोई नया टेंशन मत आने देना हैं काम को समझदारी से सुलझाले।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज का दिन जरुर थोड़ा व्यस्तता मे बीतेगा सामाजिक तौर पर नयी चुनौती सामने होगी इसलिए आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ेगा जो दूसरों के लिए प्रेरणा का काम करें. आप एक टीम के रुप मे काम करें चुनौतीया दूर रहेगी एवं विरोधी पस्त होंगे आपको लोगों से सराहना और सहयोग मिलने के संकेत है आपको अपने लोगों से या अपनी टीम से सम्मान मिल सकता है. दाम्पत्य जीवन मजेदार रहेगा एक नयी उर्जा रहेगी

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज का दिनमान आपके लिए उतार–चढ़ाव से भरा रहेगा. खर्चों में एकदम से तेजी आएगी जो शाम तक आपको परेशान कर सकती है लेकिन धैर्य रखने से बात बनेगी. खर्चों पर नियंत्रण रखें. बेवजह की बातों को दिमाग से ना लगाएं. किसी से झगड़ा ना करें. दांपत्य जीवन खुशनुमा रहेगा. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों को भी राहत की सांस मिलेगी. एक–दूसरे से बातचीत होगी और जो लंबे समय से रुकी हुई बातें थी, वो अब होने लगेंगी. आपका दिल खुश हो जाएगा. काम के सिलसिले में दिनमान अच्छा है.

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे. इस राशि के छोटे बच्चे आज पढ़ाई में अधिक रूचि लेंगे. इससे माता–पिता बहुत खुश रहेंगे. जो लोग अविवाहित हैं, उनके लिए आज का दिन शुभ है. विवाह के लिए प्रस्ताव आयेगा. आज पुरे दिन परिवार का माहौल आनन्दमय बना रहेगा. स्वास्थ्य आज पहले से बढ़िया रहेगा. आपकी कोई खास इच्छा आज जरूर पूरी होगी. लवमेट के लिए आज का दिन फेवरेबल है.

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज का दिन आपके लिए काफी अच्छा रहेगा. कार्य में सफलता मिलने से मन हर्षित होगा. घर परिवार के बारे में भी विचार करेंगे और जरूरतों को पूरा करेंगे. परिवार में इज्जत रहेगी. मानसिक तनाव से मुक्ति मिलेगी. सेहत में उतार–चढ़ाव रहेगा. गृहस्थ जीवन खुशियों से भरा रहेगा

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज सामाजिक और राजनीति गतिविधियों मे समय गुजरेगा आप की जान पहचान भी बढेगी आपको जो आपको सम्मान दिला सकता है. कुछ ऐसे काम जो आपकी इमेज को एक नया रंग दे सकते हैं, उन्हें करने की कोशिश करें. कुछ नया शुरू करने या नई जिम्मेदारी मिलने का दिन है. आपको अपने कार्यक्षेत्र में विशेष पहचान मिलेगी. आपकी सलाह लोगों के लिए बहुत मददगार हो सकती है. वर्तमान मे बनाए हुए सम्बन्ध भविष्य मे लाभ देंगे।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज दिन कुछ कमजोर गुजरेगा . परिवार में किसी बात को लेकर खींचातानी हो सकती है जिसकी वजह से आप को थोड़ी परेशानी भी होगी लेकिन कोशिश करने से समाधान निकल जाएगा और समस्याएं दूर होंगी. गृहस्थ जीवन खुशनुमा रहेगा. रिश्ते में रोमांस भी रहेगा और एक दूसरे के प्रति आकर्षण की भावना भी बढ़ेगी. प्रेम जीवन बिता रहे लोगों के लिए भी आज का दिन अच्छा रहेगा. आप अपनी बात कहने में सक्षम होंगे. यात्रा का योग बनेगा।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धार्मिक ग्रंथों का पठन और श्रवण करेंगे मंदिर मे देव प्रतिमा को अपने हाथों से श्रृंगार करेंगे संतान सुख की प्राप्ति होगी. परिवार के सुख–सौभाग्य में वृद्धि होगी. ऑफिस में आज किसी से बहस होने की संभावना है. आपको इससे बचकर रहने की जरूरत है. कोई जरूरी केस का फैसला आपके पक्ष में आयेगा. ऐग्रिकल्चर मे निवेश आपको धन लाभ देगा ।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

महनत अच्छा परिणाम देगी शतप्रतिशत फल मिलेगा आय में वृद्धि होगी. जिस काम की आपको उम्मीद थी, आपको उसका परिणाम बहुत अच्छा मिलेगा. आज के दिन आपको अपने धन को बहुत सुरक्षित रखना चाहिए. पारिवारिक कलह होगी इसलिए थोड़ा–सा वाणी पर संयम रखें. आपका स्वास्थ्य अच्छा रहेगा आपको नवग्रह शान्ति करानी चाहिए।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज ऑफिस मे ओवरटाइम करना पडेगा.जिससे पारिवारिक तनाव बनेगा आप काम के दबाव से परेशान रह सकते हैं. करियर के मामलों में इस बात का विशेष रुप से ध्यान रखें. नकारात्मक लोगों और चीजों से दूर रहें. आप जल्दबाजी में कोई गलत निर्णय ले सकते हैं गुस्से पर नियंत्रण रखना होगा सूर्य को रक्त पुष्प और गंध युक्त जल अर्पण करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 22 सितंबर 2026, मंगलवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद , शुक्ल पक्ष
तिथि : एकादशी रात्रि 09:45 तक
नक्षत्र : उत्तराषाढा प्रातः 07:07 तक
योग : अतिगंड सायं 04:29 तक
करण : वणिज प्रातः 08:57 तक
चन्द्रराशि : मकर
सूर्योदय : 06:05 , सूर्यास्त 06:12 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08 सूर्यास्त 06:16 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:08 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:56 , सूर्यास्त 06:03 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 09:00 से 10:30
लाभ : 10:30 से 12:00
अमृत : 12:00 से 01:30
राहुकाल : सायं 03:00 से 04:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : पद्मा जलझूलनी एकादशी व्रत , भद्रा प्रातः 08:57 से रात्रि 09:45 तक

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

निजामाबाद के इंदुर गोदाम रोड स्थित राजस्थान भवन में राजस्थानी सेवा समाज संघ द्वारा संचालित मारवाड़ी नवयुवक गणेश मंडल के 95वें वर्ष के अवसर पर तिरुपति बालाजी मंदिर की थीम पर भव्य सजावट की गई है। पूरे परिसर की साज–सज्जा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। गणेश जी की प्रतिमा भी बेहद आकर्षक है। प्रतिमा के मुकुट में जड़े चमकीले पत्थर इस तरह दमक रहे हैं, मानो उसमें असली हीरे जड़े हों। ऊपरी हॉल में भगवान गणेश द्वारा शिवलिंग का जलाभिषेक एवं आरती करते हुए चलायमान मशीनों से सजी भव्य झांकी प्रस्तुत की गई है, जो श्रद्धालुओं के लिए प्रमुख आकर्षण का केंद्र बनी हुई है।

गणेश चतुर्थी के अवसर पर गोपाल अग्रवाल के निवास स्थान पर भगवान गणेश जी का आकर्षक एवं अनोखा श्रृंगार किया गया। भगवान गणेश जी की सजावट में भारतीय मुद्रा के नोटों का विशेष रूप से उपयोग किया गया। लगभग 3 लाख रुपये की राशि के नोटों से भगवान गणेश जी का भव्य श्रृंगार एवं आकर्षक सजावट की गई। पूरे आयोजन के दौरान भक्तिमय वातावरण बना रहा। भगवान गणेश के दर्शन के लिए पहुंचे श्रद्धालुओं को तराचंद कमल अग्रवाल द्वारा प्रसाद वितरित किया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान गणेश जी के दर्शन कर परिवार एवं समाज की सुख–समृद्धि की कामना की।

पेद्दापल्ली के पूर्व विधायक श्री दसारी मनोहर रेड्डी ने कलवा श्रीरामपुर मंडल के मोतलापल्ली, कलवा श्रीरामपुर और पेगडापल्ली गांवों में स्थापित गणेश प्रतिमाओं के दर्शन कर विशेष पूजा–अर्चना की।इस अवसर पर गणेश उत्सव समिति के सदस्यों ने पूर्व विधायक दसारी मनोहर रेड्डी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। उन्होंने भगवान विघ्नेश्वर से प्रार्थना करते हुए कामना की कि सभी लोग सुखी, समृद्ध एवं स्वस्थ रहें।

खैरताबाद महागणपति दर्शन करने पहुंचे सेंट्रल पीस एंड वेलफेयर कमेटी, खैराबाद जोन के अध्यक्ष शशिकांत अग्रवाल, मंत्री बरकत अली मिनसरिया, ए. लक्ष्मण, आवेज मिर्जा, संतोष कुमार, वेणुगोपाल यादव, आबिद अली, इस्माइल कादरी, शेखर, अनिल आदि का खैरताबाद गणेश मंडल एवं पीस कमेटी के सदस्य राजकुमार ने सभी का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया।

जुमेरात बाजार स्थित देवी नगर गणेश उत्सव समिति द्वारा श्री परशुराम सेवा मंडल के संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया का शॉल ओढ़ाकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर समिति के सदस्य सी. सतीश, राजेश्वर, साई सिद्धार्थ, नरसिम्हा एवं गिरीश जोशी सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

जय श्री हनुमान यूथ द्वारा उप्पल रामंतपुर स्थित देवेन्द्रनगर कॉलोनी में स्थापित गणेश पंडाल में गणेश महाराज का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष श्री महेश अग्रवाल, देवेन्द्रनगर कॉलोनी के अध्यक्ष कन्हैया, श्रीनिवास आदि ।

कोटी के इसामिया बाजार स्थित फ्रेंड्स यूथ क्लब द्वारा आयोजित गणेशोत्सव में नरेश, मोहिनी जायसवाल, कल्पना, रमा, आंचल, संतोष जायसवाल, सर्वेश, अनिल सहित अन्य सदस्यों ने श्रद्धा एवं उत्साह के साथ सहभागिता की।

गणेश चतुर्थी के पावन अवसर पर बेगम बाजार स्थित नगरखाना श्री सिद्धिविनायक मंदिर में विशेष पूजा–अर्चना एवं अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर पंडित गौतम शर्मा, सुनील साहू, गोपाल शर्मा, पवन कुमार, डी. राजेंद्र सहित अन्य श्रद्धालुओं ने भाग लिया। कार्यक्रम में श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश की पूजा–अर्चना कर सुख–समृद्धि की कामना की तथा अन्नदान में सहभागिता की।

चूड़ी बाजार, गौलीबस्ती में स्थापित एकदंत युथ एसोसिएशन फ्रेंड्स के गणेश पंडाल में रविवार को भाजपा नेता मुकेश कुमार सोनी का सम्मान करते हुए रतन भाई, राजा भाई, बब्बू भाई एवं अन्य।

गौलीगुड़ा चमन में नरसिम्हा युथ एसोसिएशन द्वारा स्थापित गणेश पंडाल के पास आयोजित अन्नदान में मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेते हुए प्रजा एकता पार्टी के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष बोनाला श्रीनिवास। अवसर पर जे. राजु मुदिराज एवं अन्य उपस्थित थे।

सोलिटेयर हारमोनी, विठ्ठलराव नगर, माधापुर में गणेशोत्सव के अवसर पर भक्तिभाव से सामूहिक आरती कर भगवान गणेश को छप्पन भोग अर्पित किया गया। तत्पश्चात सभी ने भजन–कीर्तन में भाग लिया। इस अवसर पर अरुणा गुप्ता, सरोज जी, नम्रता, माधवी, शिरिशा, श्रीदेवी, जानकी जी, लावण्या, सोनी, चारु, भाग्यलक्ष्मी जी, भारती, वैन्नारसी, मीनाक्षी, नीलिमा, पूनम, लता अग्रवाल, चेतन्या, दीपा, किरण लोहिया सहित अन्य वरिष्ठ गणमान्य महिलाएं, पुरुष एवं बच्चों ने उपस्थित होकर गणेशोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया।

गौलीगुड़ा स्थित कोटाबस्ती राम मंदिर के पीछे वक्रतुंड फ्रेंड्स एसोसिएशन द्वारा आयोजित गणेशोत्सव कार्यक्रम में बजरंग सेना तेलंगाना के अध्यक्ष श्री एन.आर. लक्ष्मण राव ने भगवान गणपति के दर्शन कर महाआरती में भाग लिया। इसके पश्चात करीब 1,000 श्रद्धालुओं के लिए अन्नदान कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर डॉ. भागवत राव, वाई. कृष्णा, राजू यादव, रवि यादव, राजकुमार, सोनू यादव, नीलेश सहित एसोसिएशन के अन्य सदस्य एवं शुभचिंतक उपस्थित रहे।

गणेशोत्सव की पावन बेला में सिखवाल समाज, सिकंदराबाद के गणेश पंडाल में तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी की उपाध्यक्ष एवं सनतनगर विधानसभा क्षेत्र की प्रभारी डॉ. कोटा नीलिमा जी ने पधारकर भगवान श्री गणेश के दर्शन किए और आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर सिखवाल समाज की ओर से डॉ. कोटा नीलिमा जी का शॉल ओढ़ाकर एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

शिवलिंग को यदि घर पर रखे तो ना करे ये कार्य

अगर आप भी शिवलिंग की पूजा करते है तो इन बातो का खास ध्यान रखे क्योंकि अगर महादेव भोले है तो उनका क्रोध भी किसी से छुपा नही है क्योंकि त्रिदेवो में वो विनाशक भी हैं द्य शिवलिंग की पूजा अगर सही नियम से किया जाये तो वो आपके लिए लाभकारी सिद्ध होता है अन्यथा कुछ त्रुटियां विनाशकारी भी हो सकती है।

हम आपको वही क्रुटिया गिनाने जा रहे है जो कही न कही आप शिव की पूजा करते समय कर बैठते है। शिवलिंग को कभी भी ऐसे स्थान पर न रखे जहा आप उसे पूज न रहे हो द्य हिन्दू मान्यताओं के अनुसार कभी भी शिवलिंग को घर पर न रखे अगर आप उसे पुरे विधि विधान से उसकी पूजा न कर रहे हो, क्योंकि अगर आप ऐसा करने वालो में से है तो सावधान हो जाये क्योंकि इससे आप शिवलिंग का अपमान कर रहे है और कुछ अनर्थकारी चीजों को आमंत्रित कर रहे है।

एक किस्सा आप सब ने सुना ही होगा, एक बार की बात है जब भगवान् विष्णु और ब्रहमा के बीच कौन सब से सर्वश्रेष्ठ होने की होड मची और जब ये बहस युद्ध का रूप लेने लगी तो महादेव ज्योतिर्लिंग क रूप में प्रगट हुए और कहा जो भी इसके छोर तक पहले पहुचेगा वो सर्वश्रेष्ठ कहलायेगा द्य विष्णु नीचे की तरफ गये और ब्रहमा ऊपर की तरफ लेकिन विष्णु ने स्वीकार कर लिया की वो इसका छोर नहीं पा सक और ब्रहमदेव ने कुछ और ही कहानी रची उन्होंने केतकी के फूलो से झूठी गवाही देने को कही की ब्रहमदेव छोर पा गये है जब ये बात पूछी जाये महादेव के सामने द्य ब्रहमदेव ने बिलकुल वैसा ही किया वो लौटे और उन्होंने केतकी के फूलो को साक्ष्य बनाते हुए महादेव से कहा की वो छोर तक पहुच गये है। महादेव ने इस झूठ पर क्रोधित होकर ब्रहमा का एक सर काट दिया और साथ ही केतकी के फूलो पर भी पूजा अर्चना में इस्तेमाल होने पर प्रतिबन्ध लगा दिया शिवपुराण के अनुसार जालंधर की एक कहानी है जिसे वरदान था की उसे तब तक कोई नहीं हरा सकता जब तक उसकी पत्नी वृंदा पतिव्रता रहेगी और इसी के चलते भगवान् विष्णु ने उसका पतिव्रता संकल्प भंग किया और महादेव ने जालन्धर का विनाश लेकिन वृंदा जो बाद में तुलसी में परिवर्तित हो चुकी थी उसने अपने पत्तियों का उपयोग महादेव की पूजा में इस्तेमाल होने पर रोक लगा दी इसलिए शिवलिंग पर तुलसी कभी भी अर्पित न करे हल्दी एक स्त्री की सुन्दरता निखारने के लिए इस्तेमाल होती है और शिवलिंग महादेव का प्रतीक है। इसलिए हल्दी का उपयोग शिवलिंग पर ना करे हिन्दू मान्यताओ के अनुसार सिन्दूर या कुमकुम का उपयोग एक महिला अपने पति की लम्बी आयु के लिए करती है और महादेव त्रिदेवो में विध्वंसक की भूमिका निभाते है यानी की संघार तो शिवलिंग पर सिन्दूर अर्पित करना शुभ नहीं माना जाता शिवलिंग का स्थान बदलते समय उसके चरणों को स्पर्श करे और एक बर्तन में साफ पानी गंगाजल से मिक्स हुआ हो उसमे शिवलिंग को रखे और अगर शिवलिंग पत्थर से बना हुआ है तो उसका गंगाजल से अभिषेक करे शिवलिंग पर जब भी दूध से अभिषेक करे तो ध्यान रखे की पैक दूध न चढाए, दूध ठंडा और साफ होना चाहिए । शिवलिंग को घर लाते समय ध्यान रखे की मूर्ति में नाग लिपटा हो और शिवलिंग सोने, चांदी, या ताम्बे का हो। शिवलिंग को घर पर रखे तो कोशिश करे की उस जलधारा बरकरार रहे अन्यथा वो नकारत्मक ऊर्जा को आकर्षित करती है।

शिवलिंग के समीप गौरी और गणेश की मूर्ति जरूर होनी चाहिए अकेले न रखे शिवलिंग को।

राशि अनुसार ये उपाय करें आपके घर में धन संबंधी कार्यों में आ रही बाधाएं होंगी दूर

अक्सर देखा जाता है कि व्यक्ति के पास सब होते हुए भी वो सुखी नही रहता ये सब गृह दशा का प्रभाव होता है जो आपके जीवन में उतार चढाव लाते है द्य यदि आपकी कुंडली में कोई ग्रह दोष हो और उसकी वजह से कार्यों में असफलता मिल रही हो तो राशि अनुसार उपाय किए जा सकते हैं। इन उपायों से धन संबंधी कार्यों में आ रही बाधाएं और घर-परिवार के कई दोष दूर हो सकते हैं। तो आइये जानते है कि किस राशि के लिए है क्या उपाय -

मेष राशि-घर की दक्षिण दिशा में गुड की डली छोडकर प्रस्थान करें। इससे कार्य में प्रगति होगी तथा यात्रा में सफलता मिलेगी। जब भी किसी महत्वपूर्ण काम के लिए घर से बाहर निकल रहे हैं, तब यह उपाय करें। राशि स्वामी मंगल के लिए हर मंगलवार को शिवलिंग पर लाल पुष्प और मसूर की दाल चढाएं। हर मंगलवार हनुमान चालीसा का पाठ करें।

वृष राशि-नियमित रूप से कच्चे चावल सफेद गाय को खिलाने से धन लाभ हो सकता है। किसी भी शुक्रवार से ये उपाय प्रारंभ करें। शुक्रवार के बाद हर रोज ये उपाय अपने घर के बाहर ही करते रहें। चावल की मात्रा अपनी हथेली के अनुसार रखें। राशि स्वामी शुक्र के लिए शिवलिंग पर कच्चा दूध और चावल अर्पित करें। इससे धन संबंधी कार्यों में सफलता मिल सकती है।

मिथुन राशि-हर बुधवार खडे मूंग का दान करें। किसी सुहागिन को सुहाग का सामान दान करें। सफेद गाय को हरी घास खिलाएं। इन उपायों से घर के सभी दोष दूर होते हैं। घर में वायव्य कोण (घर की पश्चिम-उत्तर दिशा) में पैसा रखेंगे तो शुभ होगा। राशि स्वामी बुध की प्रसन्नता के लिए श्रीगणेश को दूर्वा अर्पित करें। समय-समय पर किसी किन्नर को धन का दान करें।

कर्क राशि-हर रोज घर की पश्चिम दिशा में कबूतरों को ज्वार के दाने चुगाएं। ऐसा करने पर घर के सभी दोष शांत हो जाते हैं। घर का वातावरण पवित्र और सकारात्मक बनता है। परिवार में शांति बनी रहती है। राशि स्वामी चंद्र के लिए शिवलिंग पर दूध और जल अर्पित करें। हर हिन्दी माह में दो चतुर्थियां आती हैं, इन दोनों तिथियों पर चंद्र का पूजन करें।

सिंह राशि-रोज रात को तांबे के लोटे में जल भरें और सुबह जल्दी उठकर अपने घर की पूर्व दिशा में इस जल का छिडकाव करें। ऐसा करने से घर-परिवार में शुभ समाचार प्राप्त होतेहैं । घर में बुजुर्गों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होता है। राशि स्वामी सूर्य की कृपा पाने के लिए हर रोज नित्य कर्मों से निवृत्त होकर सूर्य को जल अर्पित करें। इसके लिए तांबे के लोटे का उपयोग करें।

कन्या राशि-अपने घर की उत्तर दिशा में गायों को हरी घास खिलाएं। यदि संभव हो सके तो हर बुधवार किसी भिक्षुक को खडा मूंग और गुड का दान करें। यह करने से घर में लक्ष्मी का वास होगा। धन का अपव्यय रुकेगा। साथ ही, रुका धन प्राप्त होगा। राशि स्वामी बुध के लिए श्रीगणेश को दूर्वा अर्पित करें और मोदक का भोग लगाएं। हरे रंग का रुमाल अपने साथ रखें।

तुला राशि-किसी भी शुक्रवार को सुबह के समय घर के वायव्य कोण (पश्चिम-उत्तर दिशा) में सफेद कपडे में चावल बांधकर लटका दें। समय-समय पर ये चावल बदलते रहें। ऐसा करने से मांगलिक कार्य में गति आएगी तथा वैवाहिक कार्य में सफलता मिलेगी। राशि स्वामी शुक्र के लिए शिवजी को चावल और दूध अर्पित करें। शुक्रवार को किसी गरीब बच्चे को दूध का दान करें।

वृश्चिक राशि-अपने घर के दक्षिण-पूर्व कोने में जौ को लाल कपडे में बांधकर रखें। ऐसा करने से बुरी शक्तियां घर में प्रवेश नहीं करेंगी। घर का वातावरण शुभ और पवित्र बना रहेगा। परिवार के सदस्यों की सोच सकारात्मक होगी तो कार्यों में भी सफलता मिलेगी। बच्चों को स्वास्थ्य लाभ प्राप्त होंगे। राशि स्वामी मंगल के लिए मसूर की दाल और लाल कपडे का दान करें।

धनु राशि-आपके लिए घर का ईशान कोण (उत्तर-पूर्व दिशा) पूजन कर्म के लिए श्रेष्ठ है। यहां पर भगवान विष्णु की शत् नामावली या सहस्त्र नामावली का पाठ करें। ऐसा करने से रोग, घर के दोष और नकारात्मकता दूर होगी। घर में प्रगति का माहौल बनेगा। राशि स्वामी गुरु के लिए शिवलिंग पर चने की दाल अर्पित करें। पीले रंग का रुमाल अपने साथ रखें।

मकर राशि-घर की पश्चिम दिशा में तुलसी का पौधा लगाएं। हर रोज इस पौधे में जल अर्पित करें। उचित देखभाल करें। ऐसा करने से रुके हुए कार्यों में प्रगति होगी। मांगलिक कार्य के साथ आर्थिक लाभ के योग बनेंगे। राशि स्वामी शनि के लिए हर शनिवार तेल का दान करें। शनि देव को नीले रंग के पुष्प अर्पित करें। काले कंबल का दान करें।

कुंभ राशि-घर की पश्चिम-उत्तर दिशा को हमेशा स्वच्छ रखें। इस स्थान पर उपयोगी कागजात को ही स्थान दें। यदि कागजात काफी अधिक हैं तो किसी अन्य स्थान पर इन्हें रख सकते हैं। इस दिशा में मनी प्लांट लगाएं। राशि स्वामी शनि के लिए काली उडद का दान करें। हनुमानजी को सिंदूर और चमेली का तेल अर्पित करें। शनि को तेल से बने व्यंजन का भोग लगाएं। मीन राशि-घर की पूर्वोत्तर (पूर्व-उत्तर) दिशा में देवी-देवताओं के मंदिर बनवाएं। प्रयास करें कि घर में मंदिर, रसोई घर साथ-साथ न हो। यदि रसोई घर में ही मंदिर हो तो मंदिर और गैस चूल्हा एक सीध में न हो। विशेष तौर पर लक्ष्मीनारायण की उपासना आपको भूमि-भवन का लाभ देगी। राशि स्वामी गुरु के लिए हल्दी की गांठ का दान करें। शिवजी को बेसन से बने लड्डू का भोग लगाएं।

श्रापित हैं शनि, इन्हें शांत करने के लिए कोई भी व्यक्ति निम्न उपाय कर सकता है

पुराण के मतानुसार शनिदेव सूर्य के पुत्र हैं, जो उनकी छाया नामक पत्नी से उत्पन्न हुए हैं। पिता की आज्ञा से शनिदेव ग्रह बने तथा अपनी पत्नी के श्राप की वजह से उन्हेंूर रूप प्राप्त हुआ। कहा जाता है कि शनि की पत्नी चित्ररथ गंधर्व की कन्या थी, जो उग्र स्वभाव की थी। एक बार शनिदेव भजन में लिप्त थे। वह ऋतु-स्नान व श्रृंगार कर रमण करने के उदेश्य से वहाँ आयी, परंतु शनि ने उनकी तरफ ध्यान नहीं दिया। इससे क्रोध में आकर उनकी पत्नी ने उन्हें श्राप दे दिया कि तुम्हारी दृष्टि जहाँ पर भी पडेगी, वहाँ विनाश ही विनाश हो जाएगा। ऐसा भी कहा जाता है कि गणेश जी का सिर कटने की वजह शनि ग्रह की उन पर पडने वाली दृष्टि ही थी। शनि का वर्ण काला है।

इनका वाहन गिद्ध तथा भैंसा हैं तथा इस ग्रह के पीछे अधिष्ठित देवता भैरव हैं। एक कथा के अनुसार शनि के द्वारा रोहिणी नक्षत्र का भेदन अच्छा नहीं होता है, क्योंकि राजा दशरथ प्रजा की रक्षा करने के लिए शनि देव को रोहिणी नक्षत्र का भेदन करने से रोकने के लिए उनसे युद्ध करने गये। जिससे प्रसन्न होकर शनिदेव ने उन्हें वर मांगने को कहा था, तब राजा दशरथ ने उनसे रोहिणी-भेदन न करने का वर मांगा, जिसे शनिदेव ने स्वीकार कर लिया तथा उन्होंने रोहिणी-भेदन नहीं किया। शनिदेव बचपन से ही क्रोधी स्वभाव के थे। एक बार उन्होंने अपनी माँ छाया को तुरंत भोजन देने के लिए कहा, परन्तु माता के यह कहने पर कि भोजन भोग लगाने के पर्श्चात् दूंगी, शनिदेव ने अपना एक पांव उठाकर मां पर प्रहार करना चाहा, जिससे क्रोध में आकर उनकी माता ने उन्हें श्राप दिया कि उनका पांव इसी समय टूट जाये तथा वे लंगडे हो जायें। तभी से शनिदेव लंगडे हो गये। नवग्रहों में शनि ग्रह अपना एक अलग ही महत्व रखता है। शनि ग्रह को ूर तथा तामसिक ग्रह भी कहा जाता है। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मकर तथा कुंभ राशि पर शनि ग्रह का स्वामित्व होता है। शनि ग्रह तुला राशि में उच्च तथा मेष राशि में नीच होता है। शुक्र ग्रह को शनि का सबसे घनिष्ठ मित्र तथा सूर्य को सबसे बडा शत्रु कहा गया है। शनिदेव एक राशि से दूसरी राशि में प्रवेश करने में लगभग ढाई वर्ष का समय लेते हैं। शनि ग्रह की गणना पाप ग्रहों में की जाती है। इनके विषय में यह भी कहा जाता है कि अगर ये विपरीत चल दें तो सम्राट को भी भिखारी बना सकते हैं। शनि ग्रह के पास तीसरी, सातवीं तथा दसवीं पूर्ण दृष्टियाँ भी हैं।

शनि ग्रह के बुध, शुक्र, राहु मित्र हैं तथा सूर्य, चंद्र, मंगल शत्रु तथा गुरु व केतु सम हैं। शनि ग्रह की महादशा 19 वर्ष की होती है। लग्न राशि या चंद्र राशि से बारहवें स्थान पर शनिदेव के आने पर साढेसाती का प्रारंभ माना जाता है तथा द्वितीय स्थान से निकल जाने को शनि की साढेसाती का अंत माना जाता है। इसके अतिरिक्त लग्न राशि या चंद्र राशि से चौथे या आठवें स्थान पर शनिदेव के भ्रमण को ढैंया कहकर पुकारा जाता है। शनिकृत पीडा को शांत करने के लिए कोई भी व्यक्ति निम्न उपाय कर सकता है।

सरसों के तेल का दान, उडद या बादाम का दान। बजरंग बाण का पाठ। भैरव चालीसा का पाठ। स्नान से पहले तेल मालिश। शनिवार को मंदिर में बताशे चढाना। लोहे का कडा धारण करना। शनिवार को एक नारियल मंदिर में चढाना।

वाहन तथा पहनने वाले जूतों को ठीक रखना भी शनि को अच्छा लगता है।

शिव के डमरू की आवाज से गणेशजी ने संपूर्ण वेदों का ज्ञान पाया

लंबोदर स्वरूप में किसी भी भलीबुरी बात को पेट में समाहित करने की सीख है। शिव के डमरू की आवाज से गणेशजी ने संपूर्ण वेदों का ज्ञान पाया। माता पार्वती जी की पाजेब की आवाज से संगीत का, शंकरजी के तांडव नृत्य से नृत्य विद्या अध्ययन किया। इस तरह विविध ज्ञान को समाहित करने के लिए बडे पेट की आवश्यकता थी तो गणेशजी लंबोदर कहलाए। उनका यह स्वरूप हमें सीख देता है कि हमें अधिक से अधिक चीजें सीखने का प्रयास करना चाहिए। बहुत छोटी सी सीख ही क्यों न मिले उसे सही तरीके से ग्रहण करना चाहिए और उसे अपने भीतर समाहित कर लेना चाहिए। मनुष्य दो तरह के होते हैं- एक वे जो सभी तरह की चीजों को सीखने की चाह रखते हैं और दूसरे वे जो चीजों को सीखने में ज्यादा रुचि नहीं लेते हैं। गणेशजी का यह स्वरूप प्रेरणा देता है कि हमें ज्यादा चीजों को सीखने के लिए प्रयास करना चाहिए।

शहीदों के सरताज, सच्चे पातशाह गुरु श्री अर्जुन देव जी

सिखों के पांचवें गुरु गुरु अर्जुन देव का प्रकाश श्री गुरु रामदास जी तथा माता भानी जी के यहां वैशाख बदी 7, संवत 1620 मुताबिक 15 अप्रैल 1563 ई को गोइंदवाल साहिब में हुआ। आपका पालनपोषण गुरु अमरदास तथा बाबा बुड्ढा की देखरेख में हुआ। मानव-कल्याण के लिए आजीवन शुभ कार्य करने वाले गुरु अर्जुन देव सिखों के पांचवें गुरु हैं। कल्पना कीजिए, उस मंजर की जब मुगल बादशाह जहांगीर गर्म था, लाहौर शहर का वजीर गर्म था, चंदू व्यवसायी गर्म था, जेठ का महीना गर्म था, लोहे का तवा गर्म था, जल रही चूल्हे की आग गर्म थी, शरीर पर डाली जा रही रेत भी गर्म थी। केवल गुरु श्री अजरुन देव, इन सब की परवाह न करते हुए बिल्कुल ठंडे थे। तनिक भी विचलित नहीं हुए थे। किंचित मात्र क्रोध नहीं आया था इन जल्लादों पर। 'वाहेगुरु' के सिमरन (सुमिरन) में वह पूरी तरह लीन थे। शांति के पुंज, शहीदों के सरताज गुरु अजरुन देव की शहादत अतुलनीय है।

हर विचारवान व्यक्ति के मन में यह प्रश्न कौंध जाता है कि गुरु देव ने ऐसा कौन-सा 'अपराध' किया कि उन्हें इस तरह यासा व सियासत कानून के तहत शहीद कर दिया गया। अकबर के देहांत के बाद जहांगीर दिल्ली का शासक बना। वह कट्टरपंथी था। अपने धर्म के अलावा उसे और कोई धर्म पसंद नहीं था। गुरु जी के धार्मिक व सामाजिक कार्य भी उसे बुरे लगते थे। इसी दौरान जहांगीर का पुत्र खुसरो बगावत करके आगरा से पंजाब की ओर आ गया। जहांगीर को सूचना मिली कि गुरु जी ने खुसरो की मदद की है। इसलिए उसने उन्हें गिरफ्तार करने के आदेश दिया। स्वयं जहांगीर भी गुरु जी के सिख धर्म के प्रचार-प्रसार से डर गया था। जहांगीर के आदेश पर उनकों गिरफ्तार कर लाहौर लाया गया तथा मृत्युदंड सुनाने का फरमान दे दिया गया। इसके साथ ही अमानवीय यातनाओं का अंतहीन दौर चल पडा। लाहौर के बजीर ने गुरु जी को एक रुढिवादी व्यवसायी चंदू को सुपुर्द कर दिया। कहा जाता है कि चंदू ने गुरुजी को तीन दिन तक ऐसी-ऐसी यातनाएं दीं, जो न तो शब्दों में बयां की जा सकती हैं, न ही वैसी कोई मिसाल इतिहास में ढूंढे मिलेगी। ऐसी दर्दनाक अवस्था में ही गुरुजी को लोहे की जंजीरों में बांधकर 30 मई सन् 1606 ईस्वी में रावी नदी में फेंकवा दिया गया। शांतिपूर्वक अपने धर्म के प्रचार -प्रसार के उनके इस प्रयास को आनेवाले समय में बदलने की आवश्यकता का बीजा रोपण उसी दिन हो गया।

जब भगवान राम ने दिया था हनुमान को मृत्युदंड

हिन्दू घर्म के महान ग्रन्थ रामायण मे सब जानते है भगवान राम के सबसे बडे भक्त हनुमान जी थे, परन्तु फिर ऐसा क्या हुआ की भगवान राम ने हनुमान जी को मृत्यु दंड दिया और जब हनुमान जी मत्यु को प्राप्त नहीं हुए तो उन पर ब्रहमास्त्र चलाया, आइये जानते है क्या हुआ था की भगवान राम को उनके सबसे प्रिय भक्त को मृत्युदंड देना पडा।

श्री राम जब अयोध्या के राजा बने तो नारद मुनि ने हनुमान जी से ऋषि विश्वामित्र के सिवाय सभी साधुओं और ऋषियों से मिलने को कहा क्योंकि विश्वामित्र कभी महान राजा हुआ करते थे। हनुमान ने इसका पालन किया लेकिन इससे विश्वामित्र को कोई फर्क नहीं पडा।

तब कपट से नारद मुनि विश्वामित्र के पास गए और उन्हें हनुमान के खिलाफ भडकाया। इसके बाद विश्वामित्र हनुमान पर बेहद गुस्सा हो गए और उन्होंने भगवान श्रीराम से हनुमान जी को मौत की सजा देने के लिए कहा। राम अपने गुरु विश्वामित्र की बात टाल नहीं सकते थे इसी कारण उन्होंने हनुमान जी को मृत्युदंड दियाज मृत्युदंड देने के बाद भगवान राम ने हनुमान जी पर बाण चलाए लेकिन हनुमान राम का नाम जपते रहे और उनको कुछ नहीं हुआ। भगवान श्री राम को अपने गुरु विश्वामित्र की आज्ञा का पालन करना ही था इसलिए श्रीराम ने हनुमान पर बह्मास्त्र चलाया। आश्चर्यजनक रूप से राम नाम का जप कर रहे हनुमान जी का ब्रह्मास्त्र भी कुछ नहीं बिगाड पाया। यह सब देखकर नारद मुनि विश्वामित्र के पास गए और अपनी भूल स्वीकार की।

ऐसा कहा जाता है की एक बार जब हनुमान जी ने माता सीता को मांग मैं सिंदूर लगाते हुए देखा तो हनुमान जी ने इसका कारण पूछा। तब सीता मां ने उन्हें बताया कि इससे भगवान राम की आयु बढेगी। जब हनुमान ने यह सुना तो उन्होंने सोचा कि जब मांग में सिंदूर भरने से भगवान राम की आयु बढती है तो क्यों न पूरे शरीर में ही सिंदूर लगा लिया जाए। और तब से हनुमान जी पुरे शरीर पर सिंदूर लगाते है और व्ही प्रथा चली आ रही है और आज भी हनुमान जी की मूर्ति को सिंदूर लगाया जाता है। श्री राम का अपने भक्त हनुमान से युद्ध भी हुआ था। भगवान राम के गुरु विश्वामित्र के निर्देशानुसार भगवान राम को राजा ययाति को मारना था।

राजा ययाति ने हनुमान से शरण मांगी। हनुमान ने राजा ययाति को वचन दे दिया। हनुमान ने किसी तरह के अस्त्र-शस्त्र से लडने के बजाए भगवान राम का नाम जपना शुरू कर दिया। राम ने जितने भी बाण चलाए सब बेअसर रहे। विश्वामित्र हनुमान की श्रद्धाभक्ति देखकर हैरान रह गए और भगवान राम को इस धर्मसंकट से मुक्ति दिलाई।

अहंकार मानव स्वभाव का एक हानिकारक गुण हैं

एक मूर्तिकार था। वह ऐसी मूर्तियां बनाता था, जो सजीव लगती थीं। लेकिन मूर्तिकार को अपनी इस कला पर अहंकार था। जब उसे लगने लगा कि उसकी मृत्यु आने वाली है तब उसने यमदूतों को भ्रम में डालने के लिए स्वयं की सजीव मूर्तियां बनाईं। उसने अपने जैसी करीब 10 मूर्तियां बनाईं और उन मूर्तियों के बीच में जाकर बैठ गया। जब यमदूत आए तो उन्हें 11 मूर्तियां दिखाईं दीं। वह एक जैसी 11 मूर्तियां देखकर हैरान थे। वह एक विषम परिस्थिति में फंस गए। वो यह कि यदि मूर्ति तोडते हैं तो कलाकार के सम्मान को ठेस पहुंचेगी और यदि मूर्तिकार को यमलोक नहीं ले जाएंगे तो प्रकृति का नियम टूटा जाएगा।

तब एक यमदूत को मानव स्वभाव के एक गुण अहंकार के बारे में ध्यना आया। उसने कहा, इन 11 मूर्तियों में से एक मूर्ति में एक त्रुटि है। जैसे ही यमदूत ने यह वाक्य कहे, मूर्तिकार तुरंत बोल उठा, कौन सी मूर्ति में कैसी गलती। फिर क्या था यमदूत उस मूर्तिकार को तुरंत यमलोक ले गए। उन्होंने कहा, अहंकारवश यही गलती तो की है तुमने कि तुम बोल उठे। संक्षेप में अहंकार मानव स्वभाव का एक हानिकारक गुण हैं। यह गुण जब स्वभाव में आ जाता है तो अपना ही नहीं औरों का भी नुकसान करवाता है।

लिविंग रूम को स्टाइलिश बना देंगे ये लैंप

घर में लिविंग रूम सबसे खास होता है। यह घर को वो खास हिस्सा है जहां पर आप मेहमनों का स्वागत कर सकते हैं और सारे दिन की थकावट भी इसी रूम में आराम करके उतर जाती है। इस खास जगह का इंटीरियर भी अगर शानदार हो तो यहां समय बिताने में बहुत मजा भी आता है। आजकल लोग घर के इंटीरियर को लेकर बहुत चूजी हो गए हैं। वह घर में हर चीज को स्टाइलिश तरीके से रखना पसंद करते हैं। पहले सिर्फ सोफे और कुर्सी को इंटीरियर का खास हिस्सा माना जाता था लेकिन अब इसमें वॉल डैकोरेशन,शो पीस,प्लांटस के साथ-साथ लैंप को भी इसके साथ जोड़ा जा रहा है। घर की खूबसूरती और भी बढ जाती है स्टाइलिश चेयर और सोफे के साथ लैंप भी शानदार हो। इससे घर को रॉयल लुक भी मिलती है। आजकल बाजार में बहुत तरह के लैंप आसानी से मिल जाते हैं,जिसे आप अपने लिविंग रूम का खास हिस्सा बना सकते हैं।

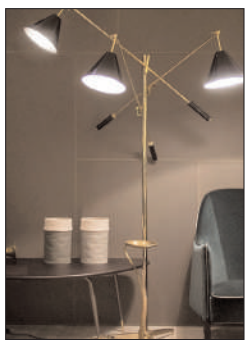

इस तरह के लैंप टेबल पर नहीं बल्कि फ्लोर पर रखने वाले होते हैं। जो सिंपल से सोफा और चेयर सैट को भी स्टाइलिश लुक देता है। आप अपने फर्नीचर या फिर रूम के कलर के हिसाब से मैच करके भी रख सकते हैं। रूम को लग्जरी लुक देना चाहते हैं को इस तरह के लैंप आपके लिए बैस्ट हैं। कम फर्नीचर के साथ भी यह कमरे की खूबसूरती को बढ़ा देते हैं।

मॉडर्न स्टाइल से घर को सजाना है तो इस तरह के लैंप बहुत अच्छे लगते हैं। इनकी लैंथ फ्लोर से बहुत ऊंची होती हैं।

इस तरह बनाए पुराने स्मार्टफोन से सीसीटीवी कैमेरा

अक्सर लोग नया फोन लेते समय लोग आपने पुराने स्मार्टफोन को फैंक देते है। अगर आपका फोन ठीक से काम करता हो तो आप उसे बेच देते है या फिर उसे घर पर ऐसे ही पड़ा रहने देते है लेकिन अब आप उसे बेचने की बजाए घर के लिए सीसीटीवी कैसरा बना सकते है। इससे आपको पुराना फोन कम दाम पर बेचना भी नहीं पड़ेगा और वो आपके काम भी आ जाएगा।

ऑफिस या घर पर सीसीटीवी कैमरा लगवाने के लिए काफी पैसे खर्च कर देते है लेकिन मंहगा होन के कारण कई लोग इसे खरीद नहीं पाते है। पुराने फोन की मदद से आप घर के लिए बिना किसी मदद के सीसीटीवी कैसरा बना सकते है। इससे आपके पैसे भी नहीं खर्च करने पड़ेगें और आपके घर के लिए सीसीटीवी कैसरा भी बन जाएगा। स्मार्टफोन से घर के लिए सीसीटीवी कैसरा बनाने के लिए आप उसमें सीसीटीवी ऐप को डाउनलोड कर लें। प्ले स्टोर में सीसीटीवी सर्च करने पर आपको कई ऐप मिल जाएंगे।

डाउनलोड होने के बाद यूजर अपनी गूगल अकाउंट की डिटेल को ऐप में डाल दें। डिटेल देने के बाद आपको इसमें कैमरा और व्यूअर नजर आ जाएगा। नेक्सट करने के बाद कैमरे के स्क्रीन व्यू को सिलेक्ट करें। इससे आपका स्मार्टफोन ब्लैंक या फिर विजिबल मोड पर आ जाएगा। अब आप इसे घर की सेफ्टी के लिए इस्तेमाल कर सकते है। आप इससे स्क्रीन रिकॉर्डिंग भी कर सकते है।

जिसे आप बाद में देख सकते है। अगर आपका फोन चार्ज नहीं होगा तो आप रिकॉर्डिंग को देख नहीं पाएगें। इसलिए समय-समय पर अपने फोन को चेक करते रहें और बैटरी लो होने पर इसे चार्ज कर लें। इसे आप अपने टीवी के साथ भी कनेक्ट कर सकते है।

बेकार रस्सियों से बनाएं घर के लिए क्रिएटिव चीजें

घर में बहुत सी बेकार चीजें होती है, जिन्हें आप इस्तेमाल करने की बजाए फैंक देती है। उसी तरह घर में पड़ी बेकार रस्सी को भी आप बिना उसके फायदे जाने फैंक देती है। घर में पड़ी बेकार रस्सी का इस्तेमाल आप अपने घर के लिए टोकरी बना सकती है। इस टोकरी का इस्तेमाल आप किचन से लेकर मेकअप का सामान रखने के लिए कर सकती है। आइए जानते है कि किस तरह से आप बेकार रस्सीयों से अपने घर की सजावट कर सकती है।

जरूरी सामान

रस्सी से कलाकृति बनाने के लिए आपको बेकार रस्सी, प्लॉस्टिक का टब (किसी भी साइज का), ग्लू, कलर चाहिएं होंगे।

बनाने का तरीका

1. सबसे पहले तो टब को प्लास्टिक बैग में लपेट दें। इसके बाद इसके ग्लू से रस्सी को चारों तरफ लपेटते हुए चिपका दें।
2. अच्छी तरह से चारों तरफ रस्सी चिपकाने के बाद टब के सखने के लिए रख दें। सूखने के बाद आप टब को धीरे-धीरे रस्सीयों के अंदर से निकाल लें।
3. टब निकालने के बाद इसे थोड़ी देर और सूखने के लिए रख दें। जब टब अच्छी तरह से सूख जाएं तो इसपर आप अपनी पंसद से कोई भी कलर कर दें। इसके अलावा इस आप अपनी पसंद से फूल भी लगा सकती है।
4. इस सुंदर टोकरी में आप किचन या घर का कोई भी सामान रख सकती है। इसके अलावा इस तरीके से छोटी टोकरी बना कर आप इसमें अपना मेकअप का समान भी रख सकती है।
5. टोकरी बनाने के अलावा इससे आप घर की बाकी चीजे जैसे फोटो फ्रेम, मिरर या फिर कोई भी सामान डेकोरेट कर सकती है। इसकी टोकरी बना कर आप उसमें फूलों को लगा कर गार्डनिंग भी कर सकती है।

महावीर इंटरनेशनल सिकंदराबाद द्वारा

जयकार आध्यात्मिक संगीत और जलसा डांडिया रस 2-3 अक्टूबर को

महावीर इंटरनेशनल सिकंदराबाद दो विशेष संगीत और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर रहा है 'जयकार', एक आध्यात्मिक संगीत कार्यक्रम, 2 अक्टूबर 2026 को और 'जलसा 5.0', डांडिया रस की शाम, 3 अक्टूबर 2026 को हाइटेक्स में आयोजित किए जाएंगे। ये कार्यक्रम संगठन की सामुदायिक कल्याण और सामाजिक विकास के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता के हिस्से के रूप में आयोजित किए जा रहे हैं। आध्यात्मिक संगीत कार्यक्रम 'जयकार' में 2 अक्टूबर को शाम 6.01 बजे आध्यात्मिक गायक निखर जुनेजा प्रदर्शन करेंगे, जबकि 'जलसा 5.0', डांडिया रस समारोह में 3 अक्टूबर को शारद लश्करी शामिल होंगे।

इन कार्यक्रमों से प्राप्त शुद्ध आय का उपयोग महावीर इंटरनेशनल सिकंदराबाद की शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास संबंधी पहलों के लिए किया जाएगा, जिससे संगठन अपनी सामाजिक सेवा गतिविधियों को अधिक लाभार्थियों तक पहुंचा सकेगा।

शहर में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में विवरण देते हुए वीणा ओस्तवाल, अध्यक्ष; रचना चोपड़ा, सचिव; मितेश मेहता, कोषाध्यक्ष और पारेश शाह, कार्यक्रमों के संयोजक, महावीर इंटरनेशनल सिकंदराबाद ने कहा कि इन दोनों कार्यक्रमों की कल्पना केवल मनोरंजन कार्यक्रमों के रूप में नहीं बल्कि उत्सव को एक बड़े सामाजिक उद्देश्य के साथ जोड़ने के अवसर के रूप में की गई है।

निखर जुनेजा एक समकालीन भक्ति गायक, संगीतकार, गीतकार, कलाकार और संगीत निर्माता हैं। पारंपरिक भक्ति को समकालीन संगीत व्यवस्थाओं के साथ मिश्रित करने के लिए जाने जाने वाले जुनेजा ने डिजिटल माध्यमों पर काफी लोकप्रियता हासिल की है। उनके यूट्यूब चैनल पर लगभग 2.4 मिलियन सब्सक्राइबर, 500 मिलियन वीडियो व्यूज और इंस्टाग्राम पर लगभग 2.5 मिलियन फॉलोअर्स हैं। उनके लोकप्रिय भक्ति गीतों में 'शिव शंकर आदियोगी', 'शंकर संताप मिटाए', 'कैलाश के निवासी', 'शिव वाणी' और 'हनुमान चालीसा – पावरफुल एंड फास्ट' शामिल हैं।

'जलसा 5.0' में मुंबई स्थित लाइव गायक और कलाकार शारद लश्करी और उनका बैंड प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने भारत और विदेशों में 3,000 से अधिक लाइव प्रदर्शन किए हैं। वे बॉलीवुड, रेट्रो, सूफी और उत्सव संगीत में अपनी उच्च ऊर्जा वाली प्रस्तुतियों के लिए जाने जाते हैं। उनका बड़े पैमाने पर नवरात्रि और डांडिया समारोहों से गहरा जुड़ाव है और उन्होंने 10 से अधिक देशों के दर्शकों के सामने प्रदर्शन किया है।

उन्होंने कहा, जयकार और जलसा आध्यात्मिकता, संगीत, उत्सव और सेवा को एक साथ लाते हैं। हमारा प्रयास समुदाय के लिए यादगार अनुभव सृजित करना है, साथ ही यह सुनिश्चित करना है कि आय शिक्षा, स्वास्थ्य सेवा और कौशल विकास में सार्थक योगदान दे। हम नागरिकों से भाग लेने और इस उद्देश्य का समर्थन करने का आह्वान करते हैं।

आयोजकों ने बताया कि 'जयकार' आध्यात्मिक संगीत और भक्ति की एक शाम पेश करेगा, जबकि 'जलसा 5.0' शहर में डांडिया रस की उत्सव ऊर्जा लेकर आएगा। दोनों कार्यक्रमों में परिवारों, समुदाय के सदस्यों और संगीत एवं सांस्कृतिक उत्साही लोगों की भारी उपस्थिति अपेक्षित है। टिकट बुकमईशो के माध्यम से उपलब्ध हैं।

कार्यक्रमों को एसपीएम केबल्स, भारती सीमेंट, हॉलिडे बाजार, श्री टीएमटी, जैन कंस्ट्रक्शंस और वैष्णवी ग्रुप का समर्थन प्राप्त है।

75 की उम्र में भी समाजसेवा का जुनून

45 की उम्र जैसा उत्साह और समर्पण रमेश बंसल का आज भी कायम

उम्र 75 की है, लेकिन आज भी समाज के लिए कुछ करने का जुनून, उत्साह और समर्पण उतना ही है, जितना 45 वर्ष की उम्र में था। चाहे सड़क पर पड़े प्लास्टिक कचरे को उठाना हो या फिर कृत्रिम झीलों के निर्माण में बढ़-चढ़कर भागीदारी करना, महाराष्ट्र के पुणे शहर के डॉ. रमेश बंसल अपने सामाजिक दायित्वों को पूरा करने में हमेशा सबसे आगे रहते हैं।

डॉ. रमेश बंसल जनरल फिजिशियन हैं। इसलिए वे बखूबी जानते हैं कि पर्यावरण और स्वच्छता जैसे विषयों पर धरातल पर काम किए बिना समाज को स्वस्थ नहीं बनाया जा सकता। यही सोच उन्हें लगातार सामाजिक कार्यों के लिए प्रेरित करती है।

सिर्फ अपने लिए ही क्यों जीना...

आज से करीब 35 वर्ष पहले, जब वे मात्र 40 वर्ष के थे और अपने क्लिनिक में रोगियों के स्वास्थ्य की जांच कर रहे थे, तभी उन्हें महसूस हुआ कि अपने लिए तो सभी जीते हैं, लेकिन अब वह समय है जब आसपास के परिवेश और समाज को सुंदर बनाने के लिए कुछ और कार्य करने चाहिए।

शुरुआत आसान थी, क्योंकि अपने क्षेत्र के प्रतिष्ठित डॉक्टर होने के नाते उनके सभी से अच्छे संबंध थे। उन्होंने इन्हीं संबंधों को समाजसेवा का माध्यम बनाया और धीरे-धीरे सामाजिक कार्यों से जुड़ते चले गए।

पौधारोपण से शुरू हुआ अभियान, अब तक लगाए 70 हजार पेड़

अपने संबंधों के माध्यम से उन्होंने स्थानीय सामाजिक टीमों के सहयोग से आर्मी क्षेत्र में पौधारोपण जैसे कार्य शुरू करवाए और स्वयं भी इन अभियानों में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। धीरे-धीरे इस कार्य का विस्तार होता गया और एक कारवां बनता चला गया।

क्षेत्र के स्कूलों के बच्चे भी उनके पौधारोपण अभियान से जुड़ गए। सभी के सहयोग से अब तक करीब 70 हजार पेड़ लगाए जा चुके हैं। पौधारोपण के साथ ही इन पेड़ों की देखभाल और पर्यावरण संरक्षण के प्रति लोगों में जागरूकता पैदा करने का कार्य भी लगातार जारी है।

पानी बचाने के लिए छह कृत्रिम झीलों का निर्माण

जब एक कदम आगे बढ़ाने से किसी कार्य को गति मिलती है तो कुछ और करने का उत्साह भी बढ़ने लगता है। पौधारोपण अभियान के साथ ही पानी की महत्ता को समझते हुए डॉ. रमेश बंसल ने

'पानी अड़वा', अर्थात पानी को रोकने के अभियान पर काम शुरू किया। इसके तहत उन्होंने पुणे में अब तक छह कृत्रिम झीलों का निर्माण करवाया है।

इसके अलावा वे लॉयन्स क्लब, सावरकर मंडल और अन्य संस्थाओं के साथ मिलकर महीने में एक बार पुणे के सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता अभियान में भी भागीदारी करते हैं।

उनके समर्पण को देखते हुए उनके एक साथी ने चुटकी लेते हुए कहा कि, 'रमेश जी, आप तो कचरा भी ऐसे ढूंढते हैं, जैसे सोना ढूंढ रहे हों।' यह बात भले ही मजाक में कही गई हो, लेकिन स्वच्छता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को बखूबी दर्शाती है।

महिलाओं के स्वास्थ्य के लिए भी उठाया कदम

समाज को स्वस्थ रखने के लिए महिलाओं का स्वस्थ रहना भी जरूरी है। इसी सोच को ध्यान में रखते हुए डॉ. रमेश बंसल ने महिलाओं में बढ़ रहे स्तन कैंसर और गर्भाशय कैंसर की समय रहते रोकथाम के लिए भी पहल शुरू की।

इसके लिए उन्होंने एक कैंसर सेंटर से संपर्क किया और महिलाओं की नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच के लिए शिविर आयोजित करवाने शुरू किए। उनका मानना है कि कैंसर का शुरुआती अवस्था में पता चल जाने पर समय पर उपचार के माध्यम से जीवन बचाया जा सकता है।

महिलाओं के कैंसर के लिए ही काम करने के सवाल पर रमेश बंसल बताते हैं कि एक समय कुछ ही अवधि में उनके परिवार और परिचितों में चार महिलाओं को स्तन कैंसर होने की जानकारी मिली। इसके बाद उन्हें लगा कि इस बीमारी की रोकथाम और समय पर जांच के लिए भी कुछ करना चाहिए। अब तक वे महिलाओं के लिए ऐसे 10 स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करवा चुके हैं।

दूसरों की बातों से बढ़ता है मनोबल

डॉ. रमेश बंसल एक घटना का जिक्र करते हुए बताते हैं कि कृत्रिम झील के निर्माण के दौरान एक बार ऊंचाई पर पहुंचने के बाद उनके पैरों में तकलीफ होने लगी। यह देखकर उनके एक पर्यावरण साथी ने उनसे कहा, 'आपसे ही हमें ऊर्जा मिलती है, इसलिए आप अपनी सेहत का ख्याल रखिए। आपको कुछ भी होगा तो आपके परिवार के साथ ही समाज को भी आपके न रहने का बड़ा नुकसान होगा।'

रमेश बंसल कहते हैं कि दूसरों की कही हुई ऐसी बातें ही समाज के लिए काम करने का उनका मनोबल और बढ़ा देती हैं। जब लोग उनके कार्यों से प्रेरणा लेते हैं तो उन्हें भी आगे बढ़कर और अधिक काम करने की ऊर्जा मिलती है।

समाज के विभिन्न क्षेत्रों में भी किए अनेक कार्य

इन सभी कार्यों के अलावा डॉ. रमेश बंसल ने महाराजा अग्रसेन के कार्यों का स्मरण और उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से पुणे शहर में अग्रसेन चौक, अग्रसेन पथ और अग्रसेन उद्यान का निर्माण कराया है।

देहू रोड क्षेत्र में जरूरतमंद बच्चों के लिए बस सुविधा उपलब्ध कराने का कार्य भी किया है। इसके अलावा रेडक्रॉस के साथ मिलकर सीपीआर का प्रदर्शन और प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित करते हैं, ताकि आपात स्थिति में समय रहते किसी की जान बचाई जा सके।

समाज के लिए जीने की सोच

इस उम्र में भी पूरी ऊर्जा और उत्साह के साथ इतने सामाजिक कार्य करना केवल समाज को कुछ देने का प्रयास भर नहीं है, बल्कि डॉ. रमेश बंसल के लिए समाज के लिए जीने और अपना सर्वस्व समर्पित करने की सोच है।

निश्चित ही डॉ. रमेश बंसल जैसे लोग समाज में सकारात्मक बदलाव की मिसाल पेश करते हैं। ऐसे लोगों के कारण ही दुनिया की खूबसूरती कायम है। अन्यथा इस दुनिया में हर रोज हज-ारों लोग आते हैं और चले जाते हैं, लेकिन कुछ लोग अपने कार्यों के माध्यम से समाज में ऐसी छाप छोड़ जाते हैं, जो लंबे समय तक याद रहती है।

-स्वाती जैन
हैदराबाद

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

संपादकीय

यह रोजगार 'जीरे' समान

हमें 2013-14 का परिदृश्य याद आ रहा है। तब नरेन्द्र मोदी भाजपा के प्रधानमंत्री उम्मीदवार थे। वह दौर भ्रष्टाचार, महंगाई और बेरोजगारी का था। कमोबेश महंगाई और बेरोजगारी आज भी प्रबल हैं। बहरहाल 2014 में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर मोदी ने देश को आश्वासन दिया था कि यदि उनकी पार्टी की सरकार बनी, तो सालाना 2 करोड़ नौकरियां और रोजगार दिए जाएंगे। देश ने भाजपा को जनादेश दिया और मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। तब से वह इस संवैधानिक पद पर हैं, लेकिन सवा 12 साल के कालखंड में सरकार ने कुल 15 लाख से अधिक नियुक्ति-पत्र बांटे हैं। वैसे सरकार का दावा है कि कुल मिला कर करीब 17 करोड़ रोजगार सृजित किए गए हैं। आश्वासन के मुताबिक, कुल 24 करोड़ नौकरियां और रोजगार दिए जाने चाहिए थे। इसका कोई स्पष्टीकरण प्रधानमंत्री मोदी ने आज तक नहीं दिया। वैसे केंद्र सरकार में फिलहाल 8 लाख से अधिक पद खाली हैं। उन्हें क्यों नहीं भरा जाता? यह सवाल हम करते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने निजी या सार्वजनिक उपक्रमों में भी कितना रोजगार मुहैया कराया, इसका भी कोई डाटा नहीं दिया गया है। नीति आयोग की एक रपट में यह खुलासा जरूर किया गया है कि मात्र 8.27 फीसदी स्नातकों को ही उनकी योग्यता के मुताबिक काम मिल पाया है। अर्थात शेष 91 फीसदी से ज्यादा युवा और कामगार निजी क्षेत्र में अनचाही, अनुपयुक्त, औनी-पौनी नौकरी कर रहे हैं या ठेके पर काम कर रहे हैं अथवा खेती के काम का दावा कर रहे हैं। खेती में औसतन 10,000 रुपए से कुछ अधिक की माहवार आमदनी है, यह सरकार का ही आंकड़ा है। दरअसल भारत में रोजगार की यही औसत हकीकत है। सबसे बड़े राज्य उप्र का ही उदाहरण लें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2022 में चुनाव जीतने से पहले वायदा किया था कि 5 साल में 70 लाख रोजगार (नौकरी समेत) दिए जाएंगे। वह 2017 से लगातार सत्ता में हैं। अब चुनाव के मुहाने पर उन्होंने ही खुलासा किया है कि साढ़े 9 साल में हमने करीब 9.50 लाख नौकरियां (क्या रोजगार भी?) दी हैं और आगामी 6 माह में 1 लाख नौकरियां और देंगे। इन रोजगारों का कुल जोड़ किया जाए, तो यह 70 लाख की तुलना में 'ऊंट के मुंह में जीरा' समान है। उप्र सरकार ने अभी जो रोजगार मेला आयोजित किया था, उसमें सिर्फ 818 नियुक्ति-पत्र ही बांटे गए। सरकार के पास मुश्किल से 4 महीने बचे हैं। उसके बाद चुनाव घोषित हो जाएंगे और आदर्श आचार संहिता लागू हो जाएगी। नौकरियां कैसे देंगे? चूंकि उप्र विधानसभा चुनाव मार्च-अप्रैल, 2027 में होना है और भाजपा के लिए यह चुनाव जीतना 'नाक और सम्मान का सवाल' है, लिहाजा प्रधानमंत्री, मंत्रीगण, प्रवक्ता और मुख्यमंत्री 'जेन-जी' के प्रति प्यार, प्रतिबद्धताएं उंडेल रहे हैं। जेन-जी और अपेक्षाकृत कुछ ज्यादा उम्र के युवाओं के रोजगार का यथार्थ यह है कि बजट में जिस 'पीएम इंटर्नशिप योजना' की ढोल पीटते हुए घोषणा की गई थी, उसके तहत 16,614 युवाओं को ही इंटर्नशिप नसीब हुई है, जबकि योजना के मुताबिक, करीब 3.68 लाख युवाओं को यह अवसर मिलना चाहिए था। कारण, फासले, विसंगतियां प्रधानमंत्री या वित्त मंत्री ही जानते होंगे। प्रधानमंत्री मोदी की झंडेदार योजनाओं में 'कौशल विकास' भी शामिल रही है। 2015-26 के दौरान कुल 4.73 करोड़ के करीब युवाओं के पंजीकरण, प्रशिक्षण और उन्हें प्रमाण-पत्र दिए जाने की स्थिति सामने आई है, लेकिन उनमें से सिर्फ 21.84 लाख को ही नौकरी, रोजगार प्राप्त हो सके हैं। सरकार के लिए यह आंकड़ा भी गुलगुलाने वाला होगा! सवाल किया जा सकता है कि क्या शेष 4 करोड़ से अधिक युवा 'कौशलहीन' थे? उनके रोजगार का क्या हुआ? क्या यह योजना भी नाकाम रही है? 'अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी निजी है, लेकिन उसकी प्रतिष्ठा और स्तर मायनेदार हैं। उसका अध्ययन और सर्वेक्षण है कि 2004-23 के बीच देश में करीब 50 लाख युवा 'स्नातक' बने। यानी डिग्रीधारी बने, लेकिन उनमें से करीब 28 लाख को ही रोजगार मिला। वह रोजगार कैसा था, योग्यता के मुताबिक था अथवा नहीं, फिलहाल इसे छोड़ दीजिए। भारत सरकार के सांख्यिकी मंत्रालय के ही आंकड़े हैं कि देश में 29.4 फीसदी डिग्री या डिप्लोमा धारक युवा बेरोजगार हैं। यह यथार्थ इतिहास-जैसा असीमित है। हमने कुछ बिंदु छुए हैं। फिर आग्रह करेंगे कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ध्यान दें, सोचें, अमल करें। रोजगार की समस्या हल होने से कई और समस्याएं भी हल हो जाती हैं।

देश ने भाजपा को जनादेश दिया और मोदी देश के प्रधानमंत्री बने। तब से वह इस संवैधानिक पद पर हैं, लेकिन सवा 12 साल के कालखंड में सरकार ने कुल 15 लाख से अधिक नियुक्ति-पत्र बांटे हैं। वैसे सरकार का दावा है कि कुल मिला कर करीब 17 करोड़ रोजगार सृजित किए गए हैं। आश्वासन के मुताबिक, कुल 24 करोड़ नौकरियां और रोजगार दिए जाने चाहिए थे। इसका कोई स्पष्टीकरण प्रधानमंत्री मोदी ने आज तक नहीं दिया। वैसे केंद्र सरकार में फिलहाल 8 लाख से अधिक पद खाली हैं। उन्हें क्यों नहीं भरा जाता? यह सवाल हम करते रहे हैं। प्रधानमंत्री ने निजी या सार्वजनिक उपक्रमों में भी कितना रोजगार मुहैया कराया, इसका भी कोई डाटा नहीं दिया गया है। नीति आयोग की एक रपट में यह खुलासा जरूर किया गया है कि मात्र 8.27 फीसदी स्नातकों को ही उनकी योग्यता के मुताबिक काम मिल पाया है। अर्थात शेष 91 फीसदी से ज्यादा युवा और कामगार निजी क्षेत्र में अनचाही, अनुपयुक्त, औनी-पौनी नौकरी कर रहे हैं या ठेके पर काम कर रहे हैं अथवा खेती के काम का दावा कर रहे हैं। खेती में औसतन 10,000 रुपए से कुछ अधिक की माहवार आमदनी है, यह सरकार का ही आंकड़ा है। दरअसल भारत में रोजगार की यही औसत हकीकत है। सबसे बड़े राज्य उप्र का ही उदाहरण लें। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने 2022 में चुनाव जीतने से पहले वायदा किया था कि 5 साल में 70 लाख रोजगार (नौकरी समेत) दिए जाएंगे। वह 2017 से लगातार सत्ता में हैं। अब चुनाव के मुहाने पर उन्होंने ही खुलासा किया है कि साढ़े 9 साल में हमने करीब 9.50 लाख नौकरियां (क्या रोजगार भी?) दी हैं और आगामी 6 माह में 1 लाख नौकरियां और देंगे।

बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया

पिघलते ग्लेशियर और खोखले होते पहाड़: चेतावनी सुनें

हिमालय केवल बर्फ से ढकी पर्वत-श्रृंखला नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन, जल, कृषि, ऊर्जा और पर्यावरण का आधार है। लेकिन जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है। नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी। लैंगटांग लिरुंग पर्वत से करीब 5,150 मीटर की ऊंचाई से चट्टान और बर्फ का विशाल हिस्सा टूटकर नीचे गिरा और आगे चलकर मलबे तथा पानी की भयावह बाढ़ में बदल गया। वैज्ञानिक विश्लेषण के मुताबिक गर्म होते वातावरण, ग्लेशियरों के पतले होने, पर्माफ्रॉस्ट के पिघलने और पहले से मौजूद भूगर्भीय कमजोरियों ने पहाड़ी ढलान की स्थिरता को प्रभावित किया। 26 अगस्त की घटना में चट्टान, बर्फ और मलबे का प्रवाह इतनी तेजी से नीचे आया कि उसने रास्ते में बसे क्षेत्रों, पुलों, सड़कों और जलविद्युत ढांचे को भारी नुकसान पहुंचाया। यह त्रासदी हिमालय के लिए एक गंभीर संकेत इसलिए भी है क्योंकि ग्लेशियर के पीछे हटने के साथ नई ग्लेशियल झीलें बन रही हैं और पुरानी झीलों का आकार बढ़ रहा है। इन झीलों को रोकने वाले प्राकृतिक बांध यदि बर्फ, चट्टान, मलबे, भूस्खलन या जल-दबाव से टूटते हैं तो कुछ ही समय में नीचे की घाटियों में विनाशकारी बाढ़ पहुंच सकती है। भारत के लिए यह चेतावनी बिल्कुल प्रासंगिक है। सिक्किम में हालिया आकलन में 40 उच्च-जोखिम वाली ग्लेशियल झीलों की पहचान हुई है, जिनमें 16 को सर्वाधिक जोखिम वाली श्रेणी में रखा गया है। राज्य सरकार और केंद्रीय एजेंसियां अब रिमोट सेंसिंग, फील्ड स्टडी, जल-स्तर एवं डिस्चार्ज मॉनिटरिंग और अर्ली-वॉर्निंग सिस्टम को मजबूत करने की दिशा में काम कर रही हैं। हिमाचल प्रदेश की स्थिति भी कम चिंताजनक नहीं है। आईआईटी मंडी के अध्ययन में 2025 में 3,500 मीटर से अधिक ऊंचाई पर 2,076 ग्लेशियल झीलें दर्ज की गईं, जो 2015 की तुलना में 710 अधिक हैं। इसी अवधि में इन झीलों का सामूहिक क्षेत्रफल 28.45 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा बताता है कि हिमालयी जल-भूगोल कितनी तेजी से बदल रहा है। समस्या केवल ग्लेशियरों के पिघलने तक सीमित नहीं है। हिमालय में तापमान बढ़ने से बर्फ और पर्माफ्रॉस्ट कमजोर हो रहे हैं, वहीं दूसरी ओर सड़क, सुरंग, बांध, जलविद्युत परियोजनाओं, पर्यटन सुविधाओं और अनियंत्रित निर्माण का दबाव पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना पर बढ़ रहा है। पहाड़ मैदान नहीं हैं कि उन्हें काटकर, खोदकर और भारी निर्माण करके उनकी प्रकृति के अनुरूप ढाला जा सके। पहाड़ों की अपनी भूगर्भीय सीमाएं, जलधारण क्षमता, ढलान और पारिस्थितिक संतुलन होता है। इन सीमाओं की अनदेखी अंततः भूस्खलन, मलबा-बाढ़ और ढांचागत तबाही के रूप में सामने आ सकती है। इस संदर्भ में विकास-विरोधी दृष्टिकोण अपनाना समाधान नहीं है, लेकिन विकास की परिभाषा और उसकी पद्धति पर पुनर्विचार करना अनिवार्य है। सड़क और बिजली चाहिए, पर्यटन भी चाहिए, रोजगार भी चाहिए, मगर यह सब हिमालय की वहन-क्षमता के अनुरूप होना चाहिए। भारत के लिए अब सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता एक समेकित हिमालयी निगरानी और पूर्व चेतावनी तंत्र विकसित करने की है। केवल किसी एक राज्य की सीमा में खतरे को देखने से काम नहीं चलेगा। ग्लेशियर सिक्किम में हो सकता है, झील उत्तराखंड में और उसका संभावित बाढ़-मार्ग किसी दूसरे जिले या राज्य तक पहुंच सकता है। इसलिए उपग्रह, ड्रोन, रिमोट सेंसिंग, स्वचालित जल-स्तर सेंसर, मौसम केंद्र और जमीनी निगरानी को एक साझा डिजिटल नेटवर्क से जोड़ना होगा। खतरे की सूचना केवल जिला मुख्यालय तक न रहे, बल्कि गांव, स्कूल, अस्पताल, सेना-चौकी, पर्यटन केंद्र, जलविद्युत परियोजना और नदी किनारे की बस्तियों तक वास्तविक समय में पहुंचनी चाहिए। इसके साथ ही केवल चेतावनी देना पर्याप्त नहीं है। चेतावनी के बाद क्या करना है, इसकी तैयारी भी उतनी ही जरूरी है। प्रत्येक संवेदनशील घाटी के लिए स्पष्ट निकासी मार्ग, सुरक्षित स्थान, वैकल्पिक सड़कें और संचार व्यवस्था तय हो। स्थानीय लोगों, पर्यटकों और परियोजना कर्मियों को नियमित मॉक ड्रिल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाए। आपदा के समय पहले पांच-दस मिनट कई बार पूरे बचाव अभियान की दिशा तय कर सकते हैं। जलवायु परिवर्तन का एक और गंभीर पहलू है-आज का संकट केवल बाढ़ का नहीं, कल के जल-संकट का भी हो सकता है। ग्लेशियरों के तेजी से पिघलने से शुरुआती वर्षों में नदियों में पानी बढ़ सकता है, लेकिन जब ग्लेशियरों का भंडार लगातार घटता जाएगा तो गर्मियों में स्थायी जलप्रवाह प्रभावित हो सकता है। हिमालयी नदियों पर निर्भर कृषि, पेयजल, ऊर्जा और करोड़ों लोगों की आजीविका के लिए यह दीर्घकालीन चुनौती है। हालिया आकलनों में हिमालय पर निर्भर आर्थिक गतिविधियों को भारत की अर्थव्यवस्था के पांचवें हिस्से से अधिक से जोड़ा गया है, हालांकि यह आंकड़ा संभावित आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि हिमालयी जल-तंत्र पर आर्थिक निर्भरता को दर्शाता है। ब्लैक कार्बन और प्रदूषण भी चिंता का विषय हैं। हालिया रिपोर्टों में हिमालयी ग्लेशियरों के द्रव्यमान-हानि की गति में तेज वृद्धि और ब्लैक कार्बन की भूमिका की ओर ध्यान दिलाया गया है। इसलिए हिमालय की सुरक्षा को केवल वन विभाग या आपदा प्रबंधन विभाग का विषय मानना पर्याप्त नहीं होगा। ऊर्जा, सड़क, पर्यटन, उद्योग, जलविद्युत, शहरी विकास और पर्यावरण-सभी विभागों की नीतियों में हिमालयी जोखिम को केंद्रीय स्थान देना होगा। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि हिमालय की समस्या सीमाओं से बड़ी है। भारत, नेपाल, भूटान, चीन और पाकिस्तान के हिमालयी एवं हिंदूकुश क्षेत्रों में जलवायु, ग्लेशियर, नदियां और पर्वतीय पारिस्थितिकी एक-दूसरे से जुड़ी हैं। इसलिए साझा वैज्ञानिक डाटाबेस, उपग्रह सूचनाओं का आदान-प्रदान, ग्लेशियल झीलों की संयुक्त निगरानी और सीमा-पार अर्ली-वॉर्निंग व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। किसी ऊंची घाटी में होने वाली घटना का असर नीचे की पूरी नदी प्रणाली पर पड़ सकता है। नेपाल की त्रासदी को केवल एक देश की प्राकृतिक आपदा मानकर भूल जाना सबसे बड़ी भूल होगी।

जलवायु परिवर्तन और पहाड़ों की वहन-क्षमता की अनदेखी करते हुए हो रहे निर्माण ने हिमालयी क्षेत्र को एक ऐसे संकटभरे दौर में पहुंचा दिया है, जहां प्राकृतिक आपदाएं अब केवल अचानक आने वाली घटनाएं नहीं रह गई हैं, बल्कि उनके पीछे लंबे समय से बन रही पर्यावरणीय अस्थिरता दिखाई देने लगी है। 26 अगस्त 2026 को नेपाल में हुई विनाशकारी रॉक-आइस अवलांच और उसके बाद आई मलबा-बाढ़ ने इस खतरे को अत्यंत भयावह रूप में सामने रखा है। विश्व मौसम विशेषता अध्ययन के अनुसार उस घटना में 1,300 से अधिक लोगों की मौत हुई और 5,000 से अधिक लोग लापता रहे। वैज्ञानिकों ने इसे केवल किसी एक मौसमीय घटना का परिणाम न मानकर जलवायु और भूगर्भीय कारकों के सम्मिलित प्रभाव से बनी त्रासदी बताया है। नेपाल की घटना को समझना इसलिए जरूरी है क्योंकि यह परंपरागत अर्थों में केवल ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड नहीं थी।

देश | दुनिया से

बढ़ते कदम, बदलती चुनौतियां व विकास की डगर

हिमाचल प्रदेश ने अपनी प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक आस्था, समृद्ध संस्कृति और साहसिक गतिविधियों के कारण देश ही नहीं, बल्कि विश्व के पर्यटन मानचित्र पर अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। यहां आने वाला पर्यटक केवल बर्फीली चोटियों और देवदार के जंगलों को देखने नहीं आता, बल्कि वह हिमाचल की संस्कृति, जनजीवन, धार्मिक परंपराओं, खान-पान और प्रकृति के साथ जुड़ना चाहता है। यही विविधता हिमाचल को पर्यटन की दृष्टि से विशिष्ट बनाती है। लेकिन अब सवाल केवल यह नहीं है कि हिमाचल में कितने पर्यटक आ रहे हैं, बल्कि यह है कि बढ़ते पर्यटक दबाव को हम कितनी व्यवस्थित और टिकाऊ तरीके से संभाल पा रहे हैं। हिमाचल में धार्मिक पर्यटन की अपनी एक अलग दुनिया है। प्रदेश के लगभग हर जिले में ऐसे मंदिर, शक्तिपीठ और धार्मिक स्थल हैं जहां वर्षभर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहता है। एक रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2025 में प्रदेश में कुल 3.11 करोड़ पर्यटक पहुंचे जिनमें लगभग 1.66 करोड़ धार्मिक पर्यटक थे। यानी पर्यटन की तस्वीर में धार्मिक आस्था की भूमिका कितनी महत्वपूर्ण है, इसका अंदाजा इसी आंकड़े से लगाया जा सकता है। प्राकृतिक पर्यटन की दृष्टि से भी हिमाचल किसी परिचय का मोहताज नहीं है। बर्फ से ढकी चोटियां, कल-कल बहती नदियां और जलधाराएं, झरने, प्राकृतिक झीलें, घने वन, सेब के बागान और पहाड़ों से गुजरती घुमावदार सडक़ें पर्यटकों को सहज ही आकर्षित करती हैं। इसके साथ ही ट्रैकिंग, पैराग्लाइडिंग, रिवर राफ्टिंग, रॉक क्लाइंबिंग, माउंटेन साइक्लिंग, कैंपिंग और शीतकालीन खेलों जैसी साहसिक गतिविधियों की संभावनाएं हिमाचल को वर्षभर पर्यटन का केंद्र बनाती हैं। कांगड़ा के बीड़-बिलिंग ने तो साहसिक पर्यटन के वैश्विक मानचित्र पर प्रदेश की अलग पहचान स्थापित कर ही दी है। प्रदेश में पर्यटन की बढ़ती लोकप्रियता का अंदाजा निम्न आंकड़ों से लगाया जा सकता है। वर्ष 2024 में हिमाचल में लगभग 1.81 करोड़ पर्यटक आए थे जबकि 2025 में यह संख्या बढक़र 3.11 करोड़ हो गई। सरकारी आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार पर्यटन, होटल और रेस्तरां क्षेत्र ने वर्ष 2024-25 में राज्य की अर्थव्यवस्था में 7.77 प्रतिशत योगदान दिया तथा 11 प्रतिशत के करीब रोजगार भी प्रदान किया है। यह केवल पर्यटकों की संख्या नहीं है, बल्कि रोजगार, परिवहन, होटल, होम-स्टे, हस्तशिल्प, स्थानीय उत्पाद, खानपान और छोटे कारोबारों के लिए पैदा होने वाले अवसरों का भी संकेत है। लेकिन इतनी बड़ी संख्या में पर्यटकों का हिमाचल आना जितना अवसर है, उतनी ही बड़ी चुनौती भी है। पहाड़ी प्रदेश की भौगोलिक सीमाएं मैदानी क्षेत्रों जैसी नहीं होती। यहां सडक़ें, पहाड़ों की वहन क्षमता, जलस्रोत सीमित हैं तथा पर्यावरण अत्यंत संवेदनशील है। इसलिए पर्यटन की सफलता को केवल पर्यटकों की संख्या से मापना उचित नहीं होगा। असली सफलता तब होगी, जब पर्यटक सुरक्षित और सुविधाजनक यात्रा कर सके, स्थानीय व्यक्ति को रोजगार मिले, स्थानीय उत्पादों की बिक्री बढ़े और प्रकृति पर अनावश्यक दबाव न पड़े। प्रदेश में पर्यटन की सबसे बड़ी आवश्यकता उसके विकेंद्रीकरण की है। हिमाचल का पर्यटन अभी भी मुख्य रूप से शिमला, मनाली, कुल्लू, धर्मशाला और डलहौजी जैसे स्थापित पर्यटन केंद्रों के आसपास अधिक केंद्रित दिखाई देता है। जबकि चंबा, किन्नौर, लाहुल-स्पीति, मंडी, सिरमौर, बिलासपुर, हमीरपुर, ऊना, सोलन और शिमला के दूरदराज क्षेत्रों में पर्यटन की अलग-अलग संभावनाएं मौजूद हैं। कहीं धार्मिक पर्यटन की संभावना है, कहीं साहसिक पर्यटन की, कहीं प्रकृति और वन्यजीव पर्यटन की, कहीं ग्रामीण पर्यटन की तो कहीं संस्कृति और विरासत पर्यटन की। वर्तमान में गांव-गांव तक सोशल मीडिया की पहुंच ने इस संभावना को और बढ़ा दिया है। इंस्टाग्राम, यूट्यूब और अन्य डिजिटल मंचों के माध्यम से हिमाचल के ऐसे अनेक अनछुए स्थल सामने आ रहे हैं जिनके बारे में कुछ वर्ष पहले तक बहुत कम लोग जानते थे। यह भी सत्य है कि पर्यटक अब केवल पारंपरिक पर्यटन स्थलों तक सीमित नहीं रहना चाहता। वह गांवों में जाना चाहता है, स्थानीय भोजन चखना चाहता है, पहाड़ी जीवन को समझना चाहता है और भीड़ से दूर प्रकृति के बीच समय बिताना चाहता है। अवसर हमारे सामने है, लेकिन उसे आर्थिक अवसर में बदलने के लिए आधारभूत ढांचे की आवश्यकता है। वर्तमान में भले ही सोशल मीडिया ने हिमाचल के अनछुए पर्यटन स्थलों को दुनिया तक पहुंचा दिया है, लेकिन केवल प्रचार से पर्यटन नहीं चलता। यदि बुनियादी सुविधाएं होंगी, तभी पर्यटक इन स्थलों पर रुकेगा और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा। इसलिए अब पर्यटन का अगला कदम प्रचार नहीं, सुविधाओं और आधारभूत ढांचे के विस्तार पर केन्द्रित होना चाहिए। इसके अतिरिक्त आज जरूरत है, प्रत्येक जिले की पर्यटन क्षमता का वैज्ञानिक आकलन करके पर्यटन मास्टर प्लान बनाने की। हर जिले में कुछ ऐसे पर्यटन सर्किट विकसित किए जाने चाहिए, जिनमें धार्मिक स्थल, प्राकृतिक स्थल, साहसिक गतिविधियां, स्थानीय संस्कृति, हस्तशिल्प और स्थानीय खानपान को एक साथ जोड़ा जाए। इससे पर्यटक केवल किसी एक स्थल पर कुछ घंटे बिताकर वापस लौटने के बजाय किसी पूरे क्षेत्र में दो-तीन दिन रुक सकेगा। यही ठहराव स्थानीय अर्थव्यवस्था के लिए अधिक महत्वपूर्ण है। लेकिन अधिक पर्यटक हमेशा अधिक आय का पर्याय नहीं होते। कई बार अनियंत्रित भीड़ पर्यावरण को नुकसान पहुंचाकर भविष्य के पर्यटन को ही कमजोर कर देती है।

आप का | नज़रिया

जंगल से जुड़ा शोध

मानव बस्तियों में वन्य प्राणियों के बढ़ते हमलों ने अंततः ऐसे अध्ययन की जरूरत को पुख्ता किया, जो हिमाचल में चुनौती की तरह दर्ज है। मानव-वन्यजीव संघर्ष पर शोध के लिए एक परियोजना के तहत हिमाचल में केंद्र स्थापित होगा। घात में बैठे वन्य प्राणी अब बस्तियों में आहार खोजने लगे हैं, तो इनके प्राकृतिक वास, जलवायु परिवर्तन तथा जीवन के आहार में आ रही कमी इंगित हो रही है। चंद रोज पहले अर्की के ग्याना गांव में तेंदुए के हमले में एक दुकानदार की मौत अपने आप में कई कारणों की पड़ताल है। पचास वर्षीय हीरा सिंह दुकान में वेल्डिंग का कार्य कर रहा था कि आवारा तेंदुए ने उसे अपना शिकार बना लिया। अकेले भालुओं के हमले में पिछले तीन साल में 93 मामले सामने आए हैं। इनके साथ उत्पाती बंदरों का हिसाब जोड़ लें, तो घटनाओं का क्रम भयभीत करता है। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के तत्वावधान में होने जा रहा अध्ययन वक्त की जरूरत है। हिमाचल में वनीकरण की दिशा में जो भी प्रयत्न हुए, वे एकतरफा सोच का नतीजा हैं। बदलती जीवनशैली-उजड़ते खेत और शहरी मानसिकता के प्रवेश के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष का नया दौर चल रहा है। बंदरों के कारण हिमाचल में खेतीबाड़ी को हुआ नुकसान अब ग्रामीण आर्थिकी को सिफर कर रहा है, तो विकास की मंजिलों का एक खतरा वन्य प्राणियों के प्रवास को बेचैन कर रहा है। हिमाचल की वन नीति के कारण हमने केवल वित्तीय व्यवस्था के लाभ गिने या ऐसा पौधारोपण कर लिया जो वन्य प्राणियों के माफिक नहीं था। जब से परिवेश में चारों तरफ चीड़ के पौधे उग आए हैं, तब से वन्य प्राणियों का निर्वाह जंगल में ही कठिन हो गया, नतीजतन ये समीपवर्ती मानव बस्तियों में अपना गुजारा खोजने लगे। सबसे पहले खेती पर आक्रमण हुए, तो सूअरों ने मिट्टी तक खोद दी और बंदरों ने सब्जी से फलों तक को छीन लिया। जंगल के प्रति जो आंकड़े हिमाचल ने चुनें, वे मानव संस्कृति, विकास की जरूरत, प्राकृतिक संसाधनों की आपूर्ति और पारंपरिक जीवन व मानव के वनाधिकारों के खिलाफ साबित हुए। अगर हिमाचल की 68 प्रतिशत भूमि वनों के अधीन आती है, तो जंगल जंगली प्राणियों के लिए अयोग्य साबित क्यों हुआ। मात्र 32 प्रतिशत भूमि पर अगर एक राज्य को मानवीय गतिविधियां, विकास की जरूरतें, आर्थिकी के विकल्प, कृषि-बागबानी, प्राकृतिक तथा जलसंसाधनों का इस्तेमाल करना है, तो पूरी वैज्ञानिक परिपाटी बदलनी होगी। इतना ही नहीं, पहले जब जंगल के बीच मानव जीवन की भागीदारी चलती थी, तो जीवन की मर्यादा भिन्न थी। जब चीड़ के पौधों के स्थान पर चारा, जड़ी-बूटियां और झाडियां उगती थीं, तो पशु भी जंगल की खुराक से दूध ले आते थे। जड़ी-बूटियों तथा जंगली पौधों से मानव अपना उपचार-अपना आहार खोज लेता था। अब जंगल तो ताले में बंद है, लेकिन वन्य प्राणी मानव जीवन के ताले तोड़ रहे हैं। ऐसे में कल का अध्ययन हिमाचल के आंकड़ों में वन्य प्राणियों का दोष खोज भी ले, लेकिन वन्य संरक्षण अधिनियम के चाबुक से लिखी गई कठोर भाषा नरम न की गई, तो असंतुलन की बुनियाद पर खड़ी जंगल की चारदीवारी, सीधे-सीधे मानव जीवन के लिए और घातक ही साबित होगी। जंगल की परिभाषा सर्वप्रथम वन्य प्राणियों के लिए इतनी तो बदले कि ये वापस अपने प्राकृतिक वास में लौट जाएं और मानव जीवन के विकास के लिए वन भूमि का आबंटन इस शर्त पर मापा जाए कि आर्थिकी, रोजगार और भविष्य के समाधानों को आवश्यक धरती मिलती रहे।

मानव-वन्यजीव संघर्ष पर शोध के लिए एक परियोजना के तहत हिमाचल में केंद्र स्थापित होगा। घात में बैठे वन्य प्राणी अब बस्तियों में आहार खोजने लगे हैं, तो इनके प्राकृतिक वास, जलवायु परिवर्तन तथा जीवन के आहार में आ रही कमी इंगित हो रही है। चंद रोज पहले अर्की के ग्याना गांव में तेंदुए के हमले में एक दुकानदार की मौत अपने आप में कई कारणों की पड़ताल है। पचास वर्षीय हीरा सिंह दुकान में वेल्डिंग का कार्य कर रहा था कि आवारा तेंदुए ने उसे अपना शिकार बना लिया। अकेले भालुओं के हमले में पिछले तीन साल में 93 मामले सामने आए हैं। इनके साथ उत्पाती बंदरों का हिसाब जोड़ लें, तो घटनाओं का क्रम भयभीत करता है। वाइल्ड लाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया के तत्वावधान में होने जा रहा अध्ययन वक्त की जरूरत है। हिमाचल में वनीकरण की दिशा में जो भी प्रयत्न हुए, वे एकतरफा सोच का नतीजा हैं। बदलती जीवनशैली-उजड़ते खेत और शहरी मानसिकता के प्रवेश के कारण मानव-वन्यजीव संघर्ष का नया दौर चल रहा है। बंदरों के कारण हिमाचल में खेतीबाड़ी को हुआ नुकसान अब ग्रामीण आर्थिकी को सिफर कर रहा है, तो विकास की मंजिलों का एक खतरा वन्य प्राणियों के प्रवास को बेचैन कर रहा है। हिमाचल की वन नीति के कारण हमने केवल वित्तीय व्यवस्था के लाभ गिने या ऐसा पौधारोपण कर लिया जो वन्य प्राणियों के माफिक नहीं था। जब से परिवेश में चारों तरफ चीड़ के पौधे उग आए हैं, तब से वन्य प्राणियों का निर्वाह जंगल में ही कठिन हो गया, नतीजतन ये समीपवर्ती मानव बस्तियों में अपना गुजारा खोजने लगे। सबसे पहले खेती पर आक्रमण हुए, तो सूअरों ने मिट्टी तक खोद दी और बंदरों ने सब्जी से फलों तक को छीन लिया।

कुछ | अलग

गड्ढे में भाग्य

भाग्य को यह मुगालता था कि वह जहां रहता है, वहां लोग अमीर या खुशहाल हो जाते हैं। भाग्य खुद को लाटरी स्टैंड पर ले गया, लेकिन वहां जो हुआ उसे देख कर उसके छक्के छूट गए। उसने पहली बार स्वयं देखा कि वहां खड़ा रहा, तो उसका भी अस्तित्व मिट जाएगा। इसी व्यथा में उसने अमीरों की बस्ती छोड़ दी। जाहिर है अमीरों की नींद हराम हो गई। भाग्य समाजवादी होना चाहता था। उसे गरीब और पिछड़े वर्ग का ख्याल आ रहा था। वह पूछता हुआ जा रहा था, 'ये गरीब-पिछड़े वर्ग के लोग कहां मिलेंगे।' तभी उसे एक पत्रकार मिल गया। पत्रकार ने उसे पता नहीं लगने दिया कि वह कितना पिछड़ा-कितना गरीब है। पहली बार भाग्य को इतना गरीब देखकर पत्रकार ने इच्छा जाहिर की कि उसका इंटरव्यू करना चाहता है। भाग्य ने पत्रकार को इंटरव्यू के काबिल नहीं समझा, 'ये पत्रकारों के इंटरव्यू की वजह से ही सारे अमीर भारतीय विदेशों की ओर भागे हैं।'

दृष्टि | कोण

ब्रिक्स के जरिए लाभान्वित होगा भारत

इन दिनों भारतीय अर्थव्यवस्था पर प्रकाशित हो रहे राष्ट्रीय और वैश्विक विश्लेषणों में कहा जा रहा है कि 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से भारत के लिए बहुआयामी आर्थिक उपयोगिताएं मिली हैं। इस ऐतिहासिक सम्मेलन ने न केवल भारत की साख को नई ऊंचाई पर पहुंचाया है, बल्कि आने वाले दशकों के लिए भारत के आर्थिक विकास का एक सुदृढ़ और विस्तृत खाका भी तैयार किया है। इस शिखर सम्मेलन के माध्यम से भारत ने दुनिया के प्रमुख विकसित और विकासशील देशों के सामने अपनी आर्थिक स्थिरता, नीतिगत निरंतरता और बाजार की असीम क्षमताओं का प्रभावी प्रदर्शन किया है। सम्मेलन ने भारतीय बाजार के लिए बहुराष्ट्रीय व्यापार, प्रत्यक्ष विदेशी निवेश, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (सप्लाई चेन) के पुनर्गठन तथा अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी के हस्तांतरण के क्षेत्र में असीम संभावनाओं के नए द्वार खोल दिए हैं। इस 18वें ब्रिक्स सम्मेलन का सबसे महत्वपूर्ण निष्कर्ष यह रहा कि भारत अब वैश्विक आर्थिक नीतियों और वित्तीय संरचना के निर्धारण में एक निर्णायक नीति-निर्माता तथा ग्लोबल साउथ की सशक्त और भरोसेमंद आवाज बनकर उभरा है। सम्मेलन के दौरान वैश्विक वित्तीय प्रणालियों के लोकतंत्रीकरण पर विशेष बल दिया गया, जिसके अंतर्गत अंतरराष्ट्रीय व्यापार में अमरीकी डॉलर पर अत्यधिक निर्भरता को धीरे-धीरे कम करने और सदस्य देशों के बीच स्थानीय मुद्राओं (लोकल करंसीज) में द्विपक्षीय व बहुपक्षीय व्यापार को बढ़ावा देने पर ऐतिहासिक सहमति बनी। स्थानीय मुद्रा में आयात-निर्यात के लेन-देन से भारतीय अर्थव्यवस्था को बहुस्तरीय आर्थिक लाभ प्राप्त होंगे। इससे न केवल भारत के विदेशी मुद्रा भंडार पर बना रहने वाला अनावश्यक दबाव काफी हद तक कम होगा, बल्कि वैश्विक बाजार में मुद्रा विनिमय (करंसी कन्वर्जन) के दौरान होने वाली अतिरिक्त वित्तीय लागत में भारी बचत होगी। परिणामस्वरूप, अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भारतीय वस्तुएं और सेवाएं अधिक मूल्य-प्रतिस्पर्धी (कॉस्ट कंपैटिटिव) बन सकेंगी, जिससे देश के कुल निर्यात में क्रांतिकारी उछाल आने की पूरी संभावना है। आर्थिक मोर्चे पर मेक इन इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे राष्ट्रीय अभियानों को ब्रिक्स के साझेदार देशों- ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका तथा नए शामिल हुए सदस्य देशों से आने वाले पूंजीगत निवेश और उच्च तकनीक से अभूतपूर्व संबल प्राप्त होने जा रहा है। ब्रिक्स देशों के बीच व्यापारिक नियमों, सीमा शुल्क (कस्टम्स ड्यूटीज) की प्रक्रियाओं और विनियामक अनुपालनों में सरलीकरण लाने पर बनी सहमति से भारत में मैन्युफैक्चरिंग, भारी उद्योग, लॉजिस्टिक्स और डिजिटल इन्फ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्रों में एक क्रांति का सूत्रपात होगा। वैश्विक कंपनियों द्वारा अपनी आपूर्ति श्रृंखला को विविधता देने और भारत को एक वैकल्पिक विनिर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की रणनीति से देश में न केवल नए औद्योगिक गलियारों का निर्माण होगा, बल्कि बुनियादी ढांचे का भी अभूतपूर्व कायाकल्प होगा। इसके अतिरिक्त भारत ने अपने डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर, यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) और ई-गवर्नेंस मॉडल्स के सफल प्रयोगों से दुनिया भर में जो धाक जमाई है, उसे अब ब्रिक्स के अन्य सदस्य देशों और अफ्रीकी व एशियाई महाद्वीपों की उभरती अर्थव्यवस्थाओं में निर्यात करने का मार्ग प्रशस्त हुआ है। इससे भारत का टेक-निर्यात बढ़ेगा और देश की डिजिटल अर्थव्यवस्था को एक वैश्विक पहचान और नई वित्तीय ताकत प्राप्त होगी। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स बिजनेस फोरम को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक आर्थिक उथल-पुथल के बीच भी चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) के ताजा आंकड़ों के अनुसार, भारत ने 7.8 प्रतिशत की आश्चर्यजनक और मजबूत जीडीपी वृद्धि दर दर्ज की है। यह साबित करता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था पर वैश्विक मंदी का प्रभाव न्यूनतम रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि जहां एक ओर दुनिया भर में व्यापार की बाधाएं बढ़ रही हैं, वहीं भारत विभिन्न देशों के बीच इकोनॉमिक ब्रिजेज बना रहा है।

भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के हेटमायर, होप और कामिल से रहना होगा सावधान

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम को वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी क्रिकेट सीरीज में पूरी तैयारी से उतरना होगा। भारतीय टीम वेस्टइंडीज के खिलाफ 27 सितंबर से तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज और उसके बाद 6 अक्टूबर से पांच मैचों की टी20 सीरीज खेलेगी।

इस दौरार भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के तीन खिलाड़ियों शिमरोन हेटमायर, शाई होप और नये खिलाड़ी कामिल पूरन से विशेष रुप से सावधान रहना होगा। इसका कारण है कि ये तीनों ही अच्छी लय में चल रहे है। हेटमायर ने कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) 2026 के क्वालीफायर में शतक लगाकर आ रहे है। हेटमायर ने पूरे टूर्नामेंट में 45.87 की प्रभावशाली औसत से 367 रन बनाए थे। भारत दौरे पर वह केवल टी20 सीरीज का हिस्सा होंगे, लेकिन भारतीय पिचों पर उनका रिकार्ड बेहद अच्छा रहा है। से उनकी सर्वाधिक तीन अर्धशतकीय पारियां भारत में ही आई हैं, जो यह दर्शाती है कि उन्हें यहाँ खेलना कितना पसंद है। हेटमायर भारतीय गेंदबाजों के लिए एक बड़ा खतरा साबित हो सकते हैं, जिसका सबूत उनके 2026 के टी20 अंतरराष्ट्रीय आंकड़े भी हैं।उन्होंने इस साल 40.43 के औसत से 566 रन बनाए हैं, जो उनकी मारक क्षमता को दर्शाता है।

वहीं दोनो ही प्रारुपों एकदिवसीय और टी20 में कप्तान शाई होप भी उन खिलाड़ियों में से हैं, जिन्हें भारतीय पिचों पर खेलना खूब रास आता है। भारत में उन्होंने अब तक 14 एकदिवसय पारियों में तीन शतक और इतनी ही अर्धशतकीय पारियां खेली हैं, जहाँ उनका वनडे औसत 74.10 का प्रभावशाली रहा है। यह आंकड़ा उनकी निरंतरता और भारतीय परिस्थितियों में अनुकूलन क्षमता का प्रमाण है। टी20 प्रारूप में भी उनका बल्ला भारत आकर खूब चलता है। शाई होप वेस्टइंडीज की बल्लेबाजी लाइन-अप की रीढ़ की हड्डी के समान होंगे, जिनके पास अकेले दम पर मैच का रुख पलटने की अद्भुत क्षमता है और वे लंबी पारियां खेलने के लिए जाने जाते हैं।

30 वर्षीय कामिल पूरन को टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज टीम में चुना गया है। भले ही वे अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में एक नया चेहरा हों और अपना इंटरनेशनल डेब्यू करने जा रहे हों, लेकिन उनके टी20 आंकड़े उनकी जबरदस्त प्रतिभा की गवाही देते हैं। कैरेबियन प्रीमियर लीग के अपने सबसे पहले सीजन में उन्होंने 8 मुकाबलों में 273 रन बनाए और सेंट लूसिया किंग्स के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। कामिल पूरन ने घरेलू सर्किट में अपनी बल्लेबाजी से प्रभावित किया है और अब उन्हें अंतरराष्ट्रीय मंच पर खुद को साबित करने का मौका मिला है। इस आगामी सीरीज में सभी की निगाहें कामिल पर टिकी होंगी कि वे अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कैसा प्रदर्शन करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

एशियाई खेल: पीटी उषा ने नामीबिया ओलंपिक समिति की सीईओ से की मुलाकात

आइची-नागोया। भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष पीटी उषा ने सोमवार को नामीबिया राष्ट्रीय ओलंपिक समिति की मुख्य कार्यकारी अधिकारी एंरी पार्कर से मुलाकात की। दोनों ने 2026 एशियाई खेलों के दौरान भारत और नामीबिया के बीच खेल संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। इस बीच, साफ्ट टेनिस में आध्या तिवारी और जय मीणा की मिश्रित युगल जोड़ी ने एशियाई खेलों के राउंड आफ 16 में जगह बना ली। भारतीय जोड़ी ने ग्रुप बी में अपने अभियान की शुरुआत कंबोडिया की वीवा चाओ और चानरोसेका खुन को 5-0 से हराकर की। भारतीय जोड़ी ने यह मुकाबला 4-1, 4-0, 4-2, 4-1, 4-2 के सेट स्कोर से जीता। इसके बाद आध्या और जय ने मंगोलिया के बुद न्यामदोरज और एंखखुसलेन गानबातर को भी 5-0 से हराया। इस मुकाबले में भारतीय जोड़ी ने 4-2, 4-1, 4-1, 4-0, 5-3 के सेट स्कोर से जीत दर्ज की। ग्रुप चरण के अपने अंतिम मुकाबले में भारतीय जोड़ी को दक्षिण कोरिया के खिलाफ 1-5 से हार का सामना करना पड़ा।

एशियाई खेल कबड्डी : भारत ने जीत के साथ किया अभियान का आगाज, जापान को 49-24 से हराया

आइची-नगोया। मौजूदा चैंपियन भारतीय पुरुष कबड्डी टीम ने एशियाई खेल 2026 में अपने अभियान की जीत के साथ शुरुआत की। ग्रुप ए के पहले मुकाबले में भारत ने टोकेई सिटिजन्स जिम्नेजियम में जापान को 49-24 से हराया। एशियाई खेलों में पदार्पण कर रहे अयान लोचब ने शानदार प्रदर्शन करते हुए आशु मलिक के साथ मिलकर भारत को शुरुआती बढ़त दिलाई। भारत ने पहले हाफ की समाप्ति तक 31-9 की मजबूत बढ़त बना ली। एक अन्य पदार्पण कर रहे देवांक दलाल ने भी आक्रमण में प्रभावी प्रदर्शन किया और भारत ने पहले 20 मिनट में जापान पर लगातार दबाव बनाए रखा। दूसरे हाफ की शुरुआत असलम इनामदार ने सफल रेड के साथ की। इसके बाद भी भारत ने मुकाबले पर अपना नियंत्रण बनाए रखा। जापान ने दूसरे हाफ में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 15 अंक हासिल किए, जबकि भारत ने 18 अंक जोड़े, लेकिन तब तक भारतीय टीम ने निर्णायक बढ़त बना ली थी। भारत ने 36 आउट अंक, आठ आलआउट अंक और दो सुपर टैकल अंक हासिल किए, जबकि जापान के खाते में नौ बोनस अंक रहे। भारत का अगला मुकाबला ग्रुप ए में दक्षिण कोरिया से होगा।

पनेसर ने वैभव की तकनीक पर सवाल उठाये, टेस्ट में सफलता पर संदेह जताया

लंदन। इंग्लैड के पूर्व क्रिकेटर मोंटी पानेसर ने 15 साल के वैभव सूर्यवंशी की तकनीक पर सवाल उठाये हैं। पनेसर का कहना है कि आजकल वैभव की काफी चर्चाएं हैं और वह भी टेस्ट खेलने को लेकर दावेदारी पेश कर रहे हैं पर मेरा मानना है कि वह इसमें शायद ही सफल हो पायें। पानेसर ने वैभव की टेस्ट तकनीक पर भी सवाल उठाये हैं। हाल ही में वैभव ने दलीप ट्राफी में ने तीन मैचों में दो अर्धशतकों सहित 151 रन बनाकर बड़े मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और टेस्ट टीम के लिए दावेदारी पेश की है। स्वयं वैभव ने कई मौकों पर कहा है कि उन्हें टेस्ट क्रिकेट खेलना पसंद है और वह आगे चलकर भारत के लिए इस प्रारूप में खेलना चाहते हैं।वहीं पानेसर का मानना है कि वैभव के पास टेस्ट क्रिकेट के लिए आवश्यक तकनीक नहीं है। पानेसर ने कहा, मुझे नहीं लगता कि सूर्यवंशी टेस्ट क्रिकेट में ढल पाएंगे। अभी हैरी ब्रूक ही एकमात्र ऐसे खिलाड़ी हैं जो टेस्ट और टी20 दोनों में शीर्ष 10 में हैं। लेकिन मुझे नहीं लगता कि सूर्यवंशी के पास वह तकनीक है जो टेस्ट क्रिकेट के लिए जरूरी है। वहीं, आस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान माइकल क्लार्क पनेसर से सहमत नहीं दिखते। उन्होंने एबी डिविलियर्स और विराट कोहली जैसे महान खिलाड़ियों का उदाहरण देते हुए कहा कि वैभव सूर्यवंशी टेस्ट क्रिकेट में भी शानदार प्रदर्शन कर सकते हैं। क्लार्क ने तर्क दिया, मुझे लगता है कि आप तीनों प्रारूप खेल सकते हैं। विराट कोहली और एबी डिविलियर्स ने यह करके दिखाया है।

एशियन गेम्स : भारत के 6 पदक–4 रजत, 2 कांस्य टेबल टेनिस में पाकिस्तान का क्लीन स्वीप

एशियन गेम्स 2026
मेडल टैली

रैंक	देश	गोल्ड	सिल्वर	ब्रॉन्ज	कुल
1	चीन	23	10	5	38
2	जापान	8	12	12	32
3	साउथ कोरिया	5	3	15	23
4	कजाकिस्तान	4	1	3	8
5	थाईलैंड	3	1	0	4
6	हांगकांग	2	3	3	8
7	चीनी ताइपे	1	3	2	6
8	मकाऊ	1	3	0	4
=9	म्यांमार	1	1	1	3
=9	उज्बेकिस्तान	1	1	1	3
12	भारत	0	4	2	6

नगोया ।

जापान के नगोया में चल रहे एशियन गेम्स में भारत ने अब तक 6 पदक अपने नाम किए हैं। इनमें 4 रजत और 2 कांस्य पदक शामिल हैं। भारत के लिए निशानेबाजों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक तालिका में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं, मिश्रित मार्शल आर्ट्स में सुचिका तारियाल ने ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतकर इस खेल में भारत को एशियन गेम्स का पहला पदक दिलाया।सोमवार को पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल की व्यक्तिगत स्पर्धा में हिमांशु ढिल्लों ने 252.4 अंक हासिल कर रजत पदक जीता, जबकि रुद्रांक्ष पाटिल ने 230.9 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। चीन के शेंग लिहाओ ने 254.2 अंक के साथ स्वर्ण पदक जीता।

पुरुषों की 10 मीटर एयर राइफल टीम स्पर्धा में भी रजत

टीम स्पर्धा में भी भारत ने रजत पदक जीता। पार्थ माने, रुद्रांक्ष पाटिल और हिमांशु ढिल्लों की भारतीय टीम ने 1890.1 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया। चीन 1899.9 अंक के साथ पहले और दक्षिण कोरिया 1884.2 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा।

सुचिका तारियाल ने रचा इतिहास इस बीच

सुचिका तारियाल ने मिश्रित मार्शल आर्ट्स के विवादित मुकाबले में कांस्य पदक हासिल किया। यह एशियन गेम्स में इस खेल में भारत का पहला पदक है। सुचिका के ऐतिहासिक प्रदर्शन से भारत के पदकों की संख्या 6 पहुंच गई है।

टेबल टेनिस में पाकिस्तान का क्लीन स्वीप

भारत को महिला हॉकी और कबड्डी में भी जीत मिली। वहीं, टेबल टेनिस में भारत की पुरुष और महिला दोनों टीमों ने पाकिस्तान को हराया। खास बात यह रही कि पाकिस्तानी खिलाड़ी एक भी गेम नहीं जीत सके। पुरुष टीम ने पाकिस्तान को 3-0 से हराया, जबकि महिला टीम ने भी 3-0 से जीत दर्ज की।

भारत पदक तालिका में 12 पर, चीन शीर्ष पर

भारत एशियन गेम्स की पदक तालिका में है और उसके खाते में अब 4 रजत तथा 2 कांस्य सहित कुल 6 पदक हैं। चीन शीर्ष स्थान पर है। उसके खाते में 23 पदक हैं, जिनमें 14 स्वर्ण, 6 रजत और 3 कांस्य शामिल हैं। जापान 22 पदकों के साथ दूसरे और दक्षिण कोरिया 16 पदकों के साथ तीसरे स्थान पर है।

महिला कबड्डी में बांग्लादेश को 42–21 से हराया

गत चैंपियन भारत ने महिला कबड्डी के ग्रुप-ए मुकाबले में बांग्लादेश को 42-21 से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की। मध्यांतर तक भारत 21-10 से आगे था। दूसरे हाफ में भी भारतीय टीम ने अपनी बढ़त बनाए रखी और 21 अंकों से मुकाबला अपने नाम किया।

पुरुष कबड्डी में जापान को 49–23 से हराया

भारत की पुरुष कबड्डी टीम ने ग्रुप-ए में मेजबान जापान को 49-23 से हराया। भारत मध्यांतर तक 24-6 से आगे था। जापान ने दूसरे हाफ में वापसी की कोशिश की, लेकिन भारतीय रेडरों और रक्षकों ने अपनी बढ़त कायम रखी। भारत ने 26 अंकों के अंतर से मुकाबला अपने नाम किया।

भारत-जापान के बीच पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला, सुजुकी कप में इतिहास रचने की तैयारी

टोक्यो।

भारत और जापान मंगलवार, 22 सितंबर को सुजुकी कप में पहली बार पुरुष टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले में आमने-सामने होंगे। तोचिगी प्रांत के सानो इंटरनेशनल क्रिकेट ग्राउंड पर होने वाला यह ऐतिहासिक मुकाबला भारत-जापान राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ समारोह की शुरुआत का भी हिस्सा होगा। मुकाबला भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे से खेला जाएगा और इसका सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर किया जाएगा। टी20 विश्व चैंपियन भारतीय टीम हाल में मिली श्रृंखला जीत के बाद जापान में मैदान पर उतरेगी।

यह मुकाबला जापान के खिलाड़ियों के लिए दुनिया की शीर्ष टी20 टीमों में शामिल भारत के साथ खेलने का बड़ा अवसर होगा। वहीं भारतीय टीम भी जापान में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करते हुए शानदार फार्म को जारी रखने की कोशिश करेगी।

भारत की ओर से कप्तान श्रेयस अय्यर के अलावा अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, जसप्रीत बुमराह और ईशान किशन सहित कई प्रमुख खिलाड़ी मैदान पर नजर आएंगे। जापान के खिलाड़ियों के सामने भारतीय टीम की मजबूत चुनौती होगी।

सुजुकी कप केवल क्रिकेट मुकाबले तक सीमित नहीं है। यह जापान में क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता और भारत-जापान के बीच खेलों के माध्यम से मजबूत होते संबंधों को भी रेखांकित करेगा। यह मुकाबला स्पोर्ट 75 पहल का पहला कदम होगा, जिसका उद्देश्य दोनों देशों के बीच लोगों के आदान-प्रदान और सहयोग को बढ़ावा देना है।

भारत और जापान के बीच पहली बार टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला, मौजूदा विश्व चैंपियन भारतीय टीम की मौजूदगी और दोनों देशों के राजनयिक संबंधों की 75वीं वर्षगांठ समारोह इसे विशेष अवसर बना रहे हैं। भारत-जापान मुकाबला 22 सितंबर को भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे से स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर सीधा प्रसारित किया जाएगा।

एसए टी-20 लीग का पांचवा सत्र होगा विशेष, मिचेल मार्श से लेकर सैम कुरेन तक खेलेंगे

जोहांबर्ग। दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट लीग एसए टी-20 लीग का पांचवां सत्र सत्र क्रिकेट प्रेमियों के लिए विशेष रहेगा। इसमें कई बड़े अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी खेलते नजर आयेंगे। इस सत्र में आस्ट्रेलिया के टी20 कप्तान मिचेल मार्श से लेकर इंग्लैंड के आलराउंडर कुरेन खेलते दिखें। इन क्रिकेटरों के होने से लीग की लोकप्रियता और रोमांच का स्तर बढ़ेगा। मार्श तीन बार की चैम्पियन सनराइजर्स ईस्टर्न केप के साथ जुड़कर एसए20 में अपनी नई पारी शुरु करेंगे। सनराइजर्स के पास पहले से ही क्विंटन डिकाक, मैथ्यू ब्रीज्के, जार्डन हरमान और कप्तान ट्रिस्टन स्टब्स जैसे दमदार बल्लेबाज मौजूद हैं, जिससे उनकी बल्लेबाजी लाइनअप और मजबूत हो गई है। वहीं, इंग्लैंड के स्टार आलराउंडर सैम कुरेन अब मुंबई इंडियंस केपटाउन की जगह डरबन सुपर जाइंट्स के लिए खेलेंगे। वह अपनी राष्ट्रीय टीम के साथी जोस बटलर के साथ सुपर जाइंट्स टीम का हिस्सा होंगे, जो निश्चित रूप से टीम को एक नई गति प्रदान करेगा।वहीं पिछले सत्र की उपविजेता प्रिटोरिया कैपिटल्स ने भी अपनी टीम में अहम बदलाव किए हैं। उन्हें शीर्ष क्रम में इंग्लैंड के विस्फोटक बल्लेबाज फिल साल्ट और आस्ट्रेलिया के मैट शार्ट जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी मिल गए हैं।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट के लिए बांग्लादेश की टीम में हृदोय और जाकिर शामिल

ढ़ाका

बांग्लादेश की टीम अगले माह अफगानिस्तान के खिलाफ एक टेस्ट मैच खेलेगी। इसके लिए बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने टीम में बदलाव करते हुए तेज गेंदबाज तस्कीन अहमद को आराम देते हुए युवा युवा बल्लेबाज तौहीद हृदोय को शामिल किया है। इसके अलावा विकेटकीपर-बल्लेबाज जाकिर अली को भी टीम में जगह मिली है।

यह एकमात्र टेस्ट मैच 9 से 13 अक्टूबर के बीच संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के तटस्थ स्थान पर खेला जाएगा। टीम में वापसी कर रहे तौहीद हृदोय ने हाल ही में दक्षिण अफ्रीका ए के खिलाफ एक अभ्यास मैच में 350 रनों की अविश्वसनीय नाबाद पारी खेलकर चयनकर्ताओं का ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस ऐतिहासिक प्रदर्शन ने उन्हें सीधे टेस्ट टीम में वापसी का मार्ग प्रशस्त किया है और वह अपनी इस फार्म को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी दोहराने को उत्सुक होंगे। उनका यह प्रदर्शन भविष्य के लिए बांग्लादेश क्रिकेट में एक मजबूत बल्लेबाजी विकल्प के तौर पर उनकी पहचान बनाता है।

बीसीबी के मुख्य चयनकर्ता हबीबुल बशर ने टीम चयन और खासकर तस्कीन अहमद को आराम देने के फैसले पर प्रकाश डालते हुए कहा, हमने इस टेस्ट मैच में तस्कीन को आराम देने का निर्णय लिया है, क्योंकि हमारी प्राथमिकता विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) है। हम उम्मीद कर रहे हैं कि वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज में उनकी पूरी सेवाएं मिल सकें। बशर ने आगे बताया कि तस्कीन अपनी लय और मैच फिटनेस हासिल करने के लिए वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे सीरीज में खेल सकते हैं, क्योंकि वह पहले से ही टेस्ट मैच खेल रहे हैं। यह रणनीति उनकी दीर्घकालिक फिटनेस और महत्वपूर्ण मैचों में उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए अपनाई गई है।

वहीं जाकिर अली के चयन पर बशर ने कहा, हमने अमिते हसन की जगह जाकिर अली को शामिल किया है, क्योंकि उनकी फार्म अच्छी है। जाकिर, अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और विकेटकीपिंग कौशल के लिए जाने जाते हैं, जो टीम को निचले क्रम में मजबूती प्रदान कर सकते हैं और जरूरत पड़ने पर तेज रन भी बना सकते हैं। उनकी आलराउंड क्षमता टीम के संतुलन के लिए महत्वपूर्ण मानी जा रही है। यूएई में तटस्थ स्थान पर यह टेस्ट मैच खेला जाना दोनों टीमों के लिए एक नया अनुभव होगा।

ऋषभ को अब एकदिवसीय में अवसर मिलने की संभावना नहीं : आकाश चोपड़ा

नई दिल्ली

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने कहा है कि जिस प्रकार से आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत को वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में शामिल नहीं किया गया है उससे ये संकेत मिलते हैं कि अब उन्हें एकदिवसीय प्रारुप में शायद ही अवसर मिले। चोपड़ा के अनुसार लगता है चयनकर्ताओं ने सफेद गेंद के क्रिकेट में ऋषभ के भविष्य को लेकर फैसला कर लिया है, और उनकी राय में यह लगभग अलविदा कहने जैसा है।उन्होंने कहा, ऋषभ त का मामला बहुत ही अजीब और अनोखा है।

हालांकि, वह टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं और लाल गेंद की टीम के एक बहुत ही महत्वपूर्ण सदस्य हैं, फिर भी वहां उनसे उप-कप्तानी की जिम्मेदारी ले ली गई। वहीं एकदिवसीय क्रिकेट में बिना खेले ही उन्हें एक तरह से बाहर कर दिया गया है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि हालांकि ये क्रिकेट अभी भी टेस्ट क्रिकेट में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी बने हुए हैं पर एकदिवसीय टीम में उनकी जगह बदलती दिख रही है।

इस पूर्व क्रिकेटर ने उन्हें ईरानी कप के लिए शेष भारत का कप्तान बनाए जाने को लेकर कहा कि लाल गेंद के क्रिकेट में ये एक प्रकर से उन्हें महत्व दिये जाने का संकेत है। उन्होंने कहा, साथ ही उन्हें रेस्ट आफ इंडिया का कप्तान बनाया गया है, जो यह भी बताता है कि लाल गेंद के क्रिकेट के संबंध में वे ऋषभ के लंबे प्रारूप में बड़ी भूमिका निभाने को लेकर बहुत गंभीर हैं, लेकिन सफेद गेंद के क्रिकेट के लिए, फिलहाल मुझे लगता है कि इस समय चयन समिति ने अपना मन बना लिया है। यह बयान ऐसे समय में आया है जब भारत ने 2027 वनडे विश्व कप की तैयारियां शुरू कर दी हैं, और चयनकर्ता भविष्य की टीम तैयार करने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं।यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि इस बल्लेबाज पिछले चार वर्षों में केवल एक एकदिवसीय खेला है। वहीं साल 2024 टी20 विश्व कप में भारत की जीत के बाद उन्हें टी20 टीम से भी बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज के लिए विकेटकीपिंग के विकल्पों में ध्रुव जुरेल को मौका दिया गया है, जबकि श्रेयस अय्यर की जगह केएल राहुल को उप-कप्तान बनाया गया है।

चोपड़ा ने 2027 विश्व कप की तैयारी के तहत भारत के व्यापक वनडे समूह में स्थानों के लिए प्रतिस्पर्धा पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने यशस्वी जायसवाल और रुतुराज गायकवाड़ जैसे युवा खिलाड़ियों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा की भविष्यवाणी की, जो दोनों इस टीम का हिस्सा हैं और जब भी उन्हें मौका मिला है, उन्होंने प्रभावित किया है। उन्होंने तेज गेंदबाज आकिब नबी का भी समर्थन किया और उम्मीद जताई कि अगर उन्हें खेलने का मौका मिलता है, तो वह इसका पूरा फायदा उठाएंगे। साथ ही कहा कि कि भारतीय क्रिकेट एक बदलाव के दौर से गुजर रहा है, जहां युवा प्रतिभाओं को तराशने और भविष्य के लिए एक मजबूत टीम बनाने पर जोर दिया जा रहा है।

शादीखाना की जमीन का सीमांकन कराने की मांग

मदनूर, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल केंद्र में शादीखाना निर्माण के लिए पूर्व संयुक्त सरकार द्वारा आवंटित 16 गड्डों जमीन का सीमांकन कर सीमा पत्थर लगाने की मांग मुस्लिम समाज के प्रतिनिधियों ने प्रजावाणी में की। उन्होंने कहा कि सीमांकन नहीं होने से भविष्य में अतिक्रमण की आशंका है। इस संबंध में मदनूर जामा मस्जिद कमेटी के सदर इजाज खान, अहमद पटेल, बशीर, रईस खान, अहमद खान अफसर सहित अन्य ने अधिकारियों से तत्काल कार्रवाई की मांग की।

आईकेपी कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित

मदनूर, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल फेडरेशन कार्यालय में सोमवार को बिचकुंडा और मदनूर मंडलों के आईकेपी कर्मचारियों की समीक्षा बैठक आयोजित हुई। एपीएम जगदीश कुमार ने बताया कि बैठक में अतिरिक्त डीआरडीओ विजयलक्ष्मी, उपाध्यक्ष साई और महिला कोष की क्षेत्रीय प्रबंधक किरण ने भाग लिया। इस दौरान ई-केवाईसी पूरा करने, महिला कोष और बैंकों के बीच संबंध मजबूत करने, स्कूल छोड़ चुके विद्यार्थियों को ओपन सिस्टम से 10वीं व इंटरमीडिएट की परीक्षा दिलाने तथा उल्लास कार्यक्रम के तहत निरक्षरों को साक्षर बनाने पर चर्चा हुई। स्कूली बच्चों को यूनिफॉर्म का पहला सेट वितरित किया गया, जबकि दूसरा सेट एक सप्ताह में वितरित किया जाएगा। बैठक में दोनों मंडलों के वीवीओ, सीसी, बिचकुंडा एपीएम रविंदर और मदनूर एपीएम जगदीश सहित अन्य मौजूद रहे।

महर्षि दधीचि जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया

निजामाबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। निजामाबाद दाधीच सेवा समिति द्वारा स्थानीय अग्रसेन भवन में महान त्यागमूर्ति महर्षि दधीचि का जन्मोत्सव धूमधाम एवं श्रद्धापूर्वक मनाया गया।

दाधीच समाज के अध्यक्ष रमेश आसोपा ने बताया कि कार्यक्रम का शुभारंभ महिलाओं द्वारा दधिमथी माता के मंगल पाठ एवं सामूहिक भजन से हुआ। इसके बाद महर्षि दधीचि का अभिषेक कर विधिवत पूजन-अर्चना की गई।

कार्यक्रम के दौरान समाज के वरिष्ठ सदस्यों श्री घनश्याम जी ईंटोदिया एवं श्री गौरीशंकर जी दायमा का माला पहनाकर, शाल एवं स्मृतिचिह्न प्रदान कर स्वागत एवं सम्मान किया गया।

इसके बाद तेलंगाना विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) में प्रथम स्थान प्राप्त कर राज्यपाल द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित कुमारी सोनल व्यास, सुपुत्री प्रवीण व्यास, का दाधीच समाज के अध्यक्ष रमेश आसोपा एवं समिति के पदाधिकारियों द्वारा माला, शाल एवं स्मृतिचिह्न प्रदान कर सम्मान किया गया।

ज्योतिष विद्या एवं वास्तु विद्या में दक्षता प्राप्त करने पर कुमारी नम्रता तिवाड़ी, सुपुत्री गोपाल तिवाड़ी, का भी माला, शाल एवं स्मृतिचिह्न प्रदान कर सम्मान किया गया।

इसके साथ ही दसवीं कक्षा एवं उच्च शिक्षा में उत्कृष्ट अंक प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं का माला पहनाकर एवं स्मृतिचिह्न प्रदान कर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान दाधीच सेवा समिति के कोषाध्यक्ष द्वारा संस्था के आय-व्यय का लेखा-जोखा प्रस्तुत किया गया। इसके बाद संस्था के आगामी दो वर्षों के लिए चुनाव संपन्न कराए गए।

अंत में महर्षि दधीचि की आरती की गई। इसके बाद सामूहिक महाप्रसाद का आयोजन हुआ। इसी के साथ महर्षि दधीचि जन्मोत्सव समारोह श्रद्धा एवं उत्साह के साथ संपन्न हुआ।

लघु उद्योग भारती के संगठन मंत्री प्रकाशचंद गुप्ता का सम्मान

बेंगलूरु, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। लघु उद्योग भारती के अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाशचंद गुप्ता के बेंगलूरु आगमन पर विजयनगर में प्रवासी राजस्थानी समाज की ओर से संवाद एवं सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया। समाजसेवी एवं उद्यमी चौधरी रामसिंह कुल्हरी के नेतृत्व में हुए कार्यक्रम में उद्योग, व्यापार, कौशल विकास, उद्यमिता एवं सामाजिक सरोकारों पर चर्चा हुई। गुप्ता ने राजस्थानियों की मेहनत, ईमानदारी और उद्यमशीलता की सराहना करते हुए बदलते औद्योगिक परिवेश में कौशल, नई तकनीक और नवाचार अपनाने पर जोर दिया। इस अवसर पर प्रवासी राजस्थानी बंधुओं ने अपने व्यापारिक अनुभव साझा किए। कार्यक्रम में चौधरी रामसिंह कुल्हरी, सांवलाराम पटेल, धनराज सारण, गणपतलाल आकोदिया, नितेश पारीक, रामलाल गोदारा सहित अनेक गणमान्यजन उपस्थित रहे।

मेगा आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाएं : कलेक्टर

पेद्दापल्ली, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर पेद्दापल्ली जिला अस्पताल के आयुष विंग में 23 सितंबर को आयोजित होने वाले मेगा आयुर्वेद स्वास्थ्य शिविर का पोस्टर जिला कलेक्टर कोया श्री हर्षा ने सोमवार को अपने कक्ष में जारी किया। उन्होंने जिले के लोगों से शिविर का लाभ उठाने की अपील की। इस अवसर पर आयुष जिला प्रभारी डॉ. जी.एन. अरुणा, आयुर्वेद वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी डॉ. पी. शोभारानी, चिकित्सा अधिकारी डॉ. के. अमरनाथ, डॉ. वी. मारुति, जिला कार्यक्रम प्रबंधक एस. विद्यासागर सहित अन्य उपस्थित रहे।

प्रो. सूर्य धनंजय ग्लोबल पीस अवॉर्ड से सम्मानीत

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। चाकली ऐलम्मा महिला विश्वविद्यालय की कुलपति, प्रसिद्ध शिक्षाविद्, साहित्यकार एवं प्रशासक प्रो. सूर्य धनंजय को ग्लोबल पीस अवॉर्ड 2026 से सम्मानित किया गया। तेलंगाना मेधावी फोरम, राज्य शाखा की ओर से सोमवार को कोठी स्थित चाकली ऐलम्मा महिला विश्वविद्यालय में अंतरराष्ट्रीय शांति दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में उन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया।

मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए प्रो. सूर्य धनंजय ने कहा कि शांति और धार्मिक सद्भाव की प्रतीक हैदराबाद नगरी हम सभी के लिए आदर्श है। बच्चों को विद्यार्थी जीवन से ही शांति के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए।

विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार मल्लेशम ने कहा कि नई पीढ़ी को देश की स्वतंत्रता के लिए महात्मा गांधी द्वारा किए गए संघर्ष और बलिदानों का अध्ययन करना चाहिए तथा देश की एकता और विकास में योगदान देना चाहिए।

तेलंगाना मेधावी फोरम के राज्य अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने बताया कि तेलंगाना राज्य से प्रत्येक वर्ष एक व्यक्ति को प्रदान किए जाने वाले ग्लोबल पीस अवॉर्ड के लिए इस वर्ष प्रो. सूर्य धनंजय का चयन किया गया है। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने शांति को ही अपना हथियार बनाकर देश के स्वतंत्रता आंदोलन का नेतृत्व किया और भारत को स्वतंत्रता दिलाई।

प्रो. सूर्य धनंजय ने उस्मानिया विश्वविद्यालय से एम.ए., एम.फिल. और पीएच.डी. की शिक्षा पूरी की तथा उस्मानिया विश्वविद्यालय के तेलुगु विभाग की अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। उन्होंने पिछले 26 वर्षों से विभाग में विभिन्न जिम्मेदारियां निभाई हैं। इसके अलावा उन्होंने एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी और ओयू महिला अध्ययन केंद्र की निदेशक के रूप में भी सेवाएं दी हैं। उन्होंने तेलुगु साहित्य के क्षेत्र में 29 पुस्तकें लिखी हैं।

उनके मार्गदर्शन में 27 शोधार्थियों ने पीएच.डी. प्राप्त की है। उन्होंने 60 राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में भाग लेते हुए 86 शोध-पत्र प्रस्तुत एवं प्रकाशित किए हैं।

पूर्व सरपंच ने लंबित बिलों के भुगतान की मांग की

मदनूर, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मदनूर मंडल के हंडे केलूर गांव की पूर्व सरपंच ने सोमवार को प्रजावाणी में एमपीडीओ को याचिका सौंपकर गांव में कराए गए विकास कार्यों के लंबित बिलों का भुगतान करने की मांग की।

उन्होंने बताया कि गांव के विकास कार्यों के लिए बाहर से कर्ज लेकर राशि खर्च की गई, लेकिन अब तक सरकार की ओर से बिलों का भुगतान नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि कर्ज बढ़ता जा रहा है। उन्होंने सरकार से लंबित बिलों का शीघ्र भुगतान करने की अपील की।

प्रजावाणी में याचिकाओं का शीघ्र समाधान किया जाए

जिला कलेक्टर कोया श्रीहर्ष ने अधिकारियों को प्रजावाणी में प्राप्त याचिकाओं का सर्वोच्च प्राथमिकता के साथ शीघ्र समाधान करने तथा उन्हें लंबित नहीं रखने के निर्देश दिए। सोमवार को कलेक्ट्रेट के बैठक कक्ष में अतिरिक्त कलेक्टर श्रीरामुलु के साथ आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कलेक्टर ने जनता से आवेदन प्राप्त किए।

रामागुंडम मंडल के गोदावरीखानी सिखवाड़ा की मेडारी ललिता ने अपनी बेटी मेडारी सौजन्या के मकान के पंजीकरण से संबंधित समस्या के समाधान के लिए आवेदन दिया। पेद्दापल्ली मंडल के गुर्रमपल्ली गांव की पैडिपंडला तिरुपथम्मा ने गृह ज्योति योजना के तहत 200 यूनिट मुफ्त बिजली की सुविधा लागू करने का अनुरोध किया।

कामनपुर मंडल की चटला अनुषा ने दो शयनकक्ष वाले मकान के लिए आवेदन किया। वहीं, मंथानी मंडल के बित्तुपल्ली गांव के जे. कृष्णय्या ने गांव के बाहरी क्षेत्र में सर्वे नंबर 56 की भूमि के स्वामित्व विलेख को लागू करने के लिए आवेदन दिया।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

302 में...

किसी दल के पास स्पष्ट बहुमत नहीं था, वहां एक-एक पार्षद का समर्थन बोर्ड की दिशा बदल सकता था। अजमेर और पाली जैसे नतीजों ने यह बात स्पष्ट दिखाई।

जयपुर, जोधपुर और कोटा का फैसला बाकी

राजस्थान के 10 नगर निगमों में अभी तीन का फैसला होना बाकी है। जयपुर, जोधपुर और कोटा नगर निगम के महापौर चुनाव 25 सितंबर को होंगे। इन जगहों पर दोबारा मतदान वाले वार्डों की वजह से चुनाव कार्यक्रम आगे खिसक गया है।इसका मतलब यह है कि मौजूदा आंकड़े पूरी तस्वीर नहीं हैं। अभी आठ निकायों का अंतिम फैसला बाकी है। इनमें तीन नगर निगम, एक नगर परिषद और चार नगर पालिकाएं शामिल हैं।

हे माँ!...

लेकिन करीब तीन घंटे बाद बागरा और जागनाथ रेलवे स्टेशन के बीच महिला ने अपने बेटे को रेलवे ट्रैक से कुछ दूरी पर स्थित नीम के पेड़ की छांव में बैठा दिया। इसके बाद वह रेलवे ट्रैक की ओर गई और साबरमती से जोधपुर जा रही यात्री ट्रेन की चपेट में आ गई।

ट्रेन की चपेट में आने से महिला के सिर, हाथ और पैरों में गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। वहीं, नीम के पेड़ के नीचे बैठा छह महीने का मासूम सुरक्षित मिला।

मासूम को नहीं पता, मां हमेशा के लिए छोड़ गई

घटना की सबसे दर्दनाक तस्वीर यह रही कि जिस छह महीने के बच्चे को मां अपने साथ घर से लेकर निकली थी, वही बच्चा कुछ देर बाद रेलवे ट्रैक के पास अकेला मिला। मासूम को घटना की जानकारी तक नहीं थी। पुलिस ने बच्चे को सुरक्षित बरामद किया और परिजनों को सूचना दी।

शव अस्पताल की शवगृह में रखवाया, जांच में जुटी पुलिस

घटना की सूचना मिलने के बाद रेलवे कर्मचारियों ने शव को जागनाथ रेलवे स्टेशन पहुंचाया। इसके बाद शव को कोतवाली पुलिस के सुपुर्द किया गया। पुलिस ने शव को जालोर के सामान्य चिकित्सालय के शवगृह में रखवाया है। परिजनों के पहुंचने के बाद पोस्टमार्टम की कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने घटना की जांच शुरू कर दी है।

आखिर क्यों उठाया इतना बड़ा कदम?

फिलहाल सबसे बड़ा सवाल यही है कि भावना ने आखिर ऐसा कदम क्यों उठाया। पुलिस के अनुसार, अभी तक आत्महत्या के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। महिला की पारिवारिक परिस्थितियों और घटना से पहले की स्थिति को लेकर पुलिस जानकारी जुटा रही है।

छह महीने के मासूम को छोड़कर महिला का इस तरह चले जाना परिवार के लिए कई अनसुलझे सवाल छोड़ गया है। पुलिस जांच के बाद ही सामने आएगा कि इस दर्दनाक घटना के पीछे आखिर क्या वजह थी।

ट्रंप का...

इसके बाद अन्य नेटवर्कों के सामने सीएनएन की जगह खुद कैमरा दल भेजने या साझा कवरेज रोकने का विकल्प था। पांचों प्रमुख नेटवर्कों ने साझा पूल कवरेज रोकने का फैसला किया।

केवल साझा पूल फीड पर रोक

नेटवर्कों के इस फैसले का मतलब यह नहीं है कि टेलीविजन चैनलों ने ट्रंप प्रशासन की पूरी कवरेज बंद कर दी है। रोक मुख्य रूप से राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की साझा टेलीविजन पूल व्यवस्था पर है। इसके दायरे से बाहर अन्य पत्रकार और मीडिया संस्थान अपनी रिपोर्टिंग जारी रख सकते हैं।

सीएनएन, एमएस नाउ और पोलिटिको पहुंचे अदालत

पूल कवरेज विवाद के बीच सीएनएन, एमएस नाउ और पोलिटिको ने सोमवार को राष्ट्रपति ट्रंप और उनके प्रशासन के खिलाफ वॉशिंगटन डीसी की संघीय अदालत में मुकदमा दायर किया। तीनों समाचार संगठनों ने अपने पत्रकारों की व्हाइट हाउस में पहुंच बहाल करने के लिए तत्काल अस्थायी रोक लगाने की मांग की है।

तीनों संगठनों का कहना है कि प्रतिबंध उनके अमेरिकी संविधान के प्रथम संशोधन के तहत मिले प्रेस और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकारों का उल्लंघन करता है। मुकदमे में उचित प्रक्रिया के बिना पत्रकारों की पहुंच और पहचान-पत्र वापस लिए जाने को लेकर भी आपत्ति जताई गई है।

तीनों समाचार संगठनों ने संयुक्त बयान में कहा कि सरकार को यह तय नहीं करना चाहिए कि प्रेस क्या रिपोर्ट करेगी या क्या प्रकाशित करेगी। उनका कहना है कि यदि इस कार्रवाई को चुनौती नहीं दी गई तो यह स्वतंत्र पत्रकारिता और प्रेस की स्वतंत्रता के लिए गंभीर खतरा बन सकती है।

व्हाइट हाउस में पत्रकारों के पहचान-पत्र जब्त

विवाद की शुरुआत शुक्रवार को ट्रंप द्वारा सीएनएन, एमएस नाउ और पोलिटिको को व्हाइट हाउस से प्रतिबंधित करने की घोषणा के बाद हुई। शनिवार को तीनों संगठनों के पत्रकारों को व्हाइट हाउस परिसर में प्रवेश से रोक दिया गया। रिपोर्टों के अनुसार, कुछ पत्रकारों के प्रेस पहचान-पत्र भी निष्क्रिय या वापस ले लिए गए। इसके बाद इन संस्थानों के पत्रकार परिसर के बाहर से प्रशासन से जुड़े घटनाक्रमों की कवरेज कर रहे हैं।

फर्जी खबरों पर कार्रवाई का ट्रंप का दावा

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से इन मीडिया संस्थानों पर कार्रवाई की घोषणा की थी।

उन्होंने इन संस्थानों पर उनके और उनके प्रशासन से संबंधित 'फर्जी खबरें' प्रकाशित करने का आरोप लगाया। ट्रंप ने सोमवार को भी अपने फैसले का बचाव करते हुए कहा कि यह स्वतंत्र प्रेस पर हमला नहीं, बल्कि फर्जी खबरों के खिलाफ कार्रवाई है।

प्रमुख अमेरिकी टीवी नेटवर्कों द्वारा साझा पूल कवरेज रोकने का फैसला इस विवाद को एक नए चरण में ले गया है। सामान्य व्यवस्था के तहत नेटवर्क बारी-बारी से राष्ट्रपति के कार्यक्रमों की वीडियो कवरेज करते हैं और उसे अन्य प्रसारकों के साथ साझा करते हैं। सीएनएन को पूल ड्यूटी से हटाए जाने के बाद पांच प्रमुख नेटवर्कों ने इस व्यवस्था को अस्थायी रूप से रोक दिया, जिससे ट्रंप की संयुक्त राष्ट्र महासभा यात्रा जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की साझा टेलीविजन फीड प्रभावित हुई।

देवा रे...

वहीं क्यूआर कोड का स्कैनर चिपका दिया। कुछ ही समय बाद दूसरा युवक उसे देखने के लिए पंडाल के पास आया। इसके बाद दोनों युवक आराम से वहां से चले गए। मंडल के अध्यक्ष ने पुलिस थाने में अज्ञात लोगों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। मामले की जानकारी जिले के पुलिस अधीक्षक निकेश खाटमोडे को दी गई। उनके मार्गदर्शन में पुलिस ने आगे की जांच करते हुए परिसर के अलावा आसपास लगे अन्य सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी खंगाली।जांच के दौरान पुलिस को तीनों युवक मिल गए। आरोपियों की पहचान तन्मय मुधाल, युगंदर अफूने और सुबोध के रूप में हुई है। तीनों की उम्र 19 से 20 वर्ष के बीच है। पुलिस ने तीनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उनके द्वारा जुर्म कबूल करने की बात सामने आई है।

पैसे कमाने के लिए लगाया था क्यूआर कोड

पुलिस उपविभागीय अधिकारी रामेश्वर पवार ने बताया कि आरोपियों ने क्यूआर कोड स्कैनर लगाने के पीछे पैसे कमाने का उद्देश्य बताया है। पुलिस के अनुसार, जो भी व्यक्ति उस क्यूआर कोड को स्कैन करता, वह सीधे एक टेलीग्राम समूह में जुड़ जाता और उसमें अश्लील वीडियो शुरू हो जाता था। आरोपियों को प्रत्येक स्कैन के बाद 10 से 15 रुपये मिलने की बात सामने आई है।

आरोपियों ने पुलिस को यह भी बताया कि उन्होंने वाशिम शहर में ही स्थित एक हनुमान मंदिर और एक कॉलेज के बाहर भी इसी तरह के क्यूआर कोड स्कैनर लगाए थे।

तीनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया

वाशिम शहर पुलिस ने तीनों आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। इसके बाद उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। न्यायालय ने तीनों आरोपियों को आज शाम तक पुलिस हिरासत में भेज दिया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

जमुई दरिंदगी ...

सुरक्षित रखने और उनके भरोसे की रक्षा करने में नाकाम रहे। उन्होंने भाजपा पर राजनीतिक दोहरेपन का आरोप लगाते हुए कहा कि पार्टी के नेता विपक्ष शासित राज्यों में न्याय की मांग करते हैं, लेकिन सत्ता वाले राज्यों में तस्वीर अलग होती है।

राहुल गांधी ने सामाजिक मंच 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा कि बिहार के जमुई का वीडियो बेहद परेशान करने वाला है। उन्होंने कहा कि दसवीं कक्षा के एक छात्र और छात्रा को रास्ते में जबरन रोका गया, उन्हें प्रताड़ित और अपमानित किया गया तथा छात्रा के साथ उत्पीड़न किया गया। उन्होंने सवाल किया कि आरोपियों को ऐसा करने का अधिकार किसने दिया।

राहुल गांधी ने घटना को 'संस्कृति' के बजाय 'पितृसत्ता' से जोड़ते हुए कहा कि यह ऐसी सोच है, जिसमें पुरुष किसी लड़की के शरीर, उसके आने-जाने और उसकी पसंद पर नियंत्रण को अपना अधिकार समझते हैं। उन्होंने वीडियो में दिखाई देने वाले प्रत्येक व्यक्ति की पहचान कर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत मुकदमा चलाने और जल्द न्याय सुनिश्चित करने की मांग की।

खड़गे ने उठाया 'बेटी बचाओ' का मुद्दा

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने भी जमुई की घटना को लेकर भाजपा पर निशाना साधा। उन्होंने जमुई की घटना के साथ दिल्ली में 17 वर्षीय लड़की से सामूहिक दुष्कर्म और हत्या के मामले का उल्लेख करते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं भाजपा के 'नारी शक्ति वंदन' और 'बेटी बचाओ' जैसे नारों पर सवाल खड़े करती हैं। खड़गे ने दोषियों को कड़ी सजा और राज्य सरकारों की जवाबदेही तय करने की मांग की।जमुई पुलिस के मुताबिक, घटना की जानकारी सामने आने के बाद तीन नाबालिगों को पकड़ा गया है और अन्य लोगों की भूमिका की जांच की जा रही है। पुलिस ने जांच के लिए विशेष जांच दल गठित किया है।

बिहार को शर्मसार कर दिया : तेजस्वी

तेजस्वी यादव ने कहा, भाजपा-एनडीए ने बिहार को शर्मसार कर दिया है। हर कोई शर्मिंदा है। जमुई की घटना को लेकर सरकार के लोग बेहद निम्न स्तर के बयान दे रहे हैं। जिस समय जमुई की घटना हुई, उस समय सम्राट चौधरी जातीय सम्मेलन कर रहे थे।वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कार्रवाई तेज कर दी है। पुलिस के अनुसार, घटना में शामिल तीन नाबालिगों को पकड़ा गया है और जांच के लिए विशेष जांच दल का गठन किया गया है। पुलिस अब अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच कर रही है।

आरोपियों पर यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम के तहत मामला

बिहार पुलिस के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, कानून-व्यवस्था, के.एस. अनुपम ने मामले में अब तक हुई कार्रवाई की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि घटना में शामिल तीन नाबालिगों को पकड़ा गया है। इनमें से दो की उम्र 17 से 18 वर्ष के बीच बताई जा रही है। पुलिस के सामने अभी सात से आठ युवकों के नाम आए हैं और घटना में उनकी भूमिका की जांच की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, संबंधित थाने में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धाराओं 128, 74 और 75 के साथ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम की धाराओं 8 और 12 के तहत मामला दर्ज किया गया है। जांच के लिए विशेष जांच दल बनाया गया है और जमुई के अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी के नेतृत्व में इसकी निगरानी की जा रही है। आरोपियों के आपराधिक इतिहास की भी जांच की जा रही है।

वीडियो साझा करने वाले 32 खातों पर कार्रवाई

पुलिस ने वायरल वीडियो को सोशल मीडिया पर प्रसारित करने वालों के खिलाफ भी कार्रवाई शुरू की है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक के.एस. अनुपम के अनुसार, अब तक 13 फेसबुक, 12 इंस्टाग्राम और सात 'एक्स' खातों को चिह्नित कर उनके खिलाफ सामग्री हटाने की कार्रवाई की गई है।

पुलिस ने चेतावनी दी है कि किसी नाबालिग पीड़ित की पहचान या चेहरा उजागर करने वाला वीडियो प्रसारित करना कानूनन अपराध है। ऐसा करने वालों के खिलाफ यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम और किशोर न्याय अधिनियम की धारा 74 के तहत कार्रवाई की जाएगी।पुलिस के मुताबिक, घटना जमुई-लखीसराय मुख्य मार्ग से करीब तीन किलोमीटर दूर एक पहाड़ी इलाके में हुई थी। घटना का समय शाम करीब 6:25 से 6:30 बजे के बीच बताया गया है। पुलिस अब यह भी जांच करेगी कि घटना वाले इलाके में गश्त की क्या व्यवस्था थी।

जमुई के पुलिस अधीक्षक के अनुसार, दोनों नाबालिग छात्र-छात्रा घटना वाले स्थान पर गए थे। पुलिस ने उनसे बातचीत कर घटना के संबंध में जानकारी ली है। उनके बयानों के आधार पर आरोपियों की पहचान और उनकी भूमिका की जांच की जा रही है।

क्या हुआ था?

पुलिस के अनुसार, 19 सितंबर की शाम दोनों दसवीं कक्षा के छात्र-छात्रा कोचिंग के बाद एक पहाड़ी इलाके में गए थे। लौटते समय एक समूह ने उन्हें रोक लिया। आरोप है कि दोनों के साथ अभद्र व्यवहार और मारपीट की गई तथा छात्रा के साथ छेड़खानी की गई। घटना का वीडियो समूह के एक सदस्य ने बनाया, जो बाद में सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गया।वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और दोनों पीड़ितों से जानकारी जुटाई। इसके बाद आरोपियों की पहचान की प्रक्रिया शुरू की गई। पुलिस ने अब तक तीन लोगों को पकड़ा है और अन्य की तलाश जारी है।

भाजपा और जनता दल (यू) ने क्या कहा?

जमुई मामले को लेकर जनता दल (यू) की ओर से भी प्रतिक्रिया आई है। पार्टी के प्रवक्ता नवल शर्मा ने कहा कि बिहार में सम्राट चौधरी की सरकार है और यहां भीड़ के हाथों न्याय नहीं चल सकता। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल लोगों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई करेगी।

भाजपा प्रवक्ता कुंतल कृष्ण ने घटना को शर्मनाक बताया और कहा कि पुलिस दोषियों की पहचान कर रही है तथा जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, मंगलवार, 22 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

अग्रवाल समाज मैरिज डाटा कमेटी का परिचय सम्मेलन संपन्न

71 युवक-युवतियों ने लिया हिस्सा, दो रिश्ते तुरंत पक्के, तीन अंतिम चरण में

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की मैरिज डाटा कमेटी की ओर से विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं उनके अभिभावकों के लिए परिचय सम्मेलन राघव रत्ना टावर, एबिड्स की दसवीं मंजिल पर स्थित अग्रवाल समाज सभागृह में आयोजित किया गया। सम्मेलन में 71 युवक-युवतियों ने हिस्सा लिया, जिनमें 15 युवतियां शामिल थीं।

महाराजा अग्रसेन की पूजा-अर्चना से शुभारंभ

समाज अध्यक्ष अनिरुद्ध गुप्ता एवं कार्यकारी अध्यक्ष नरेंद्र गोयल के नेतृत्व में आयोजित परिचय सम्मेलन का शुभारंभ उपाध्यक्ष सीए हरगोविंद अग्रवाल, सचिव डॉ. सीमा जैन, सह सचिव प्रतीक नरसरिया, कोषाध्यक्ष सीए राज गोपाल अग्रवाल, सभी जोन के प्रमुख सुरेश टंडन, मैरिज डाटा कमेटी के चेयरमैन महेंद्र अग्रवाल, संयोजक अशोक जिंदल एवं अन्य पदाधिकारियों द्वारा महाराजा श्री अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

इसके बाद सह सचिव प्रतीक नरसरिया ने बारी-बारी से सभी युवक-युवतियों को मंच पर आमंत्रित किया। उपस्थित 71 युवक-युवतियों ने अपना-अपना परिचय प्रस्तुत किया। परिचय के दौरान नाम, माता-पिता का नाम, उम्र, गोत्र, शिक्षा, जन्म स्थान सहित अन्य आवश्यक जानकारी दी गई।

समाज के उपाध्यक्ष सीए हरगोविंद अग्रवाल, सभी जोन के प्रमुख सुरेश टंडन एवं कार्यक्रम में उपस्थित समाज के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. दिलीप पंसारी ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान समय में समाज में इस तरह के आयोजनों की बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने सम्मेलन की सफलता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए आयोजन टीम को बधाई दी।

मैरिज डाटा कमेटी के अध्यक्ष महेंद्र अग्रवाल के अनुसार, सम्मेलन में विवाह योग्य युवक-युवतियों एवं उनके अभिभावकों सहित कुल लगभग 250 लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई।

दो रिश्ते पक्के, तीन अंतिम चरण में

सम्मेलन की समाप्ति के तुरंत बाद दो रिश्ते पक्के हो गए, जबकि अन्य तीन रिश्ते अंतिम रूप देने के चरण में हैं। कार्यक्रम में समाज की सदस्यता अभियान समिति के अध्यक्ष मुकुंद लाल अग्रवाल, केएस सदस्य विनय एवं अन्य समाजबंधु भी उपस्थित रहे।

परिचय सम्मेलन में शामिल युवक-युवतियों एवं अभिभावकों ने आयोजन की भरपूर सराहना की। सम्मेलन को सफल बनाने में मैरिज डाटा कमेटी के संयोजक अशोक जिंदल, वाइस चेयरमैन पंकज संघी, गोपाल अग्रवाल, उमाशंकर गोयनका, सुनील मोदी, जितेंद्र अग्रवाल, अजय तुलस्यान, रानी मित्तल, बबीता अग्रवाल, शीतल रुंगटा, संगीता गोयल एवं अन्य का सराहनीय सहयोग रहा।

राजकीय डिग्री कॉलेज फलकनुमा में हिंदी दिवस समारोह उत्साहपूर्वक संपन्न

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राजकीय डिग्री कॉलेज फलकनुमा में आज हिंदी दिवस समारोह बड़े उत्साह एवं हर्षोल्लास के साथ आयोजित किया गया। कार्यक्रम में उस्मानिया विश्वविद्यालय हिंदी विभाग की अध्यक्षा प्रो. डब्ल्यू. मायादेवी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि डॉ. संगीता कोटिया विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित होकर विद्यार्थियों का मार्गदर्शन किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कॉलेज के प्राचार्य प्रो. के. प्रवीण कुमार ने की।

मुख्य अतिथि प्रो. डब्ल्यू. मायादेवी ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी केवल साहित्य और अभिव्यक्ति की भाषा ही नहीं, बल्कि रोजगार के अनेक अवसर उपलब्ध कराने वाली भाषा भी है। हिंदी विषय के विद्यार्थियों के लिए राजभाषा अधिकारी सहित विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार की व्यापक संभावनाएँ हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से हिंदी को गंभीरता से पढ़ने और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के साथ अपने भविष्य को नई दिशा देने का आह्वान किया।

उन्होंने महिला शिक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि महिलाओं का शिक्षित होना पूरे परिवार के विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। एक शिक्षित महिला अपने परिवार और समाज को शिक्षा एवं संस्कारों से आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है।

विशिष्ट अतिथि डॉ. संगीता कोटिया ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए बचपन की प्रसिद्ध कहानी एक कौआ प्यासा था, घड़े में थोड़ा पानी था का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि जीवन में कठिन परिस्थितियाँ आएँ तो निराश नहीं होना चाहिए। निरंतर प्रयास, धैर्य और बुद्धिमत्ता के बल पर सफलता प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने विद्यार्थियों से अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए लगातार प्रयास करते रहने का संदेश दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्राचार्य प्रो. के. प्रवीण कुमार ने हिंदी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए ढाई आखर प्रेम का, पढ़े सो पंडित होय का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रेम, भाईचारे और आपसी सद्भाव से ही समाज मजबूत बनता है। विद्यार्थियों को सभी के साथ मिल-जुलकर रहने तथा सामाजिक एकता और सद्भाव को मजबूत करने का संदेश दिया।

कार्यक्रम के संयोजक एवं हिंदी विभाग के डॉ. बाबूराव ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि उस्मानिया विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग की दोनों महान विभूतियों की गरिमामयी उपस्थिति ने हिंदी दिवस समारोह में चार चाँद लगा दिए। उन्होंने कहा कि हिंदी सभी भारतीय भाषाओं को साथ लेकर चलने वाली भाषा है। यह विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों और विचारों के बीच संवाद एवं जुड़ाव का माध्यम बनकर देश की एकता को मजबूत करती है।

हिंदी दिवस समारोह में कॉलेज के सभी प्राध्यापकों एवं शिक्षकेतर कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भी कार्यक्रम में उपस्थित होकर अपनी सक्रिय सहभागिता दर्ज कराई। विद्यार्थियों ने हिंदी भाषा के प्रति अपने उत्साह और प्रेम का परिचय देते हुए विभिन्न साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान हिंदी भाषा के महत्व, रोजगार की संभावनाओं, महिला शिक्षा, विद्यार्थियों के लक्ष्य एवं निरंतर प्रयास तथा सामाजिक एकता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार व्यक्त किए गए। पूरे समारोह का वातावरण हिंदी के प्रति सम्मान, गौरव और उत्साह से सराबोर रहा।समारोह के अंत में अतिथियों, प्राचार्य, समस्त प्राध्यापकों तथा विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया गया। कार्यक्रम ने विद्यार्थियों में हिंदी के प्रति रुचि, आत्मविश्वास और नई ऊर्जा का संचार किया।

एनआईपीएचएम में एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला एवं हिंदी पखवाडा का शुभारंभ

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) राष्ट्रीय वनस्पति स्वास्थ्य प्रबंधन संस्थान (एनआईपीएचएम), हैदराबाद में दिनांक 21 सितंबर 2026 को अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया तथा हिंदी पखवाड़ा-2026 का शुभारंभ किया गया।

कार्यशाला के प्रारंभ में संस्थान के हिंदी अधिकारी श्री विजय कुमार साव ने मंचासीन अधिकारियों डॉ. एलिस आर. पी. सुजिता, निदेशक (पीबीडी), डॉ. निर्माली साईकिया, निदेशक (पीएमडी) तथा अतिथि वक्ता मो.कमलालुद्दीन, सहायक निदेशक (राजभाषा), सेवानिवृत्त, केंद्रीय हिंदी प्रशिक्षण उप-संस्थान, हैदराबाद सहित अन्य अधिकारियों का स्वागत किया ।

और उन्होंने कहां कि हिंदी पखवाड़ा-2026 के अंतर्गत हिंदी निबंध लेखन, हिंदी नोटिंग एवं ड्राफ्टिंग, कंप्यूटर पर हिंदी टंकण, हिंदी वाक् तथा राजभाषा हिंदी सामान्य ज्ञान प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जाएगा। इन प्रतियोगिताओं के विजेताओं को हिंदी पखवाड़ा-2026 समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा । इसके बारे में विस्तार रूप से जानकारी प्रदान की ।

कार्यशाला का शुभारंभ निदेशकों एवं अतिथि वक्ता द्वारा दीप प्रज्वलन तथा सरस्वती वंदना के साथ किया गया। इस अवसर पर डॉ. एलिस आर. पी. सुजिता, निदेशक (पीबीडी) ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए कहा कि एनआईपीएचएम एक केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान है, जहां विभिन्न राज्यों से अधिकारी, कर्मचारी एवं प्रशिक्षार्थी प्रशिक्षण प्राप्त करने आते हैं । साथ ही संस्थान का प्रयास रहता है कि हिंदी भाषी प्रदेशों से आने वाले प्रशिक्षार्थियों को यथासंभव हिंदी माध्यम से प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाए, जिससे वे विषयवस्तु को बेहतर ढंग से समझ सकें तथा प्रशिक्षण का अधिकतम लाभ प्राप्त कर सकें।

उन्होंने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से हिंदी पखवाड़े के अंतर्गत आयोजित सभी प्रतियोगिताओं में सक्रिय रूप से भाग लेने का आह्वान किया।

डॉ. निर्माली साईकिया, निदेशक (पीएमडी) ने अपने संबोधन में कहा कि संस्थान में राजभाषा हिंदी का प्रयोग निरंतर बढ़ रहा है तथा राजभाषा नीति का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। उन्होंने कर्मचारियों से आग्रह किया कि वे कार्यशाला का पूरा लाभ उठाएं तथा अपने दैनिक शासकीय कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक उपयोग करें।

अतिथि वक्ता मो. कमलालुद्दीन ने कार्यशाला के दौरान प्रतिभागियों को टिप्पण एवं मसौदा लेखन, प्रशासनिक शब्दावली तथा कार्यालयीन पत्राचार से संबंधित महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत जानकारी प्रदान की ।

उन्होंने राजभाषा नीति, केंद्र सरकार के कर्मचारियों की राजभाषा संबंधी जिम्मेदारियों, वार्षिक कार्यक्रम तथा राजभाषा अधिनियम की धारा 3(3) के अंतर्गत आने वाले दस्तावेजों के संबंध में भी विस्तार से जानकारी दी ।

कार्यक्रम में संस्थान के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में हिंदी अधिकारी श्री विजय कुमार साव ने अतिथि वक्ता, अधिकारियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया ।

कार्यक्रम के सफल संचालन में संस्थान के हिंदी अनुवादक डॉ. मोहन राठौड़ तथा हिंदी टंकक श्री उबैद मोहम्मद ने महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान इंडियन रॉक पाइथन का रेस्क्यू

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। ग्रेटर हैदराबाद सोसाइटी फॉर प्रिवेंशन ऑफ क्रुएल्टी टू एनिमल्स (जीएचएसपीसीए) ने 20 सितंबर 2026 को जवाहरनगर में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान एक रेस्क्यू अभियान चलाया। यह क्षेत्र माधुरानगर पुलिस स्टेशन की सीमा में आता है। इस कार्रवाई में स्थानीय पुलिस विभाग और माधुरानगर थाना प्रभारी श्री प्रभाकर का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

जीएचएसपीसीए की टीम पिछले पांच दिनों से विशाखापट्टनम (विजाग) की एक नृत्य टीम पर नजर रख रही थी। टीम को जानकारी मिली थी कि उनके सार्वजनिक कार्यक्रमों में कथित रूप से एक जीवित सांप का इस्तेमाल किया जा रहा है।

19 सितंबर 2026 को कोंडापुर क्षेत्र में गणेश विसर्जन जुलूस के दौरान कथित सांप संचालक जीएचएसपीसीए टीम और पुलिस द्वारा पकड़े जाने से पहले मौके से फरार हो गया था।

20 सितंबर को उक्त समूह के दोबारा वहां मौजूद होने की जानकारी मिलने के बाद जीएचएसपीसीए टीम ने तुरंत माधुरानगर पुलिस स्टेशन से संपर्क किया और थाना प्रभारी श्री प्रभाकर तथा उनकी पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंची।

कार्रवाई के दौरान टीम ने कथित सांप संचालक को पकड़ लिया और उसके पास से एक इंडियन रॉक पाइथन (भारतीय अजगर) तथा एक बॉयलर मुर्गी बरामद की।

जीएचएसपीसीए के अनुसार, पाइथन का सार्वजनिक सड़क प्रदर्शन के दौरान खुले तौर पर इस्तेमाल किया जा रहा था, जबकि मुर्गी के साथ प्रदर्शन के हिस्से के रूप में कथित रूप से क्रूर व्यवहार किया जा रहा था। जीएचएसपीसीए टीम ने तुरंत हस्तक्षेप किया और पुलिस की सहायता से दोनों जानवरों को सुरक्षित रेस्क्यू किया।

इंडियन रॉक पाइथन वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 के अंतर्गत संरक्षित वन्यजीव है। जीएचएसपीसीए ने संबंधित अधिकारियों से लागू वन्यजीव संरक्षण कानूनों के अनुसार उचित कार्रवाई करने का अनुरोध किया है।

रेस्क्यू किए गए पाइथन को वर्तमान में पशु चिकित्सा चिकित्सक डॉ. विश्व चैतन्य की देखरेख में पशु चिकित्सा निरीक्षण एवं उपचार दिया जा रहा है।

जीएचएसपीसीए को दी गई पशु चिकित्सा जानकारी के अनुसार, पाइथन के मुंह और दांतों में संक्रमण पाया गया है। पाइथन को पूरी तरह स्वस्थ होने तक आवश्यक उपचार और निगरानी में रखा जाएगा। पूर्ण रूप से स्वस्थ होने के बाद, सक्षम वन्यजीव अधिकारियों की आवश्यक अनुमति और निर्देशों के अधीन उसे उसके प्राकृतिक आवास में वापस छोड़ा जाएगा।

जीएचएसपीसीए ने माधुरानगर पुलिस स्टेशन के थाना प्रभारी श्री प्रभाकर और पुलिस विभाग द्वारा दिए गए समय पर सहयोग एवं सहायता के लिए आभार व्यक्त किया है। संगठन ने कहा कि पुलिस के सहयोग से दोनों जानवरों को सुरक्षित रेस्क्यू करना संभव हुआ।

जीएचएसपीसीए ने आम जनता से अपील की है कि वे जंगली जानवरों को शामिल करने वाले किसी भी प्रदर्शन को प्रोत्साहित न करें, उसमें भाग न लें और उसका समर्थन न करें।

यदि किसी सार्वजनिक कार्यक्रम या उत्सव के दौरान जंगली जानवरों का इस्तेमाल, प्रदर्शन या उनके साथ दुर्व्यवहार होता हुआ दिखाई दे, तो तुरंत पुलिस या अधिकृत वन्यजीव अधिकारियों को सूचित करें।

बेगम बाजार में अन्नदान से गूंजा सेवा का संदेश

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर सेवा भाव के साथ जरूरतमंदों को अन्नदान किया गया।

कार्यक्रम में राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के संयोजक जगत नारायण अग्रवाल, महेश अग्रवाल, मीना अग्रवाल, शर्मिला अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय एवं अरुण विजयवर्गीय सहित ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन वितरण नहीं, बल्कि जरूरतमंदों के प्रति संवेदना, करुणा और अपनत्व की भावना का प्रतीक है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान के माध्यम से समाज में मानव सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना को निरंतर मजबूत किया जा रहा है।

ग्रुप का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक सेवा पहुंचाना और समाज में यह संदेश देना है कि मानव सेवा ही सच्ची सेवा है। सेवा के इस नियमित क्रम में सदस्यों की सहभागिता से राधे-राधे ग्रुप का सेवा अभियान निरंतर आगे बढ़ रहा है।

अन्नदान से मिलती है मानव सेवा को नई दिशा : कैलाश केडिया

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन के सामने पिल्लर नंबर 1265-ए के पास सोमवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कैलाश केडिया ने कहा कि अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंदों की सेवा करना मानवता की सच्ची सेवा है। उन्होंने कहा कि भोजन प्रत्येक व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है और जरूरतमंदों तक अन्न पहुंचाना समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और संवेदनशीलता को दर्शाता है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद जिस प्रकार नियमित रूप से अन्नदान सेवा के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचा रहा है, वह समाज में सेवा, समर्पण और सहयोग की भावना को मजबूत करने वाला कार्य है। सेवा में किसी प्रकार का भेदभाव या दिखावा नहीं होना चाहिए, बल्कि निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों की सहायता करना ही सेवा की वास्तविक भावना है।

कैलाश केडिया ने कहा कि समाज में सकारात्मक बदलाव केवल बड़े प्रयासों से नहीं, बल्कि छोटे-छोटे सेवा कार्यों से भी आता है।

यदि प्रत्येक व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार जरूरतमंदों की मदद के लिए आगे आए, तो समाज में मानवता और आपसी सहयोग की भावना और अधिक मजबूत हो सकती है।

इस अवसर पर राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, जय प्रकाश सारड़ा, भगत राम गोयल, मनीष चिंडालिया, कैलाश केडिया, निर्मला केडिया, सुरेश सिंघल, जगन गुप्ता, नंदगोपाल तथा जितेंद्र सहित राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के अनेक सदस्य उपस्थित रहे।

रेवंत रेड्डी सिरसिल्ला और सिद्दिपेट में ले जाएंगे राजनीतिक लड़ाई

बीआरएस के गढ़ों में कांग्रेस का आक्रामक अभियान

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी विपक्षी भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के गढ़ों में राजनीतिक मुकाबला तेज करने जा रहे हैं। वे 30 सितंबर को सिरसिल्ला में सार्वजनिक सभा करेंगे, जो बीआरएस कार्यकारी अध्यक्ष के.टी. रामाराव का गृह क्षेत्र है। मुख्यमंत्री अगले महीने सिद्दिपेट का भी दौरा कर सकते हैं, जहां वरिष्ठ बीआरएस नेता टी. हरीश राव विधायक हैं। पार्टी सूत्रों ने यह जानकारी दी।

ये लगातार सार्वजनिक सभाएं नवंबर-दिसंबर 2028 में प्रस्तावित विधानसभा चुनावों से पहले सत्ताधारी कांग्रेस की शुरुआती जन-जुटान कवायद मानी जा रही हैं। 5 सितंबर को नलगोंडा में सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए रेवंत रेड्डी ने रामाराव को सिरसिल्ला और हरीश राव को सिद्दिपेट में हराने का संकल्प लिया था।

बीआरएस नेतृत्व को चुनौती देने की कार्ययोजना

पार्टी सूत्रों के अनुसार, मुख्यमंत्री ने चुनावों से लगभग दो वर्ष पहले ही बीआरएस नेतृत्व को उसके पारंपरिक गढ़ों में चुनौती देने की कार्ययोजना बना ली है। सिरसिल्ला और सिद्दिपेट में प्रस्तावित सभाओं से विपक्षी दल के गढ़ों में कांग्रेस सरकार और बीआरएस के बीच प्रत्यक्ष राजनीतिक मुकाबले का स्वर निर्धारित होने की उम्मीद है।

रामाराव और हरीश राव ने चुनावी राजनीति में प्रवेश के बाद से अपने क्षेत्रों में अटूट जीत का रिकॉर्ड बनाए रखा है। रामाराव ने सिरसिल्ला विधानसभा सीट पांच बार जीती है 2008 का उपचुनाव तथा 2009, 2014, 2018 और 2023 के चुनाव। हरीश राव 2004 से लगातार सात बार सिद्दिपेट का प्रतिनिधित्व कर चुके हैं, जिसमें 2004, 2008 और 2010 के उपचुनाव तथा 2009, 2014, 2018 और 2023 के आम चुनाव शामिल हैं।

कांग्रेस सिरसिल्ला सभा को बड़े ताकत प्रदर्शन के रूप में आयोजित करने की योजना बना रही है। वह क्षेत्र और पड़ोसी इलाकों से पार्टी कार्यकर्ताओं व समर्थकों को जुटा रही है। स्थानीय कांग्रेस नेताओं ने सभा की तैयारियां शुरू कर दी हैं, जिसमें संभावित भारी भीड़ और सुरक्षा व्यवस्था शामिल है।

ये प्रस्तावित सभाएं कांग्रेस और बीआरएस के बीच रेवंत रेड्डी सरकार के तीन वर्ष के प्रदर्शन को लेकर बढ़ते राजनीतिक आदान-प्रदान के बीच हो रही हैं। बीआरएस सत्ता में 1,000 दिन पूरे होने पर कांग्रेस के खिलाफ अभियान चला रहा है। वह आरोप लगा रहा है कि छह गारंटियों और चुनावी वादों में से कई अधूरे रह गए हैं तथा भूमि व अन्य मामलों में अनियमितताओं का आरोप भी लगा रहा है।

सूत्रों के अनुसार, रेवंत रेड्डी सिरसिल्ला सभा का उपयोग बीआरएस के अभियान का जवाब देने और अपने पहले 1,000 दिनों में कांग्रेस सरकार की कल्याणकारी व विकास योजनाओं को उजागर करने के लिए करना चाहते हैं।

घर अजमल अवतार लियो... घणी घणी खम्मा म्हारा रामसा पीर ने...

बाबा रामदेव भक्त मंडल की 25वीं वर्षगांठ पर दसमी महोत्सव संपन्न

सिलचर, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)

बाबा रामदेव भक्त मंडल मेहरपुर, सिलचर की ओर से जग विख्यात लोक देवता बाबा रामदेवजी के जन्मोत्सव के अवसर पर दसमी महोत्सव की 25वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में भव्य संगीतमय जागरण एवं भजन संध्या का आयोजन किया गया। मंडल के संस्थापक सदस्य गोपाल चौहान ने बताया कि राजस्थान के प्रसिद्ध भजन गायक कलाकार प्रकाश माली एवं ग्रुप ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर उपस्थित श्रद्धालुओं को झूमने पर मजबूर कर दिया।

मेहरपुर सिलचर स्थित हंसी खुशी भवन में बाबा रामदेवजी के विशाल छायाचित्र के समक्ष ध्वजा चढ़ाई गई। इसके बाद विशेष पूजा-अर्चना, ज्योत, आरती एवं भोग-प्रसाद अर्पित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पहुंचे भक्तजनों के लिए महाप्रसादी की भी व्यवस्था की गई।भजन संध्या का शुभारंभ गणेश वंदना, गुरु वंदना एवं बाबा के जयकारों के साथ हुआ। इस दौरान ''पिछम धरा सु म्हारा पीरजी पधारया'', ''म्हारो हेलो सुनोजी राम पीरजी'', ''घणी घणी खम्मा मारा रामसापीर ने'', ''पाला पाला आवा बाबा'', ''घर अजमल अवतार लियो'', ''खम्मा खम्मा हो म्हारा रुणिचे रा धनिया'' सहित अनेक पर्चों का बखान और सुरीले भजनों की प्रस्तुतियां दी गईं।प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजन को सफल बनाने में गोपाल चौहान, सुरेंद्र लाल सेठिया, मोहनलाल प्रजापत, चंद्रप्रकाश गर्ग, राजेश सेठिया, ललित बोथरा, सम्पत शर्मा, हुलासमल बरडिया, प्रदीप रेवा, मिलाप मालू, सुरजमल सेठिया, दिलीप बिनायकिया, पारस बरडिया, अभिषेक बरडिया, सुमित सेठिया सहित अनेक सदस्यों एवं भक्तों ने तन-मन-धन से सेवा दी।

हैदराबाद में किशोर उद्यमियों ने लॉन्च किया असली ब्राज़ीलियन अकाई

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अठारह वर्षीय मेलबर्न स्थित न्यूट्रिशन साइंस छात्र सत्य धीर बिसम और उनके सत्रह वर्षीय हैदराबाद निवासी भाई सूर्य कार्तिक पुलिगिल्ला ने 'अकाई स्टेशंस' नामक नए बी2बी फूडसर्विस ब्रांड का आधिकारिक शुभारंभ किया। टूरिज्म प्लाजा, बेगमपेट में आयोजित विशेष टेस्टिंग इवेंट में उन्होंने ब्राज़ील के बेलेम, पारा से जंगली तौर पर चुने गए असली अकाई को भारत के होरेका और क्यूएसआर सेक्टर में पेश किया।

इस उद्यम की प्रेरणा ऑस्ट्रेलिया में अकाई कैफे की बढ़ती लोकप्रियता और भारत में स्वस्थ व सुविधाजनक भोजन की मांग से मिली। कंपनी कैफे, जूस बार, जेलटेरिया, होटल और अन्य फूड बिजनेस के लिए दो सुविधाजनक फॉर्मेट उपलब्ध करा रही हैमशीन-रेडी लिक्विड अकाई और रेडी-टू-गो अकाई सॉर्बेट। दोनों उत्पाद डेयरी-फ्री, प्लांट-बेस्ड और एंटीऑक्सीडेंट व फाइबर से भरपूर हैं।

वर्तमान में अकाई स्टेशंस लगभग 35 बी2बी ग्राहकों को सेवा दे रहा है और अगले 24 महीनों में देशभर में करीब 200 खातों तक पहुंचने की योजना है।

सेवा से मिलता है आत्मिक संतोष

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में सोमवार को इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क के वाटर टैंक के समीप नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए जयप्रकाश सारड़ा ने कहा कि सेवा का कार्य केवल जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह समाज के प्रति हमारी जिम्मेदारी और मानवीय संवेदनाओं को मजबूत करने का माध्यम है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान के माध्यम से सेवा और समर्पण की भावना को निरंतर आगे बढ़ाया जा रहा है। बिना किसी भेदभाव के जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाना मानव सेवा का महत्वपूर्ण कार्य है। ऐसे सेवा कार्यों से समाज में सहयोग, अपनत्व और संस्कार की भावना मजबूत होती है।

कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल, जयप्रकाश सारड़ा, भंवरलाल गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने सेवा कार्यों को निरंतर जारी रखने और अधिक से अधिक लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया।

हाइटेक सिटी सरोवर जिनालय में संस्कार साधना शिविर जारी

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हाइटेक सिटी स्थित सरोवर जिनालय में संस्कार साधना शिविर उत्साह और भक्ति के साथ चल रहा है। श्रावक तप, त्याग और वैराग्य की त्रिवेणी में डूबकर जिनेंद्र प्रभु की आराधना कर रहे हैं।

स्वाती जैन द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दस लक्षण धर्म के प्रथम दिन ऋषि पंचमी से शुरू हुए इस शिविर का आयोजन आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज की शिष्या आर्यिका श्री परीक्षा श्री माताजी एवं आर्यिका श्री प्रेक्षा श्री माताजी के आशीर्वाद व सान्निध्य में किया जा रहा है। हाइटेक सिटी के अलावा इटावा और अहमदाबाद से आए माताजी के भक्त भी शिविर में भाग ले रहे हैं तथा व्रत, उपवास और निर्जला उपवास के माध्यम से अपनी साधना एवं संयम को दृढ़ कर रहे हैं।

आर्यिका श्री परीक्षा श्री माताजी ने बताया कि शिविर में सुबह ध्यान, पूजन, अभिषेक और प्रवचन के बाद दोनों माताजियों की आहार चर्या होती है। दोपहर में सामायिक के बाद श्रावकों को तत्त्वार्थ सूत्र की वाचना सिखाई जाती है।

शाम 6 बजे प्रतिक्रमण, प्रवचन, प्रश्न मंच, लकी ड्रा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं, जिसमें श्रद्धालु उत्साहपूर्वक भाग ले रहे हैं।

पानी की टंकियों का काम जल्द पूरा करने की मांग

बांसवाड़ा, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। शहर में निर्माणाधीन पानी की टंकियों का भाजपा शहर अध्यक्ष कोनाला गंगारेड्डी ने दौरा कर काम की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि अमृत-2 योजना के तहत पेयजल सुविधा के लिए 52 करोड़ रुपये मंजूर होने के दो वर्ष बाद भी छह टंकियों, पाइपलाइनों और पंप हाउस का काम पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से कार्य जल्द पूरा कराने की मांग करते हुए चेतावनी दी कि समस्या का समाधान नहीं होने पर भाजपा के नेतृत्व में आंदोलन किया जाएगा। इस दौरान जिला महासचिव श्रीनिवास रेड्डी, जिला सचिव शंकर गौड़, नगर महासचिव चिरंजीवी सहित अन्य मौजूद रहे।

यातायात नियंत्रण के लिए मेडिकोवर ने दिए 10 बैरिकेड्स

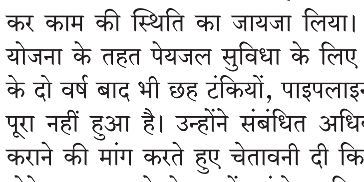

पेद्दापल्ली, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। यातायात नियंत्रण और सड़क सुरक्षा के उद्देश्य से करीमनगर मेडिकोवर अस्पताल प्रबंधन ने पेद्दापल्ली यातायात पुलिस को 70 हजार रुपये मूल्य के 10 बैरिकेड्स सौंपे। अस्पताल केंद्र के प्रमुख गुर्रम किरण के नेतृत्व में सोमवार को पेद्दापल्ली यातायात पुलिस स्टेशन में आयोजित कार्यक्रम में बैरिकेड्स पुलिस को सौंपे गए। इस अवसर पर मार्केटिंग मैनेजर कोटा करुणाकर, अब्दुल वकील सहित अन्य उपस्थित रहे।

चेवेल्ला गणेश मंडपम में फ्यूचर सिटी पुलिस ने जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया

फ्यूचर सिटी/चेवेल्ला, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

गणेश उत्सव के दौरान जन-जागरूकता अभियान के तहत चेवेल्ला ट्रैफिक पुलिस स्टेशन के इंस्पेक्टर श्री बी. सतीश और चेवेल्ला पुलिस स्टेशन के सब-इंस्पेक्टर श्री कोटेश ने चेवेल्ला स्थित गणेश मंडपम का दौरा कर आयोजकों व भक्तों के लिए जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया।

कार्यक्रम में जागरूकता पोस्टर वितरित किए गए और डायल 112 के बारे में जानकारी दी गई, जिससे पुलिस, अग्निशमन व चिकित्सा संबंधी आपात सेवाएं प्राप्त की जा सकती हैं। पुलिस ने आयोजकों और भक्तों से व्यक्तिगत व सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा अत्यधिक डीजे व लाउडस्पीकर से होने वाले शोर-प्रदूषण से बचने की सलाह दी।

साइबर धोखाधड़ी से बचाव के लिए अज्ञात या संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करने और सोशल मीडिया पर अजनबियों से व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने की हिदायत दी गई। सड़क सुरक्षा के अंतर्गत यातायात नियमों का पालन, हेलमेट व सीट बेल्ट का उपयोग, तीन सवारी, लापरवाह ड्राइविंग, मोबाइल इस्तेमाल, अवयस्क ड्राइविंग और शराब पीकर गाड़ी चलाने से बचने को कहा गया।

पुलिस ने गणेश उत्सव को शांतिपूर्ण, सुरक्षित और जिम्मेदार तरीके से मनाने के लिए सहयोग का अनुरोध किया।

जैन संस्थाओं ने गुरु भगवंतों के दर्शन-वंदन कर लिया आशीर्वाद

हैदराबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। पर्युषण महापर्व के समापन एवं संवत्सरी क्षमापना के अवसर पर विभिन्न जैन संस्थाओं के पदाधिकारियों ने हैदराबाद में विराजित जैन गुरु भगवंतों के गुरु वंदना कार्यक्रम का आयोजन किया।

प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन की सहमंत्री सुश्री तोरल जागीरदार ने बताया कि प्राणीमित्र रमेश जागीरदार मेमोरियल फाउंडेशन, लव फॉर काऊ फाउंडेशन, शासन दीप संस्था, जैन माइनोरिटी कौंसिल, श्री अजीत पार्श्व जैन युवा संगठन, जैन संस्कार मंच एवं जैन फॉर जैन सहित विभिन्न संस्थाओं के पदाधिकारियों ने फीलखाना स्थित महावीर भवन में चातुर्मास विराजित क्रांतिकारी जैन आचार्य पूज्य श्री विमलसागर सूरीश्वरजी म.सा. एवं श्री पद्मविमलसागरजी महाराज साहब तथा बरकतपुरा स्थित श्री संभवनाथ कुशल प्रार्थना जैन मंदिर में विराजित खरतर गच्छाधिपति पूज्य आचार्य श्री जिनमणिप्रभसुरीश्वरजी म.सा. आदि ठाणा के दर्शन-वंदन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

पूज्य विमलसागरजी म.सा. ने गुरु भक्तों को मंगलिक प्रदान करते हुए श्रावक कर्तव्य का पालन करने, गुरुदेवों द्वारा बताए गए सत्य मार्ग पर चलने तथा उनके उपदेशों का अनुसरण करने की प्रेरणा दी।

इस अवसर पर रिद्धिश जागीरदार, मुकेश जैन चौहान, सीए निर्मल सिंघवी, अशोक गांधी, डॉ. घीसुलाल जैन, किशोर संचेटी, योगेश झाबक, वीरेन शाह, जयेश शाह, मनीष शाह, जगदीश शाह सहित अनेक भक्त उपस्थित रहे।

सीरवी समाज शमशाबाद बडेर में गणेश प्रतिमा विसर्जन समारोह संपन्न

शमशाबाद, 21 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो) सीरवी समाज शमशाबाद बडेर परिसर में श्री गणपति महाराज का विसर्जन समारोह श्रद्धा और उल्लास के साथ धूमधाम से संपन्न हुआ। समाज के श्रद्धालुओं ने नाचते-झूमते हुए ''गणपति बप्पा मोरया, आधा लड्डू चोरिया, अगले बरस तू जल्दी आ'' के जयघोष के साथ गणेशजी महाराज की प्रतिमा को बडेर से विदाई देकर जल में विसर्जित किया।इस वर्ष गणपति महाराज के प्रिय लड्डू की बोली के लाभार्थी शिक्षा समिति के अध्यक्ष भीकाराम काग परिवार रहे।

समाज के अध्यक्ष, सचिव एवं समस्त पदाधिकारियों ने बोलीदाता परिवार का साफा, माला एवं शॉल पहनाकर स्वागत और अभिनंदन किया। समाज की ओर से लाभार्थी परिवार के लिए गणेशजी महाराज की कृपा से सदैव सुखी, स्वस्थ एवं दीर्घायु रहने की मंगलकामना की गई।कार्यक्रम में शामिल सभी भक्तगणों ने भोजन-प्रसाद ग्रहण किया और विसर्जन समारोह को सफल बनाया।

ब्रिजगोपाल असावा को फेडरेशन ऑफ तेलंगाना चैम्बर्स ऑफ कामर्स के प्रबंध समिति सदस्य मनोनीत होने पर शाल व पुष्प गुच्छ प्रदान द्वारा बधाई देते हुए रमेश कुमार बंग, मनोज कुमार बाहेती, लक्ष्मीनारायण लाहोटी, सुनील मालाणी, रामानुज लाहोटी, लक्ष्मीनिवास असावा, रंगनाथ काबरा, राजकुमार लोहिया, जी.डी. बजाज, अनूप जाखोटिया, सुनील मंघनानी, अशोक बंग, अरुण जाखोटिया, संजय अट्टल, रामकिशोर झँवर, दिनेश मंत्री एवं अन्य।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.